सभी विद्यार्थियों के लिए

DISHA ONLINE CLASSES

हिंदी व्याकरण

FULL NOTES

बिहार बोर्ड का सबसे विश्वसनीय संस्थान

Helpline:- 7700879453

भाषा

❖ भाषा वह हैं जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों को लिखकर या बोलकर व्यक्त करता है|

▪ दूसरे शब्दों में, शब्दों द्वारा मन के विचारों के आदान-प्रदान के साधन को 'भाषा' कहते हैं ।

❖ भाषा के तीन रूप हैं

(i) मौखिक

(ii) लिखित

(iii) सांकेतिक

❖ व्याकरण:- व्याकरण उस शास्त्र को कहते हैं जिसके पढ़ने से मनुष्य किसी भाषा को शुद्ध शुद्ध लिखना, पढ़ना और बोलना सीखता है ।

लिपि

❖ भाषा को लिखने के ढंग को लिपि कहा जाता है |

जैसे :- संस्कृत और हिंदी को देवनागरी में, अंग्रेजी को रोमन में और उर्दू को फारसी लिपि में लिखी जाती है।

शब्द- विचार

❖ वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

जैसे - घर, कमल, बालक, सीता इत्यादि

❖ व्युत्पत्ति की दृष्टि से शब्द चार भेद हैं-

(i) तत्सम - हिंदी में संस्कृत के मूल शब्द को तत्सम कहते हैं

जैसे – जगत, फल, पुष्प, पुस्तक, पृथ्वी

(ii) तद्भव - तत्सम के बिगड़े हुए रूप को तद्भव कहते हैं

जैसे - आग, कुबड़ा, कपूर इत्यादि

तत्सम	तद्भव
अग्नि	आग
अष्ट	आठ
ओष्ठ	ओठ
चन्द्र	चाँद
दधि	दही
दुग्ध	दूध
रात्री	रात्री

(iii) देशज- देश की बोलचाल की भाषा में पाए जानेवाले शब्द 'देशज' कहलाते हैं।

जैसे- डिबिया, फुनगी, तेंदुआ, लोटा, पगड़ी इत्यादि

(iv) विदेशज - जिन शब्द का जन्म विदेश में हुआ है, उन्हें 'विदेशज 'कहते हैं।

जैसे - हॉस्पिटल, डॉक्टर, बुक, टेबुल, आराम , इनकार, मुहब्बत, हुस्न, मेहमान, इत्यादि

❖ रचना या बनावट की दृष्टि से शब्द के तीन भेद हैं-

(i) रूढ़ - जिन शब्दों के खंड किये जाने पर कोई अर्थ न निकले, उन्हें रूढ़ कहते हैं

जैसे - नाक, कान, ज्ञान

(ii) यौगिक- ऐसे शब्द, जो दुसरे शब्दों के मेल से बने हैं और जिनके सभी खंड सार्थक होते हैं, 'यौगिक कहलाते हैं |

जैसे – घुडसवार, विद्यासागर, हिमालय , विद्यालय इत्यादि |

(iii) यौगरुढ़ - ऐसे यौगिक शब्द, जो साधारण अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ ग्रहण करें, 'योगरूढ़ कहलाते हैं।

जैसे – लम्बोदर, दशानन, चंद्रशेखर इत्यादि |

❖ रुपान्तर की दृष्टि से शब्द दो प्रकार के होते हैं-

(i) विकारी शब्द - जिनके रूप लिंग, वचन, कारक और पुरुष के अनुसार बदलते हैं, विकारी कहलाते हैं| जैसे- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया इत्यादि

(ii) अविकारी शब्द - जिनके रूप नहीं बदलते हैं, अविकारी कहलाते हैं। अविकारी को 'अव्यय' भी कहते हैं | जैसे- क्रिया विशेषण, सम्बन्धबोधक, समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक इत्यादि |

कारक

❖ संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उसका संबंध सूचित हो तो उसे कारक कहते हैं ।

जैसे- राम ने रावण को मारा | गंगा का जल पवित्र होता हैं |

❖ हिंदी में कारक के आठ भेद हैं

(i) कर्ता (ने) - वाक्य में जो पद काम करने वाले के अर्थ में आता है उसे कर्ता कारक कहते हैं ।

जैसे- मोहन पढता है | यहां मोहन कर्ता है। इसकी विभक्ति ने लुप्त है

(ii) कर्म (को)- जिस पर क्रिया का फल पड़ता है उसे कर्म कहते हैं। राम ने रावण को मारा |

(iii) करण (से)- जिससे काम हो, उसे 'करण' कहते हैं ।

जैसे- श्याम कलम से लिखता है ।

(iv) संप्रदान (को, के लिए) - जिसके लिए क्रिया किया जाए उसे संप्रदान कहते हैं । जैसे- राजा ब्राह्मण को वस्त्र देता हैं | वह पढ़ने के लिए विद्यालय जाता हैं |

(v) आपादन (से)- जिससे किसी वस्तु को अलग किया जाए उसे अपादान कहते हैं। जैसे - वृक्ष से पत्ते गिरते हैं | बालक छत से गिर गया |

(vi) संबंध कारक (का, के, की, रा, रे, री)- जिससे किसी वस्तु का संबंध हो उसे 'संबंध कारक' कहते हैं।

जैसे - राम का भाई लक्ष्मण है । वह मेरा भाई मोहन हैं |

(vii) अधिकरण (में, पर) - जिससे क्रिया के आधार का पता लगे उसे अधिकरण कहते हैं।

जैसे - लड़की घोड़े पर बैठी है| वह अपने कमरे में बैठा है |

(viii) संबोधन (हे, अजी अहो) – जिससे किसी को पुकारा या संबोधित किया जाए, उसे संबोधन कारक कहते हैं |

जैसे- हे मानव ! इस जीव पर दया करों |

विराम चिन्ह

- पूर्णविराम (।)
- अर्द्धविराम (;)
- अल्पविराम (,)
- योजक चिह्न (-)
- प्रश्नवाचक चिह्न (?)
- विषमयादी बोधक (!)

अशुद्ध	शुद्ध
अनुकुल	अनुकूल
अध्यन	अध्ययन
अद्वितिय	अद्वितीय
आर्शिवाद	आशीर्वाद
ईर्षा	ईर्ष्या
उँचाई	ऊँचाई
उन्नती	उन्नति
नमष्कार	नमस्कार
नछत्र	नक्षत्र
निरोग	नीरोग
पूण्य	पुण्य
पुस्प	पुष्प
उपर	ऊपर
उज्वल	उज्ज्वल
उत्कृष्ठ	उत्कृष्ट
गनित	गणित
गृहस्थ्य	गृहस्थ
चिन्ह	चिह्न
चांद	चाँद
छमा	क्षमा
ज्येष्ट	ज्येष्ठ
यथेष्ठ	यथेष्ट
रसायण	रसायन
रामायन	रामायण
बनावास	वनवास
छह	छः
अनाधिकार	अनधिका
पृष्ठ	पृष्ट
प्राप्ती	प्राप्ति
पत्रि	पत्नी
प्रसंशा	प्रशंसा
प्रनाम	प्रणाम
प्रमेश्वर	परमेश्वर
परिक्षा	परीक्षा
पुज्य	पूज्य
पुरष्कार	पुरस्कार
प्रशाद	प्रसाद
प्रतिकुल	प्रतिकूल
पिचास	पिचाश
ब्रम्ह	ब्रह्म
बुढ़ा	बूढ़ा
ब्राम्हन	ब्राह्मण
भष्म	भस्म
मट्टी	मिट्टी
मैथलीशरण	मैथिलीशरण
दांत	दाँत
श्रीयुत्	श्रीयुत
हिंदु	हिंदू
हंसना	हँसना
हिन्दूस्तान	हिन्दुस्तान
पैत्रिक	पैतृक
एकत्रित	एकत्र
उपरोक्त	उपर्युक्त
निरस	नीरस
विद्वान	विद्वान्
व्यावहार	व्यवहार
धनमान	धनवान्
बिठाया	बैठाया
पहिले	पहले
सप्ताहिक	साप्ताहिक
सिंदुर	सिंदूर
सुर्य	सूर्य
सृष्टी	सृष्टि
सम्राज्य	साम्राज्य
संसारिक	सांसारिक
समीति	समिति
स्वास्थ	स्वास्थ्य
स्मर्ण	स्मरण
सिंगार	श्रृंगार
बुद्धिवान	बुद्धिमान्

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

- भगमान भगवान्
- घनिष्ट घनिष्ठ
- आंख आँख
- बांस बाँस
- शक्ती शक्ति

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

वाक्यखंड	एक शब्द
जिसे चार भुजाएँ हैं	चतुर्भुज
जिसे दस आनन (मुख) हैं	दशानन (रावण)
जिसके समान द्वितीय (दूसरा) न हो	अद्वितीय
जिसके हृदय में दया न हो	निर्दय
जिसके दो पद (पैर) हैं	द्विपद
जिसका कोई नाथ न हो	अनाथ
जिसे ईश्वर या वेद में विश्वास न हो	नास्तिक
जिसे ईश्वर या वेद में विश्वास हो	आस्तिक
जिस स्त्री का धव (पति) मर गया है	विधवा
जिसका जन्म अनु (पीछे) हुआ हो	अनुज
यशवाला	यशस्वी
तेजवाला	तेजस्वी
जो सब कुछ जानता है	सर्वज्ञ
जो बहुत जानता है	बहुज्ञ
बीता हुआ	अतीत
जो किये गये उपकारों को जानता (मानता) है	कृतज्ञ
जो किये गये उपकारों को नहीं मानता है	कृतघ्न
नहीं मरनेवाला	अमर
जो किसी की ओर से है	प्रतिनिधि
गिरा हुआ	पतित
जो बहुत बोलता है	वाचाल
कठिनाई से समझने योग्य	दुर्बोध
आगे होनेवाला	भावी
सब कुछ भक्षण करनेवाला	सर्वभक्षी
जिसकी उपमा ने हो	अनुपम
जो नहीं हो सकता	असंभव
जो आमिष (मांस) नहीं खाता	निरामिष
जो अक्षर (पढ़ना-लिखना) जानता है	साक्षर
जो स्वार्थ (अपनी ही भलाई) चाहता है	स्वार्थी
जो परमार्थ (दूसरों की भलाई) चाहता है	परमार्थी
आशा से अधिक	आशातीत
जो पर (दूसरों) के अधीन है	पराधीन
जो देखने में प्रिय लगता है	प्रियदर्शी
जो जन्म से अंधा है	जन्मांध
जो नष्ट होनेवाला है	नश्वर
आँखों के सामने	प्रत्यक्ष
अपने परिवार के साथ	सपरिवार
जो स्त्री कविता लिखती है	कवित्री
जो शत्रु की हत्या करता है	शत्रुघ्न
जो मांस का आहार करता है	मांसाहारी
जो शाक का आहार करता है	शाकाहारी
जो फल का आहार करता है	फलाहारी
जो विज्ञान जानता है	वैज्ञानिक
जो व्याकरण जानता है	वैयाकरण
बेचने वाला	विक्रेता
आकाश को चूमनेवाला	आकाशचुंबी
गगन को चूमने वाला	गगनचुंबी
वह स्थान जहाँ मुर्दे जलाये जाते हैं	श्मशान
जो लोक में संभव न हो	अलौकिक
जो मन को हर ले	मनोहर
शक्ति के अनुसार	यथाशक्ति
ग्राम का रहनेवाला	ग्रामीण
नगर का रहनेवाला	नागरिक, नागर
नया (तुरंत का) जनमा हुआ	नवजात
पुत्र की वधू	पुत्रवधू
पुत्र का पुत्र	पौत्र
जो धर्म करता है	धर्मात्मा
जो साँप पकड़ता है	सँपेरा
यात्रा करनेवाला	यात्री
जहाँ लोगों का मिलन हो	सम्मेलन
जहाँ नदियों का मिलन हो	संगम
सुख देनेवाला	सुखद
दुःख देनेवाला	दुःखद
जिसका उदर लंबा हो	लंबोदर
जिस पुरुष की स्त्री मर गयी है	विधुर
जो पीने योग्य हो	पेय
मरण तक	आमरण
जन्म भर	आजन्म
समान उदर से जन्म लेनेवाला	सहोदर
कम बोलनेवाला	मितभाषी
जो नाचता है	नर्तक,नृत्यकार
जो अभिनय करता है	अभिनेता
जो स्त्री अभिनय करती है	अभिनेत्री
पढने योग्य	पठनीय

- दर्शन के योग्य - दर्शनीय

वर्ण

- वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है, जिसका खंड या टुकड़ा नही हो सकता है । जैसे - अ, क्, प्, ह् आदि ।
- हिंदी भाषा में कुल 52 वर्ण हैं ।
- वर्ण के दो भेद होते हैं-

स्वर वर्ण

- जिस वर्ण के उच्चारण में किसी दुसरे वर्ण की सहायता नहीं ली जाती है , स्वर वर्ण कहलाती है|

जैसे – अ , आ ,ए ,औ , ऋ आदि |

- हिन्दी व्याकरण में स्वर वर्णों की संख्या 11 है –

अ , आ , इ , ई , उ , ऊ , ऋ , ए , ऐ , ओ ,औ

❖ स्वर के भेद

- उच्चारण में लगने वाले समय के अनुसार

(i) ह्रस्व स्वर / मूल स्वर – अ, इ, उ, ऋ
(ii) दीर्घ स्वर – आ, ई, ऊ
(iii) प्लुत स्वर – ॐ

- उत्पति के आधार पर स्वरों के दो भेद है-

(i) मूल स्वर - अ, इ, उ, ऋ
(ii) संधि स्वर - आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

- उच्चारण के आधार पर स्वरों के चार भेद होते हैं-

(i) ह्रस्व स्वर - अ, इ, उ, ऋ
(ii) दीर्घ स्वर - आ , ई , ऊ
(iii) संयुक्त स्वर - ए , ऐ , ओ , औ
(iv) प्लुत स्वर - ॐ

1. हिन्दी में कुल कितने वर्ण होते है?
(A) 52
(B) 51
(C) 50
(D) 44

2. हिन्दी में स्वरों की संख्या कितनी है?
(A) 13
(B) 33
(C) 11
(D) 12

3. वर्ण के कितने भेद है?
(A) 2
(B) 3
(C) 4
(D) 5

व्यंजन वर्ण

- जिस वर्ण का उच्चारण स्वर वर्ण की सहायता से होता है , व्यंजन वर्ण कहलाता है ।
- जैसे – क = क्+अ , ख = ख् + अ , च = च् + अ इत्यादि।
- हिन्दी व्याकरण में कुल '33' व्यंजन वर्ण हैं -

(i) स्पर्श व्यंजन - कवर्ग , चवर्ग , टवर्ग , तवर्ग , पवर्ग
(ii) अन्तः स्थ व्यंजन - य , र, ल, व
(iii) उष्म व्यंजन - श, ष, स, ह

- वर्ण के अन्य प्रकार –

(i) संयुक्त व्यंजन वर्ण - क्ष , त्र , ज्ञ , श्र
(ii) अयोगवाह - अं , अः
(iii) द्विगुण व्यंजन - ड , ढ

- वर्णमाला – वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते है |
  - क्ष = क् + ष् + अ
  - त्र = त्+र्+अ
  - ज्ञ = ज्+ञ्+अ
  - श्र = श्+र्+अ

नोट - हलन्त लगने पर किसी भी व्यंजन का मान आधा हो जाता है ।

4. स्पर्श व्यंजन की संख्या कितनी है?
(A) 13
(B) 19
(C) 25
(D) 44

5. व्यंजन वर्ण की संख्या कितनी है?
(A) 13
(B) 33
(C) 25
(D) 44

6. निम्न में उष्म व्यंजन वर्ण कौन है?
(A) य
(B) र
(C) ल
(D) ह

7. संयुक्त व्यंजनों की संख्या कितनी है ?
(A) 2
(B) 4
(C) 6
(D) 8

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

उच्चारण – स्थान

- क , ख , ग , घ , ङ , अ , आ , ह - कंठ (K)
- च , छ ,ज , झ , ञ , इ , ई . श - तालू (T)
- ट , ठ , ड , ढ , ण , ष , ऋ - मूर्धा (M)
- त , थ , द , ध , न , ल , स - दंत (D)
- प , फ , ब , भ , म , उ , ऊ , व - ओष्ट (O)

ए = अ + इ
= कंठ + तालू
= कंठतालू (ए, ऐ)

ओ = अ + ऊ
= कंठ + ओष्ठ
= कंठोष्ठय (ओ , औ)

- मुँह से निकलने वाले हवा की मात्रा के आधार पर वर्ण के भेद :-

(i) अल्पप्राण - जिन वर्णों के उच्चारण में मुँह से कम हवा निकलता हो |
या जिन व्यंजन वर्णों के उच्चारण में 'ह' कार की ध्वनि नहीं होती है उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहा जाता है ।

- प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा और पाँचवा वर्ण साथ हीं अन्तःस्थ व्यंजन वर्ण 'अल्पप्राण व्यंजन वर्ण' होता हैं ।

अल्पप्राण Trick – य र ल व 1 3 5

क ग ङ
च ज ञ
ट ड ण
त द न
प ब म

- इसकी कुल संख्या 19 हैं

(ii) महाप्राण – इसके उच्चारण में अधिक वायु निकलता हैं
या जिन व्यंजन वर्णों के उच्चारण में 'ह' कार की ध्वनि होती है उन्हे महाप्राण व्यंजन कहा जाता है।

- प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण साथ हीं उष्म व्यंजन वर्ण "महाप्राण व्यंजन वर्ण" हैं।

महाप्राण Trick – श ष स ह 2 4

ख घ
छ झ
ठ ढ
थ ध
फ भ

- इसकी कुल संख्या 14 हैं

- स्वरतंत्रिका में कंपन के आधार पर वर्णों के भेद :-

(i) घोष या सघोष :- इसके उच्चारण में स्वरतंत्रिका में कंपन उत्तपन होता हैं |
जैसे :- अ, आ, इ, ई, य, र, ल आदि |

घोष वर्ण Trick – सर्वे स्वर अन्तःस्थ 3 4 5 ह

अ आ य ग घ ङ
इ ई र ज झ ञ
उ ऊ ल ड ढ ण
ए ऐ व द ध न
ओ औ ब भ म
ऋ

- इसकी कुल संख्या 31 हैं
- सघोष सर्वे स्वर अन्तः वर्ग 3 4 5 ह !
- सभी स्वर-अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ
- अन्तः व्यंजन :- य, र, ल, व

(ii) अघोष :- इसके उच्चारण में स्वरतंत्रिका में कंपन उत्तपन नहीं होता हैं |
जैसे :- क, ख, च, छ, श, ष, स आदि |
नोट :- वर्ग के पहला, दूसरा तथा उष्ण व्यंजन वर्ण को अघोष वर्ण कहा जाता हैं | इसकी कुल संख्या 13 है।

अघोष Trick – श ष स ह 1 2

क ख
च छ
ट ठ
त थ
प फ

- इसकी कुल संख्या 14 हैं

8. निम्न में से अयोगवाह वर्ण कौन है?
(A) अं, अः
(B) इ ई
(C) उ ऊ
(D) इनमे से कोई नही

9. द्विगुण व्यंजनों की संख्या कितनी है?
(A) 2
(B) 3
(C) 4
(D) 5

10. अघोष वर्ण कौन-सा है?
(A) अ
(B) ज
(C) ह

(D) सं

11. 'घ' का उच्चारण स्थान क्या है?

(A) कंठ

(B) तालू

(C) मूर्ग

(D) दन्त

12. 'प' का उच्चारण स्थान क्या है?

(A) तालू

(B) मूर्दा

(C) दन्त

(D) ओष्ठ

13. 'क' का उच्चारण स्थान कौन-सा है?

(A) तालू

(B) मुर्दा

(C) दन्त

(D) कंठ

14. व' का उच्चारण स्थान क्या है?

(A) दन्तोष्ठ्य

(B) दन्न

(C) ओष्ठ

(D) कंठ

15. 'ज' का उच्चारण स्थान क्या है?

(A) कंठ

(B) तालू

(C) दन्त

(D) ओष्ठ

16. अ+इ' के मेल से कौन-सा नया वर्ण बनेगा ?

(A) ए

(B) ऐ

(C) य

(D) ये

17. 'ओ' वर्ण में किन-किन वर्णों का मेल है? (20)

(A) अनभ

(B) अ + 3

(C) अ +ओ

(D) None

18. 'फ' का उच्चारण स्थान क्या है?

(A) कंठ

(B) दन्न

(C) ओष्ठ

(D) तालू

19. 'ह' का उच्चारण स्थान क्या है?

(A) कंठ

(B) तालू

(C) दन्त

(D) मूर्दा

20. 'ल' का उच्चारण स्थान क्या है? 9

(A) दन्त्य

(B) कण्ठ्य

(C) तालव्य

(D) ओष्ठ

21. 'ऐ' में किन-किन वर्णों का मेल हैं?

(A) अ +इ

(B) अ+ अ

(C) अ + ए

(D) अनई

22. औ में किन-किन वर्णों का मेल हैं?

(A) अ+इ

(B) अ+ओ

(C) अन+ओ

(D) अ+ई

23. निम्न में अल्पप्राण वर्ण कौन-सा है?

(A) क

(B) ख

(C) घ

(D) भ

24. निम्न में से घोष वर्ण कौन-सा है?

(A) ख

(B) च

(C) म

(D) स

25. 'छ' का उच्चारण-स्थान क्या है ?

(A) कंठ

(B) तालु

(C) मूर्द्धा

(D) दंत

26. 'ध' का उच्चारण-स्थान क्या है ?

(A) कंठ

(B) तालु

(C) दंत

(D) ओष्ठ

27. 'ट' का उच्चारण-स्थान क्या है? है?

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(A) तालु
(B) मूर्द्धा
(C) दत
(D) ओष्ठ

28. व्यंजनों के अन्त में (हलन्त्) हलन्त लगने पर उसका मान होता है :
(A) आधा
(C) तिहाई
(B) चौथाई
(D) सम्पूर्ण

29. 'द' का उच्चारण स्थान है :
(A) कंठ
(B) तालु
(C) दन्त
(D) मूर्द्धा

30. 'ई' वर्ण है :
(A) ह्रस्व स्वर
(B) दीर्घ स्वर
(C) अन्तस्थ व्यंजन
(D) ऊष्म व्यंजन

31. 'अ' का उच्चारण स्थान है-
(A) तालु
(B) मुर्द्धा
(C) ओष्ठ
(D) कंठ

32. निम्नलिखित में घोष वर्ण कौन-सा है-
(A) स
(B) ह
(C) अ
(D) ख

33. निम्नलिखित में किसका उच्चारण कंठ से होता है-
(A) प
(B) स
(C) ज
(D) ख

34. हिन्दी में अन्त:स्थ वर्ण की संख्या कितनी है-
(A) दो
(B) तीन
(C) चार
(D) पाँच

35. निम्नलिखित में अघोष वर्ण कौन-सा है-
(A) च
(B) ग
(C) ल
(D) घ

36. 'श' का उच्चारण स्थान क्या है-
(A) दाँत
(B) तालु
(C) दन्तालु
(D) मूर्द्धा

37. 'ङ' का उच्चारण स्थान क्या है ?
(A) कंठ
(B) तालु
(C) मूर्द्धा
(D) दंत

38. 'ण' का उच्चारण स्थान क्या है ?
(A) कंठ
(B) मूर्द्धा
(C) तालु
(D) दंत

39. 'ग' का उच्चारण स्थान क्या है ?
(A) तालु
(B) मूर्द्धा
(C) कंठ
(D) ओष्ठ

40. 'त' का उच्चारण स्थान हैं :
(A) मूर्द्धा
(B) दंत
(C) कंठ
(D) ओष्ठ

41. निम्नलिखित में से प्लुत स्वर कौन है-
(A) अ
(B) ए
(C) ॐ
(D) ऊ

42. उत्पत्ति के आधार पर स्वर के कितने भेद हैं?
(A) 1
(B) 2
(C) 3
(D) 4

43. उच्चारण के आधार पर स्वर के कितने भेद हैं?
(A) 2

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS DISHA

(B) 4
(C) 6
(D) 8

संज्ञा

❖ संज्ञा (Noun) :- किसी व्यक्ति, वस्तु, जानवर, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते है।

जैसे- सुरेश, पुस्तक, बचपन, गरीबी आदि।

संज्ञा के पाँच भेद है-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा- इससे किसी खास व्यक्ति, वस्तु या स्थान आदि के नाम का बोध होता है।

जैसे-

■ व्यक्ति- सुरेश, सूरदास, महेश, रवि, भारतीय, आर्यावर्त्त।
■ स्थान- पटना, वाराणसी, बिहार, भारतवर्ष।
■ दिन/महीना- सोमवार, शनिवार, जनवरी, अक्टूबर।
■ पर्व/त्योहार- रक्षाबंधन, दिवाली, होली।
■ पुस्तक/ग्रंथ- रामचरितमानस, रामायण, भागवतगीता
■ नदी/झील/सागर- गंगा, कोसी, ब्रह्मपुत्र, बैकाल, हिन्द महासागर।
■ विद्रोह/आंदोलन/क्रांति- सिपाही-विद्रोह, चौरी-चौरा कांड, सविनय अवज्ञा आंदोलन।
■ पर्वत/पठार- विंध्याचल, हिमालय।
■ दिशा- पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण।

नोट- 'संसार' व्यक्तिवाचक संज्ञा है।

2. जातिवाचक संज्ञा- इससे पूरी जाति या समुदाय का बोध होता है।

जैसे- प्राणियों के नाम- लड़का, लड़की, बच्चा, तोता, कौआ, आदमी, मनुष्य, पक्षी, कुत्ता, गाय, मित्र भाई, चोर।

❖ वस्तुओं के नाम- किताब, कलम, मेज, कुर्सी, घर, गेहूँ, चावल, फल, आम, रसगुल्ला, कार, पेड़, नदी, पहाड़, तूफान, ज्वालामुखी, शहर, बाजार, मैदान, महीना, दिन, देश, पहनावा(वस्त्र)।

❖ पद/व्यवसायों के नाम- कवि, लेखक, शिक्षक, राज्यपाल, राष्ट्रपति, डॉक्टर, इंजीनियर, मजदूर, सैनिक, वकील।

नोट- सिपाही और सैनिक जातिवाचक संज्ञा है, जबकि पुलिस और सेना समूहवाचक संज्ञा है।

3. समूहवाचक- इससे वस्तु या पदार्थ के समूह का बोध होता है। जैसे- सेना, दल, भीड़, मंडली, गुच्छा, परिवार, वर्ग, मेला, झुण्ड, गिरोह, सभा, टुकड़ी, कक्षा, पुलिस, पुस्तकालय पुलिस आदि।

4. द्रव्यवाचक- इससे नाप/माप-तौल वाली वस्तु, पदार्थ या धातु का बोध होता है। जैसे- सोना चाँदी, ताम्बा, जस्ता, धी, दही लोहा, तेल, दाल, दूध, पानी, हीरा, जूस, पीतल, धुंआ, पेट्रोल, डीजल, हवा आदि।

5. भाववाचक- इससे वस्तु या प्राणी के गुण, दशा, अवस्था, भाव आदि का बोध होता है।

जैसे- चोरी, बचपन, सर्दी, गर्मी, लाघव लड़कपन, स्त्रीत्वा मित्रता, मानवता, बुढ़पा, गरीबी, अमीरी, शत्रुता, टिकाऊ, शाबाश आदि।

जातिवाचक → से भाववाचक

- मानव→ मानवता
- पशु→ पशुता/ पशुत्व
- ईमानदार→ईमानदारी
- ईश्वर → ऐश्वर्य
- भाई → भाईचारा
- स्त्री → स्त्रीत्व
- मुर्ख → मुर्खता
- शत्रु → शत्रुता
- चोर → चोरी
- बुढ़ा → बुढ़ापा
- गुरु → गुरुता / गुरुत्व
- सेवक → सेवा
- पिता → पितृत्व
- मनुष्य → मनुष्यत्व
- बच्चा → बचपन
- व्यक्ति → व्यक्तित्व
- नारी → नारीत्व
- राष्ट्र → राष्ट्रीयता
- मित्र → मित्रता
- लड़का → लड़कपन
- शिक्षक → शिक्षा
- शिशु → शैशव
- पंडित →-पांडित्य
- पुरुष → पुरुषत्व
- जवान → जवानी

विशेषण से भाववाचक

- मीठा → मिठास
- आलसी → आलस्य
- कठोर → कठोरता
- निपुण →निपुणता
- कायर → कायरता
- सरल → सरलता

- लोभी → लोभ
- अच्छा → अच्छाई
- सच्चा → सच्चाई
- प्यासा → प्यास
- सुंदर → सुंदरता
- स्वस्थ → स्वास्थ्य
- लघु → लाघव

क्रिया से भाववाचक

- मिलाना → मिलावट
- चुनना → चुनाव
- उड़ना → उड़ान
- लिखना → लिखावट
- चमकना → चमक
- मरना → मरण

वस्तुनिष्ट प्रश्न: -

1. 'पानी' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) जातिवाचक
(B) द्रव्यवाचक
(C) व्यक्तिवाचक
(D) भाववाचक

2. 'गिरोह' शब्द कौन संज्ञा है?
(A) द्रव्यवाचक
(B) भाववाचक
(C) समूहवाचक
(D) व्यक्तिवाचक

3. 'अक्टूबर' शब्द कौन संज्ञा है?
(A) जातिवाचक
(B) भाववाचक
(C) समूहवाचक
(D) व्यक्तिवाचक

4. 'सिपाही विद्रोह' शब्द कौन संज्ञा है?
(A) व्यक्तिवाचक
(B) जातिवाचक
(C) समूहवाचक
(D) द्रव्यवाचक

5. वस्तुओं के नाम को क्या कहते हैं ?
(A) संज्ञा
(B) सर्वनाम
(C) क्रिया
(D) वचन

6. नाप-तौल का बोध कराने वाले शब्द को क्या कहते हैं ?
(A) जातिवाचक संज्ञा
(B) द्रव्यवाचक संज्ञा
(C) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(D) भाववाचक संज्ञा

7. निम्न में से द्रव्यवाचक संज्ञा नहीं है-
(A) सोना
(B) चाँदी
(C) तेल
(D) आय

8. निम्न में समूहवाचक संज्ञा है-
(A) सभा
(B) मानवता
(C) आदमी
(D) चावल

9. जिस संज्ञा से एक ही तरह के वस्तु का बोध होता है, उसे कहते हैं-
(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(B) भाववाचक संज्ञा
(C) समूहवाचक संज्ञा
(D) जातिवाचक संज्ञा

10. 'कलम' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) जातिवाचक
(B) व्यक्तिवाचक
(C) भाववाचक
(D) समूहवाचक

11. 'सभा' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) जातिवाचक
(B) व्यक्तिवाचक
(C) समूहवाचक
(D) भाववाचक

12. निम्न में भाववाचक संज्ञा कौन है ?
(A) बुढ़ापा
(B) पहाड़
(C) नदी
(D) राम

13. 'सुरेश' कौन संज्ञा है ?
(A) व्यक्तिवाचक
(B) जातिवाचक
(C) भाववाचक
(D) समूहवाचक

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

14. 'तूफान' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) व्यक्तिवाचक
(B) जातिवाचक
(C) द्रव्यवाचक
(D) समूहवाचक

15. व्यक्तिवाचक संज्ञा है-
(A) यमुना
(B) गाय
(C) पहाड़
(D) आम

16. जातिवाचक संज्ञा है -
(A) दुःख
(B) सेना
(C) लड़का
(D) श्याम

17. निम्नलिखित शब्दों में जातिवाचक संज्ञा नहीं है-
(A) कौआ
(B) बाजार
(C) समोसा
(D) श्याम

18. अर्थ के विचार से संज्ञा के कितने प्रकार है ?
(A) चार
(B) पाँच
(C) छह
(D) सात

19. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द जातिवाचक संज्ञा है?
(A) शहर
(B) साकेत
(C) दिल्ली
(D) नीलम

20. 'स्त्रीत्व' शब्द में कौन-सी संज्ञा है ?
(A) जातिवाचक संज्ञा
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(C) भाववाचक संज्ञा
(D) द्रव्यवाचक संज्ञा

21. 'राम और श्याम में मित्रता है।' इस वाक्य में 'मित्रता' कौन-सी संज्ञा है?
(A) जातिवाचक संज्ञा
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(C) भाववाचक संज्ञा
(D) समूहवाचक संज्ञा

22. निम्न में कौन व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं है ?
(A) रवि
(B) हिमालय
(C) गंगा
(D) आदमी

23. भाववाचक संज्ञा बनाइए 'लड़का ' -
(A) लड़कापन
(B) लड़काई
(C) लड़कपन
(D) लड़काईपन

24. वृद्ध का भाववाचक होगा-
(A) वृद्धा
(B) वृद्धित्व
(C) वर्धा
(D) वार्धक्य

25. भाववाचक संज्ञा का उदाहरण है :
(A) सर्दी
(B) लड़की
(C) बहन
(D) घड़ी

26. 'लघु' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाए-
(A) लघुता
(B) लाघव
(C) लघुत्व
(D) लावघ

27. निम्न में से कौन व्यक्तिवाचक संज्ञा है?
(A) गाय
(B) पहाड़
(C) यमुना
(D) आम

28. 'मित्र' शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप है:
(A) मैत्री
(B) मित्रता
(C) मित्रत्व
(D) मित्री

29. कौन-सा शब्द जातिवाचक संज्ञा नहीं है ?
(A) जवान
(B) बालक
(C) सुन्दर
(D) मनुष्य

30. जयचंद कौन सी संज्ञा है।

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(A) जातिवाचक
(B) व्यक्तिवाचक
(C) भाववाचक
(D) समूहवाचक

31. 'कृष्ण' कौन-सी संज्ञा है?
(A) जातिवाचक संज्ञा
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(C) भाववाचक संज्ञा
(D) समूहवाचक संज्ञा

32. नेताजी भाषण दे चुके है। नेताजी किस संज्ञा का उदाहरण है ?
(A) जातिवाचक
(B) भाववाचक
(C) समूहवाचक
(D) व्यक्तिवाचक

33. आजकल भारतीय पहनावे बदल गए हैं। इस वाक्य में पहनावे कौन-सी संज्ञा है ?
(A) जातिवाचक
(C) भाववाचक
(B) व्यक्तिवाचक
(D) समूहवाचक

34. कौन-सा शब्द भाववाचक संज्ञा नहीं है ?
(A) मिठाई
(B) चतुराई
(C) लड़ाई
(D) उतराई

35. 'टिकना' शब्द का भाववाचक होगा-
(A) टिकाऊ
(B) टिकावट
(C) टिकाव
(D) टिकनाई

36. मैदान में सभा हो रही है। यहाँ 'सभा' कौन संज्ञा है ?
(A) भाववाचक
(B) समूहवाचक
(C) जातिवाचक
(D) व्यक्तिवाचक

37. इनमें से भावाचक संज्ञा नहीं है-
(A) हिमालय
(B) जीत
(C) गुणी
(D) खेल

38. जातिवाचक संज्ञा बताएँ-
(A) लड़का
(B) सेना
(C) श्याम
(D) दुःख

39. 'सोना' शब्द का भाववाचक होगा-
(A) सोना
(B) शयन
(C) सयन
(D) शयण

40. निम्नलिखित में भाववाचक संज्ञा कौन-सी है ?
(A) शत्रुता
(B) वीर
(C) मनुष्य
(D) गुरु

41. निम्न में से कौन भाववाचक संज्ञा है ?
(A) दूध
(B) सभा
(C) ताजमहल
(D) गरीबी

42. गंगा पवित्र है।' वाक्य में 'गंगा' कौन सी संज्ञा है ?
(A) व्यक्तिवाचक
(B) जातिवाचक
(C) भाववाचक
(D) समूहवाचक

43. द्रव्यवाचक संज्ञा का उदाहरण है:
(A) गुच्छा
(B) तेल
(C) शहर
(D) कक्षा

44. निम्नलिखित में संज्ञा का भेद है-
(A) पुरुषवाचक
(B) व्यक्तिवाचक
(C) संबंधवाचक
(D) निजवाचक

45. 'मिठास' शब्द है-
(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(B) जातिवाचक संज्ञा
(C) भाववाचक संज्ञा
(D) समूहवाचक संज्ञा

46. जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण नहीं है:

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(A) गाय
(B) नदी
(C) शहर
(D) विवेकानंद

47. 'बुढापे' कौन-सी संज्ञा है ?
(A) जातिवाचक
(B) व्यक्तिवाचक
(C) भाववाचक
(D) समूहवाचक

48. 'ईमानदारी सर्वोत्तम नीति है।' यहां 'ईमानदारी' कौन-सी संज्ञा है?
(A) जातिवाचक संज्ञा
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(C) भाववाचक संज्ञा
(D) समूहवाचक संज्ञा

सर्वनाम

❖ संज्ञा के बदले में जिस शब्द का प्रयोग होता है, उसे सर्वनाम कहते हैं।
❖ सर्वनाम मूलतः ग्यारह है- मैं, तू, हम, आप, यह, वह, जो, सो, कौन, कोई, कुछ।

सर्वनाम	पहचान
(i) पुरूषवाचक सर्वनाम →	मैं, हम, तुम, वह, यह
(ii) निश्चयवाचक सर्वनाम →	यह, वह
(iii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम →	कोई, कुछ
(iv) संबंधवाचक सर्वनाम →	जो, सो
(v) प्रश्नवाचक सर्वनाम →	कौन, क्या
(vi) निजवाचक सर्वनाम →	स्वयं आप

❖ पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद है-
(i) उत्तम पुरूष वाचक सर्वनाम- मैं, हम
(ii) मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम- तुम, तुमलोग
(iii) अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम- वह, यह

वस्तुनिष्ट प्रश्न: -

1. 'कौन आता है?' कौन-सा सर्वनाम है?
(A) प्रश्नवाचक
(B) संबंधवाचक
(C) निश्चयवाचक
(D) अनिश्चयवाचक

2. 'तुम क्या खा रहे हो?' रेखांकित शब्द कौन सर्वनाम है?
(A) अनिश्चयवाचक
(B) प्रश्नवाचक
(C) संबंधवाचक
(D) निश्चयवाचक

3. 'यह कविता मैंने लिखी है।' रेखांकित शब्द कौन सर्वनाम है?
(A) निजवाचक
(B) निश्चयवाचक
(C) पुरुषवाचक
(D) संबंधवाचक

4. 'वह औरों को नहीं, अपने को सुधार रहा है।' किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) निजवाचक
(B) निश्चयवाचक
(C) अनिश्चयवाचक
(D) संबंधवाचक

5. 'आपने क्या खाया है?' इस वाक्य में 'क्या' कौन-सा सर्वनाम है?
(A) निश्चयवाचक
(B) अनिश्चयवाचक
(C) प्रश्नवाचक
(D) पुरुषवाचक

6. 'मैं आप चला जाऊँगा।' इस वाक्य में 'आप' कौन-सा सर्वनाम है?
(A) पुरुषवाचक
(B) निजवाचक
(C) निश्चयवाचक
(D) संबंधवाचक

7. 'कोई' कैसा सर्वनाम है?
(A) निश्चयवाचक
(B) अनिश्चयवाचक
(C) संबंधवाचक
(D) प्रश्नवाचक

8. जो कमाएगा, वही खाएगा। किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) निजवाचक
(B) अनिश्चयवाचक
(C) संबंधवाचक
(D) निश्चयवाचक

9. 'वह कौन सो रहा है? किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) संबंधवाचक
(B) निश्चयवाचक
(C) अनिश्चयवाचक
(D) प्रश्नवाचक

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

10. 'जो पढ़ेगा सो पास होगा। किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) पुरुषवाचक
(B) निजवाचक
(C) प्रश्नवाचक
(D) संबंधवाचक

11. 'कौन खा रहा है?' किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) अनिश्चयवाचक
(B) निजवाचक
(C) प्रश्नवाचक
(D) निश्चयवाचक

12. 'रोटी मत खाओ, क्योंकि वह जली है।' कौन सर्वनाम है?
(A) अनिश्चयवाचक
(B) संबंधवाचक
(C) निश्चयवाचक
(D) प्रश्नवाचक

13. 'दाल मे कुछ काला है।' किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) अनिश्चयवाचक
(B) संबंधवाचक
(C) प्रश्नवाचक
(D) निश्चयवाचक

14. 'आप भला तो जग भला। किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) निश्चयवाचक
(B) संबंधवाचक
(C) निजवाचक
(D) प्रश्नवाचक

15. 'वह' किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) अनिश्चयवाचक
(B) निजवाचक
(C) संबंधवाचक
(D) निश्चयवाचक

16. 'हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते?' कौन सर्वनाम है?
(A) प्रश्नवाचक
(B) निश्चयवाचक
(C) निजवाचक
(D) संबंधवाचक

17. 'यह मेरा छोटा भाई अमित है।' किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) पुरुषवाचक
(B) निजवाचक
(C) निश्चयवाचक
(D) अनिश्चयवाचक

18. 'कुछ खा लो। किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) निश्चयवाचक
(B) अनिश्चयवाचक
(C) प्रश्नवाचक
(D) निजवाचक

19. 'उसने कुछ नहीं खाया'। किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) निश्चयवाचक
(B) निजवाचक
(C) संबंधवाचक
(D) अनिश्चयवाचक

20. 'मैं, हम, तुम, वह, यह' किस सर्वनाम के उदाहरण हैं?
(A) पुरुषवाचक
(B) प्रश्नवाचक
(C) अनिश्चयवाचक
(D) निश्चयवाचक

21. हिन्दी में कुल कितने सर्वनाम होते हैं?
(A) तीन
(B) चार
(C) आठ
(D) ग्यारह

22. सर्वनाम के भेद हैं-
(A) पाँच
(B) छः
(C) तीन
(D) दो

23. 'सर्वनाम' का भेद है-
(A) संबंधवाचक
(B) द्रव्यवाचक
(C) व्यक्तिवाचक
(D) भाववाचक

24. पुरुषवाचक सर्वनाम का भेद नहीं है-
(A) उत्तम पुरुष
(B) मध्यम पुरुष
(C) अन्य पुरुष
(D) निश्चयवाचक

25. निम्न में कौन-सा शब्द सर्वनाम है?
(A) मोहन
(B) आप
(C) कमला
(D) गुड़िया

26. निम्नलिखित में सर्वनाम है-

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(A) राजेन्द्र
(B) पुस्तक
(C) मैं
(D) सीता

27. इनमें से अनिश्चियवाचक सर्वनाम कौन-सा है ?
(A) कौन
(B) जो
(C) कोई
(D) वह

28. सम्बन्धवाचक सर्वनाम बताएँ-
(A) कोई नहीं
(B) कौन
(C) जो
(D) आप

29. शायद कमरे में कोई छिपा है? हुआ है। इस वाक्य में कोई शब्द है-
(A) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(B) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
(C) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(D) इनमें से कोई नहीं

30. 'आपने क्या खाया है'? इस वाक्य में क्या कौन-सा सर्वनाम है ?
(A) निश्चयवाचक सर्वनाम
(B) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(C) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(D) उपर्युक्त सभी

31. 'तुम' व्याकरण दृष्टि से क्या है-
(A) संज्ञा
(B) सर्वनाम
(C) क्रिया
(D) विशेषण

32. 'कुछ' शब्द किस प्रकार का सर्वनाम है?
(A) प्रश्न वाचक
(B) निश्चय वाचक
(C) अनिश्चय वाचक
(D) पुरुषवाचक

33. 'आप' शब्द किस प्रकार का सर्वनाम है?
(A) पुरूष वाचक
(B) निश्चय वाचक
(C) निजवाचक
(D) प्रश्न वाचक

34. ये मेरे हथियार है। किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) निश्चवाचक
(B) अनिश्चय वाचक
(C) सम्बन्ध वाचक
(D) पुरूष वाचक

35. वह क्या कह रहा था? किस सर्वनाम का उदाहरण है?
(A) निश्चयवाचक
(B) प्रश्नवाचक
(C) निजवाचक
(D) कोई नहीं

विशेषण

❖ संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं | जैसे: -

- यह नया कलम है |
- वह भला आदमी है |
- मैदान में दस लड़के टहल रहें हैं |
- विजयंका श्यामवर्ण की थी |

❖ विशेषण के मुख्यत: चार भेद होते हैं: -

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. सर्वनामिक विशेषण

नोट: - विशेषण के कुल छ: भेद होते हैं |
- संबंधवाचक विशेषण, तुलनात्मक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण:- इससे संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, रंग, रूप, आकार, आदि का बोध होता है |

जैसे: -

- यह नया वस्त्र है |
- वह बुरा लड़का है |
- राम स्वभाव से सज्जन व्यक्ति थे |
- किसान बड़े दयालु होते है |

2. संख्यावाचक विशेषण: - इससे संख्या का बोध होता है |

जैसे: -

- सड़क पर दस घोड़े दौड़ते है |
- इस वर्ग में पचास लड़के पढ़ते है |
- उस वर्ग में कई लड़कियाँ संस्कृत पढ़ती है |
- मेरे साथ अनेक लड़के फुटबॉल खेलते हैं |

3. परिमाणवाचक विशेषण:- इससे संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा या माप का बोध होता है |

जैसे: -

- एक मीटर सफेद वस्त्र दो |
- दो किलो चावल दो |
- उसे थोड़ा - सा दही दे दो |
- दाल में कुछ काला है |

4. सर्वनामिक विशेषण : - जब कोई सर्वनाम संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता बतलाता है, तो उसे सर्वनामिक विशेषण कहा जाता है | जैसे: -

- यह लड़का पढ़ता है |
- वह किताब मेरी है |

शब्द	विशेषण
आलस्य	आलसी
पुराण	पौराणिक
आदर	आदरणीय
ग्राम	ग्रामीण
शिव	शैव
इतिहास	ऐतिहासिक
लोक	लौकिक
समाज	सामाजिक
आत्मा	आत्मीय
भारत	भारतीय
स्वर्ण	स्वर्णिम
जगत	जागतिक
दिन	दैनिक
अंकुर	अंकुरित
पुष्प	पुष्पित
राष्ट्र	राष्ट्रीय
पर्वत	पर्वतीय
प्रथम	प्राथमिक
निज	निजी
उच्च	उच्चतर
नमक	नमकीन
कुटुम्ब	कौटुम्बिक
देशी	देशीय
नियम	नियमित
कृपा	कृपालु
चरित्र	चरित्रिक / चरित्रवान
मामा	ममेरा
विकास	विकसित
प्रेम	प्रेमी
जाति	जातीय
अजय	अजित
करुणा	कारुणिक
नाटक	नाटकीय

हृदय	हार्दिक
बरसात	बरसाती
जल	जलीय
व्यथा	व्यथित
चर्चा	चर्चित
तेज	तेजस्वी
क्रम	क्रमशः
रूचि	रुचिकर
नरक	नारकीय
कलंक	कलंकित
उदय	उदित
परिवार	पारिवारिक
खानदान	खानदानी
भूख	भूखा
विजय	विजयी
धर्म	धार्मिक
कुल	कुलीन
आकर्षण	आकृष्ट
सकता	साप्ताहिक
माह	माहवारी
मधु	मधुर
इच्छा	ऐच्छिक
पहाड़	पहाड़ी
गुलाब	गुलाबी

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः-

1. 'आलस्य' शब्द का विशेषण क्या है?- [2021]

(A) आलस
(B) अलस
(C) आलसीपन
(D) आलसी

2. 'पुराण' शब्द का विशेषण है- [2021]

(A) पौराणिक
(B) धार्मिक
(C) पुराणीक
(D) पुराना

3. 'ग्राम' शब्द का विशेषण है- [2021]

(A) गाँव
(B) ग्रामवासी

(C) ग्रामीण
(D) गाँवई

4.'यह नया माल है'। इस वाक्य में 'नया' शब्द है- [2021]
(A) संज्ञा
(B) सर्वनाम
(C) विशेषण
(D) क्रिया

5. 'आदर' शब्द का विशेषण है- [2020]
(A) सादर
(B) आदरपूर्वक
(C) आदरणीय
(D) आदरीय

6. 'इतिहास' शब्द का विशेषण होगा- [2020]
(A) इतिहासिक
(B) एतिहासिक
(C) इतिहासक
(D) ऐतिहासिक

7. 'समाज' का विशेषण है- [2023, 2019]
(A) समाजिक
(B) सामाजिक
(C) समाजयोग्य
(D) असामाजिक

8. 'आत्मा' का विशेषण है- [2019]
(A) आत्मजा
(B) आत्मीय
(C) आत्मिक
(D) इनमें से कोई नहीं

9. 'भारत' का विशेषण है- [2019]
(A) भारतीय
(B) भारतीया
(C) भरत
(D) अभारतीय

10. 'स्वर्ण' का विशेषण है- [2018]
(A) स्वर्णाभ
(B) स्वर्णिम
(C) स्वर्णकार
(D) सुवर्ण

11. 'जगत' का विशेषण है-[2018]
(A) जागना
(B) जगदीश
(C) जागतिक
(D) जग

12. 'दिन' का विशेषण है- [2018]
(A) सुदिन
(B) दैनिक
(C) दिनभर
(D) दिनेश

13. 'अंकुर' का विशेषण है- [2016]
(A) अंकुरीत
(B) अंकरूत
(C) अंकुरित
(D) अंकःरीत

14. 'कुटुम्ब' शब्द का विशेषण है- [2016]
(A) कुटुम्बक
(B) कौटुम्बिक
(C) कुटुमबक
(D) कुटुमविक

15. 'देशी' शब्द का विशेषण है- [2016]
(A) देसीला
(B) देसीय
(C) देशीय
(D) देसी

16. 'कृपा' शब्द का विशेषण है- [2016]
(A) कृपालु
(B) कृपालू
(C) कृपापूरण
(D) कृपाधीन

17. चरित्र का विशेषण है- [2016]
(A) दुःश्चरीत्री
(B) चारित्रिक
(C) दुष्ट
(D) चरवाहा

18. 'सब धन'- कौन-सा विशेषण है? [2022]
(A) संख्यावाचक
(B) परिमाणबोधक
(C) गणवाचक
(D) सार्वनामिक

19. 'मामा' शब्द का विशेषण क्या होगा? [2022]
(A) ममेरा
(B) ममिया

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) ममियारी
(D) इनमें से कोई नहीं

20. 'विकास' शब्द का विशेषण क्या होगा? [2022]
(A) विकासी
(B) विकसित
(C) विकसिती
(D) विकसिन

21. 'पुष्प' शब्द का विशेषण क्या होगा? [2023]
(A) फूल
(B) पुष्पित
(C) पुष्पमाला
(D) पुष्पा

22. 'राष्ट्र' शब्द का विशेषण क्या होगा? [2023]
(A) राष्ट्रीय
(B) भारतीय
(C) देशीय
(D) प्रादेशिक

23. 'यह पुराना माल है' इस वाक्य में पुराना शब्द क्या है? [2023]
(A) संज्ञा
(B) सर्वनाम
(C) विशेषण
(D) क्रिया

24. 'पर्वत' शब्द का विशेषण क्या है? [2024]
(A) परबत
(B) पार्वती
(C) पर्वतीय
(D) पवित्र

25. 'प्रथम' शब्द का विशेषण क्या है? [2024]
(A) प्राथमिक
(B) प्रयास
(C) प्रार्थना
(D) पृथक

26. 'निज' शब्द का विशेषण क्या है? [2024]
(A) नजर
(B) निजी
(C) निजाम
(D) निर्जीव

27. 'वह भला आदमी है।' - इस वाक्य में 'भला' किस विशेषण का उदाहरण है? [2024]
(A) संख्यावाचक
(B) परिमाणवाचक
(C) संकेतवाचक
(D) गुणवाचक

28. 'उच्च' शब्द का विशेषण है [2020]
(A) उच्चतर
(B) ऊँचाई
(C) ऊँचा
(D) उँच्च

29. 'नमक' शब्द का विशेषण है [2020]
(A) नमकीन
(B) नमकीला
(C) निमकाईन
(D) निमकी

30. 'प्रेम' शब्द का विशेषण है [2021]
(A) प्रेमी
(B) प्रेममग्न
(C) प्रेमरतन
(D) प्रेमयोगी

31. 'जाति' शब्द का विशेषण है [2020, 2021]
(A) जातिगत
(B) जात
(C) जातीय
(D) जातिय

32. निम्न में सार्वनामिक विशेषण है [2021]
(A) ऐसा आदमी नहीं देखा
(B) पीला
(C) बीस
(D) दस लीटर

33. निम्न में 'सार्वनामिक विशेषण' का उदाहरण कौन है? [2022]
(A) बड़ा-सा मकान
(B) कोई आदमी
(C) चार गज मलमल
(D) तीस दिन

34. 'बीस किलो चावल' कौन विशेषण है? [2022]
(A) संख्यावाचक विशेषण
(B) परिमाण बोधक विशेषण
(C) गुणवाचक विशेषण
(D) सार्वनामिक विशेषण

35. 'अजय' शब्द का विशेषण है- [2022]
(A) अजित

(B) अधिकारी
(C) उजागर
(D) आग्नेय

36. 'करुणा' शब्द का विशेषण क्या होगा? [2023]
(A) कारुणिक
(B) करुना
(C) कारनिक
(D) दारूण

37. 'मुझे सेर भर दूध चाहिए।'-इस वाक्य में 'सेर भर' किस विशेषण का उदाहरण है? [2025]
(A) गुणवाचक
(B) सार्वनामिक
(C) संख्यावाचक
(D) परिमाणबोधक

38. 'रुचि' शब्द का विशेषण है [2021]
(A) रुचिकर
(B) रुचिक
(C) रुचि
(D) रुचना

39. निम्न में नरक का विशेषण कौन है? [2021]
(A) नरकी
(B) नारकीय
(C) नरकत
(D) नरकुय

40. 'चार गज मलमल' कौन विशेषण है? [2021]
(A) संख्यावाचक
(B) परिमाणबोधक
(C) गुणवाचक
(D) सार्वनामिक

41. परिणामवाचक विशेषण है- [2020]
(A) नया
(B) पाँच
(C) थोड़ा-सा
(D) सुंदर

42. निम्नलिखित में से विशेषण का भेद नहीं है- [2019]
(A) प्रविशेषण
(B) गुणवाचक
(C) परिमाणवाचक
(D) संख्यावाचक

43. गुणवाचक विशेषण है- [2019]
(A) तीन किलो
(B) चार
(C) अधिक
(D) अच्छा

44. परिणामवाचक विशेषण है- [2019]
(A) सुंदर
(B) थोड़ा-सा
(C) चार
(D) पुराना

45. विशेषण की विशेषता बतलाने वाले शब्द को कहते हैं- [2019]
(A) क्रिया विशेषण
(B) सार्वनामिक विशेषण
(C) प्रविशेषण
(D) संज्ञा

46. विशेषण के मुख्यतः कितने भेद है? [2018]
(A) चार
(B) तीन
(C) पाँच
(D) दो

47. प्रविशेषण शब्द किसकी विशेषता बताता है? [2018]
(A) संज्ञा की
(B) सर्वनाम की
(C) विशेषण की
(D) क्रिया की

48. 'तीस दिन'-किस विशेषण का उदाहरण है? [2022]
(A) सार्वनामिक
(B) संख्यावाचक
(C) गुणवाचक
(D) परिमाणबोधक

49. 'कलंक' शब्द का विशेषण है [2022]
(A) कलंकित
(B) कलंकी
(C) कलंकीन
(D) कलंकु

50. 'उदय' शब्द का विशेषण है [2022]
(A) उदयी
(B) उदया
(C) उदिया
(D) उदित

51. 'बहुत दूध'-किस विशेषण का उदाहरण है? [2022]
(A) परिमाणबोधक

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(B) सार्वनामिक
(C) संख्यावाचक
(D) गुणवाचक

52. 'ग्राम' शब्द का विशेषण है [2022]
(A) ग्रामण
(B) ग्रामीण
(C) ग्रामणी
(D) ग्रामीणी

53. 'कुछ लोग'-कौन विशेषण है? [2022]
(A) गुणवाचक
(B) संख्यावाचक
(C) परिमाणबोधक
(D) सार्वनामिक विशेषण

54. 'परिवार' शब्द का विशेषण रूप क्या है [2022]
(A) पारिवारिक
(B) परिवारी
(C) पारिवारिन
(D) पारिवारनी

55. परिमाणवाचक विशेषण नहीं है- [2019]
(A) कुछ
(B) थोड़ा
(C) बहुत
(D) इनमें से कोई नहीं

56. 'लाल कपड़ा' यहाँ 'लाल' कौन विशेषण है? [2020]
(A) गुणवाचक
(B) संज्ञावाचक
(C) संख्यावाचक
(D) सार्वनामिक

57. 'थोड़ा दूध' यहाँ पर 'थोड़ा' कैसा विशेषण है? [2020]
(A) गुणवाचक
(B) परिणाम बोधक
(C) संख्यावाचक
(D) सार्वनामिक

58. 'खानदान' शब्द का विशेषण है? [2021]
(A) खानदानी
(B) ख्यात
(C) खंडित
(D) खजूरी

59. 'शिव' शब्द का विशेषण क्या है? [2021]
(A) शिवी
(B) शिविक
(C) शैव
(D) शिवु

60. 'दया' का विशेषण है- [2021]
(A) दयानी
(B) दयाविनी
(C) दायायी
(D) दयालु

61. 'भूख' का विशेषण कौन है? [2021]
(A) भूखा
(B) भुक्खड़ी
(C) भुक्खा
(D) भुखल

62. 'निज' का विशेषण क्या है? [2021]
(A) निंद्य
(B) निजी
(C) न्यायी
(D) नीति

63. 'विजय' का विशेषण है [2022]
(A) विजया
(B) विजयी
(C) विजयिवी
(D) विजयानी

64. जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे कहते हैं [2022]
(A) क्रिया
(B) लिंग
(C) विशेषण
(D) शब्द

65. 'धर्म' शब्द का विशेषण है [2022]
(A) धर्मी
(B) धार्मिक
(C) धर्मकी
(D) धर्मनी

66. 'कुल' शब्द का विशेषण है [2022]
(A) कुलु
(B) कुलीन
(C) कुली
(D) कली

67. 'लोक' शब्द का विशेषण क्या होगा? [2023]
(A) लोकी
(B) लौकिक

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) लौकीन
(D) लोकीकी

68. 'आकर्षण' शब्द का विशेषण क्या होगा? [2023]
(A) आकृष्ट
(B) आकृष्त
(C) आक्रिष्ट
(D) आकृष्ती

69. 'सप्ताह' शब्द का विशेषण क्या है? [2023]
(A) सप्ताही
(B) सप्ताहिन
(C) साप्ताहिक
(D) सप्ताहिल

70. 'माह' शब्द का विशेषण क्या है? [2023]
(A) माहिनात
(B) महीनीरी
(C) माहवारी
(D) महीनान

71. 'वह लड़का'-किस विशेषण का उदाहरण है? [2024]
(A) सार्वनामिक विशेषण
(B) गुणवाचक विशेषण
(C) संख्यावाचक विशेषण
(D) परिमाणबोधक विशेषण

72. निम्नलिखित में से सार्वनामिक विशेषण का उदाहरण कौन है? [2024]
(A) ऐसा आदमी
(B) बड़ा-सा
(C) तीस दिन
(D) बहुत दूध

73. 'मधु' शब्द का विशेषण रूप क्या होगा? [2024]
(A) मधुरा
(B) मधुरी
(C) मधुराइन
(D) मधुर

74. 'इच्छा' शब्द का विशेषण क्या है? [2025]
(A) इच्छिक
(B) इच्छित
(C) ऐच्छिक
(D) इच्छी

75. 'पहाड़' शब्द का विशेषण क्या होगा? [2025]
(A) पहाड़ीन
(B) पहड़ी
(C) पहाड़ी
(D) पिहाड़ी

76. 'कुछ लड़के खेल रहे हैं।'- यह किस विशेषण का उदाहरण है? [2025]
(A) सार्वनामिक
(B) परिमाणबोधक
(C) संख्यावाचक
(D) गुणवाचक

77. 'गुलाब' शब्द का विशेषण क्या है? [2025]
(A) गुलाबी
(B) गुलबी
(C) गुलिबी
(D) गुलाबिन

78. 'नियम' शब्द का विशेषण है- [2016]
(A) नियमीत
(B) नीयमततः
(C) नीयमीत
(D) नियमित

क्रिया

❖ किसी काम के होने या करने को क्रिया कहते हैं|

जैसे: -

- वह संस्कृत पढ़ता है |
- वह प्रातः काल में भोजन करता है |

❖ क्रम के अनुसार क्रिया के दो भेद होते हैं: -

(i) सकर्मक क्रिया
(ii) अकर्मक क्रिया

(i) सकर्मक क्रिया: - यह पूरा – पूरा अर्थ देता है |

जैसे: -

- मोहन संस्कृत व्याकरण पढ़ता है |
- गीता विद्यालय जाती है |

2. अकर्मक क्रिया: - ये पूरा अर्थ नहीं देता है |

- मोहन पढ़ता है |
- गीता जाती है |

❖ व्युत्पत्ति के अनुसार भी क्रिया के दो भेद होते हैं: -

(i) मूल क्रिया (धातु): - ये किसी पर निर्भर नहीं करती है | स्वंतत्र रहती है | जैसे: -

- चल – चलना
- पढ़ – पढ़ना
- हस – हसना

2. यौगिक क्रिया:- इसमें दो या अधिक शब्दों का मेल होता है| जैसे: -

(i) मुझे वहां चलने देना |
↳ चलन + देना

(ii) तुम घर पर रोटी खा लेना |
↳ खा + लेना

नोट : -

(i) क्रिया के मूलरूप को धातु कहते हैं |

(ii) क्रिया के दो भेद होते है |

कुछ और प्रमुख क्रियाएँ

❖ सहायक क्रिया- मुख्य क्रिया के अर्थ को स्पष्ट करने में जो क्रियाएँ सहायक होती हैं, सहायक क्रिया कहलाती हैं | जैसे – वह खाता है। मैंने पढ़ा था। तुम जा रहे हो। (यहाँ - है, था, रहे हो सहायक क्रिया है|)

▪ प्रेरणार्थक क्रिया - जिन क्रियाओं से इस बात का बोध हो कि कर्ता स्वयं कार्य न कर किसी दूसरे से करने के लिए प्रेरित करें, वे प्रेरणार्थक कहलाती हैं | जैसे- पढ़वाना, लिखवाना, उठवाना, इत्यादि (इसमें सामान्यतः वाना लगा रहता है)

▪ पूर्वकालिक क्रिया - जब किसी क्रिया को करने से पूर्व ही कोई दूसरी क्रिया की जाए तो , उसे पूर्वकालिक क्रिया कहते हैं। जैसे- वह खाकर सो गया, मैं दौड़कर बैठ गया इत्यादि |(यहाँ खाना और दौड़ना पूर्वकालिक क्रिया है)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न:-

1. क्रिया का मूल रूप क्या है? [2025]
(A) धातु
(B) संज्ञा
(C) सर्वनाम
(D) विशेषण

2. क्रिया के कितने भेद होते हैं? [2022]
(A) तीन
(B) चार
(C) दो
(D) पाँच

3. 'चंदन ने उसका व्यापार हथिया लिया' - यह वाक्य किस क्रिया का उदाहरण है? [2024]
(A) पूर्वकालिक क्रिया
(B) प्रेरणार्थक क्रिया
(C) नामबोधक क्रिया
(D) पुनरुक्त क्रिया

4.'मैं घड़ा भरता हूँ' - वाक्य में कौन क्रिया है? [2024]
(A) सकर्मक
(B) अकर्मक
(C) द्विकर्मक
(D) संयुक्त

5. माँ मुझसे रोटी बनवाती है। इस वाक्य में 'बनवाना' है- [2020]
(A) द्विकर्मक क्रिया
(B) प्रेरणार्थक क्रिया
(C) अकर्मक क्रिया
(D) संयुक्त क्रिया

6. 'जिस शब्द से किसी काम का करना या होना समझा जाए', उसे क्या कहते हैं? [2021]
(A) विशेषण
(B) कर्म
(C) क्रिया
(D) कर्त्ता

7. शब्द निर्माण की दृष्टि से धातु के कितने भेद होते हैं? [2023, 2021]
(A) तीन
(B) दो
(C) चार
(D) पाँच

8. 'मोहन मुझसे किताब लिखाता है'-किस क्रिया का उदाहरण है? [2023]
(A) यौगिक क्रिया
(B) अकर्मक क्रिया
(C) प्रेरणार्थक क्रिया
(D) इनमें से कोई नहीं

9. 'जी घबराता है' - यह कौन क्रिया है? [2023]
(A) सकर्मक क्रिया
(B) अकर्मक क्रिया
(C) द्विकर्मक क्रिया
(D) संयुक्त क्रिया

10. 'उसका सिर खुजलाता है।' यह किस क्रिया का उदाहरण है? [2025, 2024]
(A) सकर्मक क्रिया
(B) अकर्मक क्रिया

(C) द्विकर्मक क्रिया
(D) संयुक्त क्रिया

11. 'बूँद-बूँद से घड़ा भरता है'-यह किस क्रिया का उदाहरण है? [2024]
(A) सकर्मक क्रिया
(B) संयुक्त क्रिया
(C) अकर्मक क्रिया
(D) इनमें से कोई नहीं

12. 'श्याम मुझसे कविता लिखवाता है।' यह किस क्रिया का उदाहरण है? [2024]
(A) यौगिक क्रिया
(B) प्रेरणार्थक क्रिया
(C) द्विकर्मक क्रिया
(D) अकर्मक क्रिया

13. 'मैं घड़ा भरता हूँ।' - यह किस क्रिया का उदाहरण है? [2025]
(A) अकर्मक क्रिया
(B) सकर्मक क्रिया
(C) संयुक्त क्रिया
(D) द्विकर्मक क्रिया

उपसर्ग

❖ जो शब्दांश किसी शब्द के पहले लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन लाता है, उसे उपसर्ग कहते हैं। जैसे-

- परा- पराजय
- वि- विकास
- अप- अपकार
- अव- अवस्थित
- प्र-प्रमुख
- अधि- अधिकार
- नि- निवास
- उप- उपदेश
- अव- अवकुंठित
- उद्- उद्गुग्र
- उप- उपहार
- प्र- प्रमाण
- प्र- प्राधिकार
- अप- अपहर्ता

Note- हिन्दी व्याकरण में मूल उपसर्गो की संख्या 10 है, संस्कृत में 22 है और उर्दू में 19 है।

वस्तुनिष्ट प्रश्न

1. 'अधिकार' में कौन-सा उपसर्ग है? (BSEB, 2024)
(A) अ
(B) अधि
(C) अधिक
(D) कार

2. 'अब' उपसर्ग से बना हुआ शब्द कौन-सा है? (BSEB, 2024)
(A) आगमन
(B) अध्यक्ष
(C) अनुज
(D) अवज्ञा

3. 'सुवास' शब्द में उपसर्ग कौन-सा है? (BSEB, 2024)
(A) नि
(B) सम्
(C) सु
(D) वि

4. 'परलोक' शब्द में उपसर्ग क्या है? (BSEB, 2023)
(A) पर
(B) प
(C) ओक
(D) परल

5. 'सुशील' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) स
(B) सु
(C) शील
(D) ल

6. 'अनुशासन' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) अ
(B) सन
(C) अनु
(D) इनमें से कोई नहीं

7. 'अपयश' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) अति
(B) अधि
(C) अप
(D) उत्

8. 'सन्तोष' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) सन्
(B) सम्

(C) स
(D) सं

9.'प्रत्येक' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) प्र
(B) प्रति
(C) एक
(D) प्रत्य

10.'पराजय' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) परा
(B) प
(C) जय
(D) इनमें से कोई नहीं

11.'विपक्ष' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) बि
(B) वि
(C) पक्ष
(D) क्ष

12.'प्रपंच' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) प्र
(B) पंच
(C) पं
(D) इनमें से कोई नहीं

13.'प्रतिशोध' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) प्र
(B) प्रति
(C) शोध
(D) ध

14.'परिणय' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) प
(B) प्र
(C) परि
(D) प्रति

15.'निष्फल' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) निस्
(B) नि:
(C) निर्
(D) इनमें से कोई नहीं

16.'आहार' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) आ
(B) हार
(C) आह
(D) आर

17.'प्रत्यक्ष' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) प्र
(B) प्रति
(C) अक्ष
(D) क्ष

18.'प्रतिशत' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) प्रति
(B) प्र
(C) शत
(D) ये सभी

19'अभ्यागत' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) अ
(B) अभि
(C) आगत
(D) आ

20.'विनय' में कौन-सा उपसर्ग है? (BSEB, 2022)
(A) वि
(B) विन
(C) इन
(D) इ

21.'संसार' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) सम्
(B) सं
(C) सार
(D) र

22.'संसार' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) सम्
(B) सं
(C) सार
(D) र

23.'सुकवि' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) स
(B) सु
(C) सार
(D) इनमें से कोई नहीं

24.'हैडमास्टर' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) है
(B) हैड
(C) मास्टर

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(D) टर

25.'अलबत्ता' में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) अल

(B) अ

(C) बत्ता

(D) इनमें से कोई नहीं

26.'अधमरा' में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) अध

(B) अ

(C) मरा

(D) इनमें से कोई नहीं

27.'अज्ञान' में कौन-सा उपसर्ग है? (BSEB, 2018, 23)

(A) अज्ञ

(B) अन

(C) अ

(D) आ

28.'प्रतिनिधि' में कौन-सा उपसर्ग है? (BSEB, 2019)

(A) प्रति

(B) प्रती

(C) प्रेत

(D) इनमें से कोई नहीं

29.'उपवन' में कौन-सा उपसर्ग है? (BSEB, 2019)

(A) उ

(B) उप

(C) ऊप

(D) अप

30.'अलंकरण' में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) अ

(B) अलन्

(C) अलम्

(D) करण

31.'अन्तर्मन' में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) अन्तर

(B) अन्त

(C) अन्

(D) अन्तः

32.'प्रागैतिहासिक' में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) प्राक्

(B) प्रा

(C) प्राग्

(D) प्र

33.'सहानुभूति' में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) स

(B) सहन

(C) सह

(D) भूति

34.'अन्तर्राष्ट्रीय' में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) अन्तः

(B) अन्त

(C) अन्तर

(D) इय

35.अतिक्रमण में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) अप

(B) अपल

(C) अति

(D) अ

36.'सुगंध' में कौन-सा उपसर्ग है?

(A) स्वा

(B) स्

(C) सु

(D) स्वा

37.'अभिव्यक्त' शब्द में उपसर्ग है-

(A) अभि

(B) अ

(C) अभ

(D) अभिव

38.'अवचेतन' शब्द में उपसर्ग है-

(A) अ

(B) अव

(C) अवका

(D) अवक

39.'अपहरण' शब्द में उपसर्ग है-

(A) अप

(B) अपल

(C) अपह

(D) अ

40.'उद्भव' शब्द में उपसर्ग है-

(A) उद

(B) उ

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) अन
(D) ऊ

41.'अवलंब' श्रब्द में उपसर्ग है-
(A) अ
(B) अव
(C) अवका
(D) अवक

42.'अपकर्म' शब्द में उपसर्ग है-
(A) अप
(B) अपल
(C) अ
(D) इनमें से कोई नहीं

43.'उद्घाटन' शब्द में उपसर्ग है-
(A) उद
(B) उ
(C) अन
(D) ऊ

44.'प्रख्यात' में प्रयुक्त उपसर्ग है-
(A) प्र
(B) त
(C) प्रख
(D) आत

45.किस शब्द में उपसर्ग नहीं है?
(A) अपवाद
(B) पराजय
(C) प्रभाव
(D) ओढ़ना

46.'अवनत' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है-
(A) नत
(B) अ
(C) अव
(D) अवन

47.'प्रक्रिया' में कौन-सा उपसर्ग लगा है?
(A) परा
(B) प्र
(C) सु
(D) अध:

48.'परामर्श' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) परा
(B) पर
(C) परम्
(D) अर्श

49.'प्रत्युत्पन्नमति' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) प्र
(B) प्रति
(C) प्रत्यु
(D) इनमें से कोई नहीं

50.'अधिकार' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) अ
(B) अधि
(C) अधिक
(D) कार

51.'सु' उपसर्ग का क्या अर्थ है?
(A) ऊपर
(B) अधिक
(C) अच्छा
(D) सहित

52.'अव' उपसर्ग का क्या अर्थ है?
(A) समीप
(B) सामने
(C) पीछे
(D) हीन

53.'स्वाभिमान' में उपसर्ग है-
(A) स्व
(B) स्वा
(C) स
(D) स्

54.'प्रत्युपकार' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) प्रत्
(B) प्र
(C) प्रत्यु
(D) प्रति

55.'उपाध्यक्ष' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) उत्
(B) उपा
(C) उप
(D) उपरि

56.'अपलक' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) अप
(B) अप

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) उप
(D) अ
57.'अभिनन्दन' शब्द में उपसर्ग है-
(A) अभि
(B) अ
(C) अभ
(D) अभिन
58.'अवकाश' शब्द में उपसर्ग है-
(A) अ
(B) अव
(C) अवका
(D) अवक
59.'अनचाहा' शब्द में उपसर्ग है-
(A) अन्
(B) अन
(C) अप
(D) अ
60.'उनचास' शब्द में उपसर्ग है-
(A) उन
(B) उ
(C) अन
(D) ऊ
61.'स्वागत' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) स्
(B) सम्
(C) स्व
(D) सु
62.'प्रख्यात' में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) प्रख
(B) त
(C) आत
(D) प्र
63.'बेइंसाफी' में प्रयुक्त उपसर्ग है?
(A) बे
(B) इन
(C) बेइन
(D) बेइ
64.प्रतिकूल में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) परि
(B) प्रति
(C) प्र
(D) परा
65.'निडर' शब्द में उपसर्ग है-
(BSEB, 2021)
(A) नि
(B) नी
(C) निड
(D) निड्
66.'उपकार' शब्द में उपसर्ग है-(BSEB, 2021)
(A) उ
(B) उपका
(C) उप्
(D) उप
67.'पराकाष्ठा' शब्द में उपसर्ग क्या है?
(BSEB, 2023)
(A) परा
(B) पराका
(C) पराकाष
(D) पर
68.'निराहार' शब्द में उपसर्ग क्या है?
(BSEB, 2023)
(A) नि:
(B) निराह
(C) निर
(D) निर्
69.'दुर्बल' शब्द में उपसर्ग क्या है?
(BSEB, 2023)
(A) द
(B) दुर
(C) दबा
(D) दुब
70.'अधपका' शब्द में उपसर्ग क्या है ?
(BSEB, 2024)
(A) अध
(B) अधि
(C) अभि
(D) अति
71.'अवगुण' शब्द में उपसर्ग क्या है ?
(BSEB, 2024)
(A) अव
(B) अब

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) अबा
(D) अबे

72.'भरपेट' शब्द में उपसर्ग क्या है ?
(A) भर
(B) भार
(C) भा
(D) भरा

73. 'प्रतिनिधि' शब्द में उपसर्ग क्या है ?
(A) प्रत
(B) प्रति
(C) अधि)
(D) निधि

प्रत्यय

❖ जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन लाता है, उसे प्रत्यय कहते हैं। जैसे-

- टिकाऊ - आऊ
- चढ़ाव - आव
- मासिक - इक
- भाषिकी - ई
- गवैया- वैया
- चढ़नेवाला- वाला
- प्रादेशिक- इक
- राजकीय- इय
- शंकित -इत
- श्रद्धालु- आलु
- विभागीय- ईय
- गैरिक - इक्-

❖ प्रत्यय के दो भेद है-

1. कृत प्रत्यय- इसका प्रयोग क्रिया या धातु के साथ किया जाता है।

जैसे - पढ़ + आई = पढ़ाई, मिल् + आवट = मिलावट आदि

2. तद्धित प्रत्यय- इसका प्रयोग संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण के साथ किया जाता है।

जैसे- जन + ता = जनता, मानव + ता = मानवता आदि।

वस्तुनिष्ट प्रश्न

1. 'लघुत्व' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है? (BSEB, 2024)
(A) अ
(B) त्व
(C) लघु
(D) क्ता

2.'वीरता' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है? (BSEB, 2024)
(A) वीर
(B) वि
(C) ता
(D) अ

3.'रक्तिमा' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है? (BSEB, 2024)
(A) इमा
(B) ईमा
(C) आ
(D) रक्त

4.'जुर्माना' शब्द में प्रत्यय क्या है? (BSEB, 2023)
(A) माना
(B) ना
(C) आना
(D) अ

5.'लड़ाका' शब्द में प्रत्यय क्या है? (BSEB, 2023)
(A) आका
(B) आ
(C) ड़ाका
(D) अका

6.'चचेरा' शब्द में प्रत्यय क्या है? (BSEB, 2023)
(A) रा
(B) आ
(C) एरा
(D) अ

7.'टिकाऊ' शब्द में प्रत्यय क्या है? (BSEB, 2023)
(A) अऊ
(B) आऊ
(C) ऊ
(D) उ

8.'नकलची' शब्द में प्रत्यय क्या है? (BSEB, 2023)
(A) ची
(B) अची
(C) नक
(D) न

9.'वन्दना' में कौन-सा प्रत्यय है? (BSEB, 2022, 24)
(A) ना

(B) न
(C) आ
(D) अना

10.'ममेरा' में प्रत्यय बताइए-
(BSEB, 2022)
(A) मामा
(B) एरा
(C) ऐरा
(D) रा

11.'बड़प्पन' में कौन-सा प्रत्यय है?
(BSEB, 2019)
(A) अन
(B) पन
(C) न
(D) अप्पन

12.'प्रकाशित' में कौन-सा प्रत्यय है?
(BSEB, 2019)
(A) इत
(B) ईत
(C) शित
(D) इनमें से कोई नहीं

13.'लुटेरा' में कौन-सा प्रत्यय है?
(BSEB, 2018)
(A) रा
(B) टेरा
(C) एरा
(D) आ

14.'सँपेरा' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) साँप
(B) एरा
(C) रा
(D) इनमें से कोई नहीं

15.'सजावट' में प्रत्यय बतइए-
(A) सजा
(B) वट
(C) आवट
(D) ट

16.'लिखावट' में मूल शब्द, प्रत्यय अलग कीजिए।
(A) लि, खावट
(B) लिख, आवट
(C) लिखा, वट
(D) इनमें से कोई नहीं

17.'गुरुत्व' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) गुरु
(B) त्व
(C) व
(D) अ

18.'सुन्दरता' में प्रत्यय अलग कीजिए-
(A) सुन्दर
(B) आ
(C) ता
(D) इनमें से कोई नहीं

19.'बहाव' में प्रयुक्त प्रत्यय है-
(A) बह
(B) हाव
(C) आव
(D) आवा

20.'मनौती' शब्द में प्रत्यय है-
(A) अती
(B) औती
(C) ती
(D) ओती

21.'लचकीला' में प्रयुक्त प्रत्यय है-
(A) लच
(B) ला
(C) कीला
(D) ईला

22.'पाठिका' में प्रयुक्त प्रत्यय है-
(A) आ
(B) का
(C) ईका
(D) इका

23.'करनी' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) कतर
(B) अनी
(C) नी
(D) अर्नी

24.'ईमानदार' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) ईमान
(B) आर

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) र
(D) दार
25.'दौलतमंद' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) मंद
(B) दौलत
(C) अन्द
(D) द्
26.'धुंधला' शब्द में प्रत्यय है-
(A) धुं
(B) धुंध
(C) ला
(D) इनमें से कोई नहीं
27.'दोषहर्ता' में प्रत्यय का चयन कीजिए-
(A) हर्ता
(B) हर
(C) हत
(D) हारी
28.'सावधानी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है-
(A) ई
(B) इ
(C) धानी
(D) आनी
29. 'घुमक्कड़' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) अक्कड़
(B) कड़
(C) ककड़
(D) ड़
30.'जूठन' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) अन
(B) जूठ
(C) जू
(D) न
31.'रुकावट' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) रूक
(B) आवट
(C) वह
(D) ट
32.'बुलावा' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) वा
(B) आवा
(C) लावा
(D) बुलावा
33.'रंगीला' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) ला
(B) ईला
(C) गीला
(D) रंगी
34.'मिलान' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) न
(B) अन
(C) आन
(D) डान
35.'पकौना' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) लौना
(B) ना
(C) लना
(D) औना
36.'भुक्खड़' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) अक्कड़
(B) कड़
(C) ड
(D) ककड़
37.'चिलाहट' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) आवट
(B) आहट
(C) हट
(D) ट
38.'चलती' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) ती
(B) लती
(C) लत
(D) त
39.किस शब्द में 'आवा' प्रत्यय नहीं है?
(A) दिखावा
(B) चढ़ावा
(C) लावा
(D) भुलावा
40.कृदन्त प्रत्यय किन शब्दों के साथ जुड़ते हैं?
(A) संज्ञा
(B) सर्वनाम

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) विशेषण
(D) क्रिया

41.'विज्ञान' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) अन
(B) विज्ञ
(C) आन
(D) वि

42.'निर्वासित' में प्रत्यय है-
(A) इक
(B) नि
(C) सित
(D) इत

43.'बुराई' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) ई
(B) राई
(C) आई
(D) अई

44.'पढ़ाई' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) ई
(B) ढ़ाई
(C) आई
(D) अई

45.'आंशिक' में कौन-सा प्रत्यय है ?
(A) अ
(B) इक
(C) क
(D) शिक

46.'मिलावट' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) ट
(B) आवट
(C) वट
(D) लावट

47.शिक्षक में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) क
(B) इक
(C) अक
(D) क्षक

48. कोष्ठक में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) ष्ठक
(B) क
(C) उक
(D) को

49.'उड़ान' में कौन-सा प्रत्यय है?
(A) अन
(B) आन
(C) डान
(D) न

काल

❖ क्रिया के जिस रूप से समय का बोध हो, तो उसे काल कहते हैं |

❖ जैसे: -

- वह खाता है |
- मोहन घर जाएगा |
- वह घर से लौटा |

❖ काल के तीन भेद होते हैं: -

1. वर्तमान काल
2. भूतकाल
3. भविष्यत काल

1. वर्तमान काल: - इससे वर्तमान समय का बोध होता है |

जैसे: -

- वह संस्कृत पढ़ता है |
- मोहन विद्यालय से आता है |

❖ वर्तमान काल के पाँच भेद होता है:-

(i) सामान्य वर्तमान काल:- क्रिया + ता है, ती है, ते हैं, ता हूँ|

जैसे-

- वह पढ़ता है|
- मैं खाता हूँ।

(ii) पूर्ण वर्तमान काल: - चुका, चुकी, चुके, आ, ए, ई + है, हैं, हूँ, हो |

जैसे-

- वह आया है।
- राम ने पुस्तक पढ़ी है।

नोट: - वर्तमान काल की क्रिया पूर्ण हो जाती है |

(iii) तात्कालिक वर्तमान काल:- क्रिया + रहा है, रही हैं, रहे हैं |

जैसे-

- वह जा रहा है।
- सीता गा रही है।

(iv) सन्दिग्ध वर्तमान काल :- क्रिया + ता, ते, ती + होगा/होगी

जैसे-

- वह पढ़ता होगा।
- वह आता होगा।

नोट :- इसमें क्रिया के होने में संदेह होता हैं |

(v) सम्भाव्य वर्तमान काल:- इसमें क्रिया होने की संभावना होती है |

जैसे –

वह घर से लौटा हो ।

वह पटना से आता हो।

2. भूतकाल: - इससे बीते हुए समय का बोध होता है |

जैसे:-

- लड़का आया था |
- वह खा चूका था |

❖ भूतकाल के छ: भेद होते हैं:-

(i) सामान्य भूत काल : - किया + था, थे, थी आ, ए, ई, या, ये, यी, चूका, चुकी, चुके ।

जैसे:-

- वह जा चूका |
- सीता घर से आई |
- वह फल खा चूका |

(ii) पूर्ण भूतकाल: - क्रिया + चुका था, चुके थे, चुकी थी, या था, यी थी, ये थे |

नोट:- इसमें भूतकाल की क्रिया पूर्ण हो जाती है |

जैसे-

- वह घर जा चुका था।
- राम स्कूल गया था|
- वह व्याकरण पढ़ चूका था | आदि |

(iii) अपूर्ण भूतकाल:- क्रिया + रहा था, रही थी, रहे थे |

जैसे-

- वह खा रहा था।
- सीता गा रही थी।

(iv) सन्दिग्ध भूतकाल:- → क्रिया + या, आ, ए, ई + होगा, होगी |

नोट:- इसमें क्रिया होने में संदेह होता है|

जैसे –

- वह घर गया होगा ।
- आपने गीत गाया होगा ।

(v) हेतुहेतुमद भूतकाल:- इसमें क्रिया होने की संभावना होती है, पर किसी कारण वश क्रिया रूक जाती है । एवं एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर करता है।

जैसे-

- शिक्षक आते तो पढ़ लेते।
- वर्षा होती तो फसल बच जाती।

(vi) आसन भूतकाल : - इसमें भूतकाल की क्रिया अभि-अभि समाप्त होना और वर्तमान काल की शुरू होना दिखता है ।

जैसे-

- मोहन स्कूल से आया है।
- सुरेश आकर बैठाहीं है।

3. भविष्यत काल: - यह भविष्य में होने वाली क्रिया का बोध कराता है |

जैसे: -

- वह घर जाएगा |
- मैं टॉपर बनूँगा |

❖ भविष्य काल के तीन भेद होता हैं: -

(i) सामान्य भविष्य काल:- क्रिया + गा, गे, गी।

जैसे-

- वह पढ़ेगा।
- वह जाऐगा।
- राम खाऐगा।

(ii) सम्भाव्य भविष्य काल: - इसमें भविष्य काल की क्रिया होने की संभावना होती है |

जैसे –

- संभव है, राम कल आये ।
- संभव है. मैं कल जाऊँगा ।

(iii) हेतुहेतुमद भविष्य काल : - इसमे भविष्य काल की एक क्रिया दूसरी किया पर निर्भर करती है |

जैसे-

- रमेश पहुंचेगा तो हम चलेंगे।
- राम पढेगा तो पास होगा।

वस्तुनिष्ट प्रश्न:-

1. 'लड़के ने पुस्तक पढ़ी है'- किस काल का उदाहण है? [2022A]

(A) वर्तमान काल

(B) भूतकाल

(C) भविष्यत काल

(D) सामान्य भविष्य

2. 'मोहन जाता है'- किस काल का उदाहरण है? [2023A]

(A) वर्तमान काल का
(B) भूतकाल का
(C) भविष्यत् काल का
(D) पूर्ण भूतकाल का

3. 'श्याम ने खाया'- किस काल का उदाहरण है? [2023A,2024A]
(A) भूतकाल का
(B) भविष्यत् काल का
(C) वर्तमान काल का
(D) सामान्य वर्तमान काल का

4. 'सोहन पढ़ता है'- किस काल का उदाहरण है? [2024A]
(A) वर्तमान काल का
(B) भूतकाल का
(C) भविष्यत काल का
(D) पूर्ण भूतकाल का

5. 'नरेश जायेगा'- किस काल का उदाहरण है? [2024A]
(A) भविष्यत काल का
(B) वर्तमान काल का
(C) भूतकाल का
(D) पूर्ण भूतकाल का

6. 'रवि ने खाया'- किस काल का उदाहरण है? [2024A]
(A) भूतकाल का
(B) वर्तमान काल का
(C) भविष्यत काल का
(D) सामान्य वर्तमान काल का

7. 'बच्चे गेंद खेल रहे थे'- किस काल का उदाहरण है? [2025A]
(A) वर्तमान काल
(B) भूतकाल
(C) भविष्यत काल
(D) इनमें से कोई नहीं

8. 'वर्तमानकाल' के कितने भेद होते हैं? [2025A]
(A) दो
(B) तीन
(C) सात
(D) पाँच

9. 'वह जाएगा'- किस काल का उदाहरण है? [2022A]
(A) वर्तमान काल का
(B) भूतकाल का
(C) सन्दिग्ध भूतकाल का
(D) भविष्यत काल का

10. 'गीता गयी होगी' किस काल का उदहारण है? [2024A]
(A) वर्तमान काल
(B) पूर्ण वर्तमान काल
(C) भूतकाल
(D) भविष्यत काल

11. 'संदिग्ध भूत' किसका भेद है? [2014All]
(A) क्रिया
(B) काल
(C) समास
(D) संधि

12. 'वह जाएगा' किस काल का उदाहरण है? [2024A1, 2021AI]
(A) भूतकाल
(B) वर्त्तमान काल
(C) भविष्यत काल
(D) सामान्य वर्तमान काल

13. 'लड़का आया था'- उदाहरण है- [2021A1]
(A) वर्तमान काल का
(B) भविष्यत काल का
(C) भूतकाल का
(D) इनमें से कोई नहीं

14. भविष्यत काल के कितने भेद होते हैं? [2023A1, 2022A1]
(A) दो
(B) तीन
(C) चार
(D) पाँच

15. 'मैंने गाया |' किस काल का उदाहरण है? [2021All]
(A) वर्तमान काल
(B) भूतकाल
(C) भविष्यत काल
(D) इनमें से कोई नहीं

16. 'वह खाता है' किस काल का उदाहरण है? [2022A11]
(A) भूतकाल
(B) भविष्यत काल
(C) वर्तमान काल
(D) इनमें से कोई नहीं

17. 'सीता गई' यह किस काल का उदाहरण है? [2024A11]
(A) वर्त्तमान काल

(B) भविष्यत काल
(C) भूतकाल
(D) इनमें से कोई नहीं

18. क्रिया के उस रूपांतर को क्या कहते हैं, जिससे उसके कार्य-व्यापार का समय और उसके पूर्ण अथवा अपूर्ण अवस्था का बोध हो? [2024AII]
(A) सर्वनाम
(B) संधि
(C) काल
(D) विशेषण

19. 'रमेश आ रहा होगा।' किस काल का उदाहरण है? [2025A1]
(A) भूतकाल
(B) भविष्यत काल
(C) वर्तमान काल
(D) इनमें से कोई नहीं

20. 'गाय दूध देती है।'- किस काल का उदाहरण है? [2025AII]
(A) भूतकाल
(B) भविष्यत काल
(C) वर्तमान काल
(D) इनमें से कोई नहीं

21. 'मैं पढ़ रहा हूँ।' किस काल का उदाहरण है? [2021AI]
(A) वर्तमान काल
(B) भूतकाल
(C) भविष्यत काल
(D) इनमें से कोई नहीं

22. 'राम खाता होगा' कौन काल है? [2021AI]
(A) भूतकाल
(B) संदिग्ध वर्तमान काल
(C) भविष्यत काल
(D) सामान्य भूतकाल

23. 'मोहन आया' किस काल का उदाहरण है? [2021AII]
(A) सामान्य भूतकाल
(B) वर्तमान काल
(C) भविष्यत काल
(D) संदिग्ध भूतकाल

24. भविष्यत काल के कितने प्रकार हैं? [2018AI]
(A) चार
(B) तीन
(C) दो
(D) पाँच

25. भूतकाल कितने प्रकार के होते हैं? [2018AII]
(A) चार
(B) पाँच
(C) तीन
(D) छः

26. 'वह देखता है' किस काल का उदाहरण है? [2022AI
(A) वर्तमान काल
(B) भूत काल
(C) भविष्यत काल
(D) इनमें से कोई नहीं

27. 'वह आया था-किस काल का उदाहरण है? [2022AII]
(A) भविष्यत काल
(B) भूत काल
(C) वर्तमान काल
(D) इनमें से कोई नहीं

28. 'सुनीता रो रही है' किस काल का उदाहरण है? [2022AII]
(A) वर्तमान काल
(B) भूत काल
(C) भविष्यत काल
(D) इनमें से कोई नहीं

पर्यावाची शब्द

❖ समान अर्थ वाले शब्दों को समानार्थी शब्द या पर्यायवाची शब्द कहते हैं-

शब्द	पर्यायवाची शब्द
कमल	पंकज, जलज, अम्बुज, अरविन्द, सरोज।
अग्नि	आग, पावक, अनल।
जल	पानी, नीर, सलिल, मेघपुष्प, वारि, तोय।
पृथ्वी	भू, धरा, वसुधा, वसुन्धरा, इला, भूमि।
सरस्वती	शारदा, वीणापाणि, वागीशा, भारती।
पर्वत	पहाड़, गिरि, अचल, भूधर, शैल, महीधर।
रात्रि	निशा, रजनी, रात, रैन, विभावरी, त्रियामा।
विद्यार्थी	छात्र, शिष्य
किताब	पुस्तक, ग्रंथ, पुस्तिका, पोथी
विष्णु	रमापति, जनार्दन, नारायण, माधव, केशव
पिता	पित, बाप, जनक
नदी	तटिनी, नद, अपग, सलिला
कलम	लेखनी, मसीपथ, तूलिका।
किरण	रश्मि, अंशु, मरीचि, मयूख
आँख	नेत्र, नयन, लोचन, दृग, चक्षु
ईश्वर	भगवान, ईश, परमात्मा, प्रभु, जगदीश।
अग्नि	आग, पावक।
सरस्वती	वीणापाणि, शारदा।
गणेश	लम्बोदर, गणपति।

अमृत	पीयूष, सुधा।
आँख	नेत्र, नयन।
किताब	पुस्तक, ग्रंथा।
हवा	वायु, समीर।
जल	पानी, नीर।
अश्व	घोड़ा, घोटक।
समुद्र	सागर, जलधि।
कमल	पंकज, अंबुजा
गंगा	भागीरथी, देवनदी।
दूध	क्षीर, दुगधा
अंधरा	अंधकार, तिमिर।
गणेश	गणपति, लम्बोदर।

- ✓ पर्वत- पहाड़, गिरि, भूधर
- ✓ समुद्र- सागर, सिंधु, जलधि
- ✓ हरफ- अक्षर, वर्ण, लिपि
- ✓ बेशकीमती- बहुमूल्य, मूल्यवान, अनमोल
- ✓ लक्ष्मी- रमा, कमला, विष्णुप्रिया
- ✓ घोड़ा- अश्व, तुरंग, घोटक
- ✓ पुत्री- बेटी, आत्मजा, सुता
- ✓ प्रजातंत्र- लोकतंत्र, जनतंत्र
- ✓ आग- अग्नि, अनल, पावक
- ✓ फूल- पुष्प, कुसुम, सुमन, प्रसून
- ✓ विद्वान- ज्ञानी, पंडित, विद्याविशिष्ट, तत्त्ववेत्ता, तत्त्वज्ञ, सर्वज्ञ
- ✓ पति- नाथ, स्वामी, कांत, साजन, बालम, वल्लभ, भर्ता
- ✓ गंगा- मंदाकिनी, विष्णुपदी, सुरनदी, देवापगा
- ✓ आँख- नयन, नेत्र, दृग, लोचन
- ✓ आम- रसाल, आम
- ✓ अमृत- सुधा, अमिय
- ✓ गंगा- भागीरथी, मंदाकिनी
- ✓ कमल- अम्बुज, नीरज
- ✓ पर्वत- पहाड़, गिरि
- ✓ स्त्री- नारी, महिला, ललना, वनिता, कांता, रमणी, अंगना
- ✓ समुद्र- सागर, उदधि, जलधि, पारावार, सिंधु
- ✓ हाथी- गज, हस्ती, गयंद, मतंग, द्विप, द्विरद, वारण, कुंजर, करी लोकतंत्र-प्रजातंत्र, जनतंत्र
- ✓ पहाड़- पर्वत, शैल, अचल, गिरि, नग, भूमिधर
- ✓ विद्वान- ज्ञानी, पंडित
- ✓ नयन- आँख, नेत्र
- ✓ घोड़ा- अश्व, तुरंग
- ✓ पिता- जनक, तात
- ✓ पाठशाला- स्कूल, विद्यालय
- ✓ प्रजातंत्र - लोकतंत्र, जनतंत्र
- ✓ पंकज- कमल, सरोज
- ✓ फूल- पुष्प, सुमन
- ✓ भ्राता- भाई, बन्धु
- ✓ गृह- घर, भवन
- ✓ पृथ्वी- भू, भूमि
- ✓ पानी- जल, नीर
- ✓ चन्द्रमा- चाँद, शशि
- ✓ नदी- सरिता, तटिनी
- ✓ कपड़ा- वस्त्र, चीर
- ✓ चाँद- चन्द्रमा, शशि
- ✓ रात- रात्रि, निशा
- ✓ धरती- भूमि, पृथ्वी
- ✓ समुद्र- सागर, जलधि
- ✓ शिव- महादेव, शंकर
- ✓ अंक – गोद, संख्या, नाटक का अंक आलिंगन |
- ✓ अंग - शरीर, अंश, भाग, विभाग, खण्ड, अवयव, अंग-प्रत्यंग, हिस्सा, टुकड़ा, वाय, गात, तन, वपु, कलेश्वर, विग्रह, मूर्ति, देह।
- ✓ अग्नि- अनल, आग, पावक, दहन, ज्वलन, कृशानु, दव, हुताशन, वहनि, वैश्वानर, ज्वाला, धूम्रकेतु, तातदेव।
- ✓ अचानक - एकाएक, सहसा, अकस्मात्, अप्रत्याशित, संयोग से।
- ✓ अच्छा - चोखा, उम्दा, बढ़िया, चौकस, उत्कृष्ट, श्रेयस्कर, वरेण्य, शुभ, सत्, भला, उचित, नीरोग, स्वस्थ, नेक।
- ✓ अजेय - अपराजित, अजित, अपराजेय।
- ✓ अतिथि - पाहुना, आगतुक, अभ्यागत, मेहमान, आगंतुक |
- ✓ अंधकार- तिमिर, कालिमा, अंधेरा, तम, तमिस्र, ध्वांत।
- ✓ अन्त- उपसंहार, इति, अवसान, पटाक्षेप, निरसन, मृत्यु, इतिश्री।
- ✓ अनंत- विष्णु, अंतरिक्ष, अंतहीन, आकाश, सर्पराज।
- ✓ अनाथ- बेसहारा, निराश्रित, दीन दुखी, निर-सहाय, आश्रयहीन।
- ✓ अनल- पवन, बात, वायु, समीर, मारूत, हवा |
- ✓ अमर- अनश्वर, अमत्य, अक्षय, शाश्वत, दिव्य, अतीन्द्रिय, मृत्युजंय, अनिवाशी, अजर, नित्य, स्थायी, अलौकिक, देवता, देव, सुर, नि. र्जर, विवुध, अनिमेष।
- ✓ अमृत- पीयूष, ध्यात, सोम, अमिय, सुधा, आबे, अमी, मधु, सूरभोग।
- ✓ अश्व- घोटक, तुरंग, घोड़ा, रविपुत्र, हय, सैंधव, बाजि|

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

- ✓ असुर - दानव, राक्षण, निशाचर, सुरारि, रजनीचर, यातुधान, इन्द्रारि, दनुज, दैव्य, तमीचर, निशिचर |
- ✓ अहंकार - अभिमान, दर्प, घमंड, दंभ
- ✓ आँख - अक्षि, नयन, चक्षु, नेत्र, लोचन, दृग, चश्म, विलोचन, ईक्षण, चख, दीदा।
- ✓ आँसू - नयन-जल, अश्रु, नयन-नीर, अश्क
- ✓ आकाश - गगन, नभ, अम्बर, व्योम, अंतरिक्ष, नील, आसमान, अर्श, फलक, निलय, नभ-मण्डल, शून्य, अनंत, पुष्कर, अभ्र, घौ, तारापथ।
- ✓ आत्मा - अन्तर, जीव, हृदय, जीवात्मा, मन, अन्तरात्मा, अन्तःकरण, अन्तर्मन|
- ✓ इंद्र - इन्द्र देवराज, माहवा, पुरन्दर, देवेन्द्र, पुरूहूत, सुरपति, महेन्द्र, शचीपति, सुरेश, मेधवाहन, यासव, पाकशासन, पाकरिपु |
- ✓ ईश्वर - ईश्वर प्रभु, परमात्मा, परमेश्वर, अगोचर, अनादि, अलख, ईश, भगवान, ब्रह्मा, जगदीश, अनन्त, जगतप्रभु जगन्नाथ, परमेश, परमपिता, परब्रह्म, सर्वेश्वर, स्वयंमू, खुदा, कर्त्तर, मालिक, पतितपावन, दयामय, करूणामय, दीनदयाल, परवरदिगार, दीनबन्धु, गरीबनवाज |
- ✓ उत्पति- जन्म, उद्भव, उद्गम, आविर्भाव, उदय, पैदाइश, सृष्टि |
- ✓ उत्साह - हौसला, जोश, उमंग, जोशखरोश |
- ✓ उपकार- परोपकार, उदार, अहसान, उपकृति, भलाई, नेकी, अच्छाई, कल्याण, हित।
- ✓ उम्र – वय, आयु, वयस |
- ✓ ऋण – कर्ज, उधार
- ✓ एकता - संघ, ऐक्य, संगठन, एका, एकत्व, अभेद, साम्य, मेलजोल, अभिन्नता, अनुकूलता
- ✓ कमल - नीरज, जलज, जलजात, अम्बुज, पयोजन, सरोज, पंकज, सरोरूह, पुष्कर, इंदीवर, उत्पल, नलिन |
- ✓ कपड़ा - पट, अम्बर, चीर, वसन, वस्त्र, दुकूल
- ✓ कनक – धतूरा, गेहूं, सोना, स्वर्ण |
- ✓ कन्या- कुमारी, बेटी, सुता, आत्मजा, पुत्री
- ✓ कायर- डरपोक, बुजदिल, कातर, भीरू |
- ✓ काला- श्याम, घनश्याम, असित, स्याह, कृष्ण, श्यामल, साँवला, मेचक
- ✓ किरण- रश्मि, मरीचि, कर, दीप्ति, प्रभा, अंशु, ज्योति, मयूख|
- ✓ कृष्ण- गोपाल, श्याम, घनश्याम, श्रीकृष्ण, कन्हैया, वासुदेव, मुरलीधर, मदन, वंशीधर, राधारमण, ब्रजबल्लभ, नंदलाल, यदुनाथ, यदुपति, यदुनंदन, चक्रधारी, मुरारि, मधुसुदन, योगेश्वर, योगिराज, कंस-किंदन, चक्रपाणि, गोविन्द, नंदकिशोर, पुरूषोत्तम, राधावल्लभ, रसिक-बिहारी, मदन मोहन, माधव, गोपीनाथ |
- ✓ क्रोध- क्षोभ, अमर्ष, प्रकोप, तैश, रोष, आक्रोश, कोप, गुस्सा, नाराजगी|
- ✓ गंगा - भागीरथी, जाह्नवी, त्रिपथगा, सुस्तरंगिणी, मंदाकिनी, सुरसरिता, सुरसरि, देवापगा, ध्रुवनन्दा, विष्णुपदी, देवनदी, सुरनदी, अमरतरंगिनी, नदीश्वरी
- ✓ गणेश- गजानन, लंबोदर, एकदंत; गिरिजानंदन, विनायक, गणपति, मोदकप्रिय, गजबदन, भवानीनन्दन, वक्रतुण्ड, गौरीसुत, गणाधिप, मोददाता |
- ✓ गरीब- निर्धन, दीन, दयनीय, दरिद्र, अकिंचन, कंगाल |
- ✓ घोड़ा- तुरग, तुरंग, अश्व, तुरंगम, सैंधव, हय, बाजि |
- ✓ चंद्रमा- चंद्र, राकेश, चाँद, हिमांशु, शशांक, इंदु, रजनीश, निशाकर, सोम, शकापति, द्विजराज, मयंक, शशि, हिमकर, मृगांक, कलाधर, सुधाकर, विधु |
- ✓ चिड़िया- खग, विघा, विहंग, द्विज, पंछी, पक्षी, पखेरू, शकुनि|
- ✓ जड़ - स्थावर, मूल, नींव, स्तब्ध, अचर, आधार, बुनियाद, मूर्ख |
- ✓ जल - पानी, नीर, पय, सलिल, वारि, अम्बु, जीवन, तोय, रस, सारंग |
- ✓ तलवार- खंजर, खड्ग, करवाल, शमशीर, असि, कृपाण, चंद्रहास |
- ✓ तालाब- पुष्कर, तड़ाग, ताल, सरोवर, सर, जलाशय, पद्माकर, सरसी
- ✓ धरती- धरा, धरणी, क्षिति, पृथ्वी, भू, भूमि, धरातल, भूतल, मही, अवनी, अचला, वसुमती, रत्नगर्भा, भूमण्डल, मेदनी, वसुधा, हिरण्यगर्भा, विश्वंभरा
- ✓ नदी- सरिता, सलिला, सजला, तटिणी, आपगा, निम्नगा, निर्झरणी, कूलंकषा, पयस्विनी, शैवालिनी, दरिया, तरंगिणी, स्रोतस्विनी |
- ✓ नारी- महिला, वनिता, ललना, औरत, अबला, स्त्री, कामिनी, मानवी, रमणी |
- ✓ पति - कान्त, खाविन्द, शौहर, साजन, मियां, स्वामी, भर्त्ता, वल्लभ, खसम, सैंया, बालम, मर्म, अधिपति, भरतार, नाथ, आर्यपुत्र
- ✓ पत्नी - भार्या, कान्ता, वामा, सहचरी, संगिनी, जोरू, लुगाई, धर्मपत्नी, अर्द्धांगिनी, वामांगिनी, सहधर्मिणी,

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

बीबी, प्रिया, घरवाली, कल्म, बहू, वधू, प्राणप्रिय, जीवनसंगिनी, दारा, गृहिणी |

- ✓ पत्थर- पाहन, सिल, उपल, अश्म, पाषाण, शिला, प्रस्तर |
- ✓ पर्वत - पहाड़, नग, अचल, भूधर, महीघर, गिरि, शैल, अद्रि, धराधर तुंग, भूमिघर |
- ✓ पवन- वायु, समीर, मारूत, हवा, अनिल, बयार |
- ✓ पीला- कपिल, पिंगल, जर्द, केसरिया, पीत, पांडु, हल्दिया, जाफरानी, नारंगी
- ✓ पुत्र- लड़का, बेटा, सुत, आत्मज, तनुज, नयन, लाल, सुवन, अंगज, औरस, नन्दन, तनय, तनु, नंद, पूत
- ✓ पुत्री- आत्मजा, सुता, तनुजा, तनया, दुहिता, अंगजा, नंदिनी, दुख्तर, बेआ, अंशजा, लड़की
- ✓ पुष्प- कुसुम, सुमन, फूल, प्रसून, मंजरी, लतांत
- ✓ पुराना- पुरातन, चिरन्तन, अजीत, प्राचीन, सनातन, विगत |
- ✓ पृथ्वी- धरती, वसुंधरा, भूमि, भू, वसुधा, अवनि, जगति, धरणी, धरा, क्षिति, अचला, महि, इला, उर्वी, धरित्री |
- ✓ बादल - मेघ, घन, जलद, वारिद, पयोद, अंबुद |
- ✓ बिजली - चंचला, विद्युत, तड़ित, चपला, दामिनी, सौदामिनी, क्षणिका, बीजुरी, क्षणप्रभा, अशनि
- ✓ भौंरा- भ्रमर, मधुकर, अलि, मधुव, शिलीमुख, मिलिंद, षट्पद्, मदन, सांरग |
- ✓ मछली- मीन, सफरी, झख, मत्स्य, जलजीवन, झष, अंडज, मकर, शकुची
- ✓ महादेव- ईश, शिव, महेश्वर, चन्द्रशेखर, भूतेश, हर, त्रिलोचन, शंभु, पशुपति, शिव, शंकर, भव, गिरीश, नीलकंठ, भोलेनाथ, नटराज, कैलाशपति, पिनाकी, भूतनाथ, सांपदेव
- ✓ मित्र- दोस्त, मीत, सखा, यार, हमदम, संगी, सहचर, साथी, मितवा, सुहृद, हमराज
- ✓ मूर्ख- बेवकूफ, मूढ़, मन्दबुद्धि, अहमद, जाहिल, बेअक्ल, उजबक, घोचू, भोंदू, जड़बुद्धि, पाजी, गावदी,
- ✓ राक्षस- असुर, दानव, निशिचर, दनुज, दैव्य, निशाचर
- ✓ राजा- नृप, नृपाल, नराधिव, महिपाल, भूप, अधिपति, राजेश्वर, शासक, शहंशाह, नरेश, नरेन्द्र, महीप, भूपाल, भूपति, अधिराज, राजेन्द्र सम्राट, महाराज, बादशाह, राव |
- ✓ रात- रात्रि, निशि, क्षपा, रजनी, तमा, तमस्विनी, रैन, निशा, यामिनी, शर्बरी, निशीथिनी, विभावरी, निशीथ, त्रियामा, क्षणदा |
- ✓ विष्णु- नारायण, चतुर्भुज, शेषशायी, केशव, गोविंद, हरि, लक्ष्मीपति, उपेंद्र, अच्युत, गरूड़ध्वज, चक्रपाणि, जनार्दन, जलशायी, दामोदर, पीतांबर, मुकुंद, रमापति, विधु, विश्वस्वरूप, विश्वम्भर, हृषिकेश, केशव |
- ✓ शरीर- गात, तन, घट, कलेवर, बदन, जिस्म, अंग, काया, तनु, गात्र, देह |
- ✓ सर्प- नाग, विषधर, साँप, व्याल, अहि, तक्षक, भुजंग, सरीसृप, फणी, भुजंगम, उरग, पन्नग |
- ✓ समुद्र- जलधि, सागर अंबुधि, सिंधु, रत्नाकर, उदधि |
- ✓ सूर्य- भास्कर, रवि, प्रभाकर, दिनकर, आदित्य, भानु, मार्तड, मरीची, सविता, दिवाकर, हंस, पत्वंग अंशुमाली |
- ✓ सोना- स्वर्ण, सुवर्ण, कंचन, हिरण्य, कुन्दन, हेम, कनक, कांचन, हाटक, जातरूप |
- ✓ हाथ- पाणि, कर, हस्त |

10th HINDI

1. 'तामस' का पर्यायवाची शब्द है?
(A) तामरम
(B) त्रैमासिक
(C) तामासू
(D) तामसिक

2. 'पुष्प' का पर्यायवाची शब्द है
(A) चपला
(B) प्रसून
(C) हिरण्य
(D) वारिद

3. 'सरस्वती' का पर्यायवाची शब्द है
(A) वागीशा
(B) अंबुद
(C) गिरीश
(D) मरीची

4. 'घर' का पर्यायवाची शब्द है
(A) चीर
(B) गेह
(C) वाजि
(D) विटप

5. 'ब्रह्मा' का पर्यायवाची शब्द है
(A) चतुरानन
(B) चतुर्भुज
(C) त्रिनेत्र
(D) चन्द्रशेखर

6. 'राजा' का पर्यायवाची शब्द है
(A) त्रियामा
(B) तापस
(C) केशरी
(D) महीप
7. 'मेघ' का पर्यायवाची शब्द है
(A) हाटक
(B) सविता
(C) पयोद
(D) हेम

12th SCIENCE

1. 'अनल' शब्द का पर्यायवाची होगा [2021A, 2023A]
(A) आग
(B) हवा
(C) पानी
(D) सूखा
2. 'आयुष्मान' शब्द का पर्यायवाची होगा- [2021A,2023A]
(A) पुत्र
(B) शिष्य
(C) चिरंजीव
(D) 'धनवान
3. 'झंझट' शब्द का पर्यायवाची होगा- [2021A]
(A) दुःख
(B) परेशानी
(C) बवाल
(D) आसानी
4. 'डरावना' शब्द का पर्यायवाची होगा- [20214]
(A) भय
(B) लुंठक
(C) क्रोध
(D) भयानक
5. 'कपड़ा' शब्द का पर्यायवाची होगा- [2020A]
(A) वसन
(B) पदम
(C) उदक
(D) मृगांक
6. 'अग्नि' शब्द का पर्यायवाची शब्द है- [2020A]
(A) वाजि
(B) हय
(C) पावक
(D) व्योम
7. 'शब्द' का पर्यायवाची है- [2020A]
(A) नाद
(B) निनाद
(C) ध्वनि
(D) इनमें से सभी
8. 'गंगा' शब्द का पर्यायवाची है-[2020A]
(A) मंदाकिनी
(B) आगार
(C) अनंत
(D) महाकाय
9. 'देवता' का पर्यायवाची शब्द है-[2019A]
(A) देव
(B) पुरुषोत्तम
(C) विप्र
(D) अवनी
10. 'पृथ्वी' का पर्यायवाची शब्द है-[2018A]
(A) भूमि
(B) मिट्टी
(C) पाताल
(D) इनमें से कोई नहीं
11. 'पय' का पर्यायवाची शब्द है-[2018A]
(A) दूध
(B) पाप
(C) सोना
(D) तालाब
12. 'अरण्य' का समानार्थी (पर्यायवाची) है[2019A]
(A) विपिन
(B) वपु
(C) रश्मि
(D) विटप
13. 'किरण' का पर्यायवाची है- [2015A]
(A) धनद
(B) रश्मि
(C) अनुकम्पा
(D) किन्नरेश
14. 'कुबेर' का पर्यायवाची है- [2015A]
(A) पावक
(B) कृशानु
(C) धनाधिप

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(D) अनल

15. 'कृपा' का पर्यायवाची है- [2015A]

(A) प्रभा

(B) मरिचि

(C) मयूख

(D) आशीष

16. 'केला' का पर्यायवाची है- [2015A]

(A) कदली

(B) फल

(C) फलाफल

(D) सन्तरा

17. 'कृष्ण' का पर्यायवाची है-[2015A]

(A) वायुसखा

(B) केशव

(C) धूमकेतु

(D) कृशानु

18. 'आग' का पर्यायवाची है- [2015A]

(A) रश्मि

(B) प्रभा

(C) पावक

(D) अनिल

19. 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची है- [2012A, 2013A]

(A) कुंजर

(B) जलज

(C) तारा

(D) शशि

20. 'हाथी' का पर्यायवाची है- [2012A, 2013A]

(A) गज

(B) पंकज

(C) कमल'

(D) इनमें से कोई नह

21. 'कमल' का पर्यायवाची है- [2012A, 2013A, 2017A]

(A) गज

(B) पंकज

(C) हस्ति

(D) हरिण

22. 'नारी' का पर्यायवाची है- [2012A,2013A

(A) कुंजर

(B) शशि

(C) औरत

(D) चन्द्र

23. 'समुद्र' का पर्यायवाची है-[2012A,2013A,2017A]

(A) प्राणक्रिया

(B) भार्या

(C) निशा

(D) सिंधु

24. 'पत्नी' का पर्यायवाची है-[2012A,2013A]

(A) भार्या

(B) नर

(C) आदमी

(D) मर्द

25. 'रात' का पर्यायवाची है- [2012A.2013A]

(A) नशा

(B) निशा

(C) नस

(D) नारी

26. 'नर' का पर्यायवाची है- [2012A,2013A]

(A) मर्दानगी

(B) पुरुषार्थी

(C) आदमी

(D) वीर

27. 'पृथ्वी' का पर्यायवाची शब्द है-[2011A]

(A) खपड़ा

(B) इंट

(C) मिट्टी

(D) धरती

28. 'राजा' का पर्यायवाची शब्द है-[2011A]

(A) नृप

(B) धनवान

(C) स्वर्णवान

(D) पहलवान

29. 'घर' का पर्यायवाची शब्द है-[2011A]

(A) झोंपड़ी

(B) गृह

(C) झोंपड़पट्टी

(D) घरेलू

30. 'सूर्य' का पर्यायवाची शब्द है-[2011A]

(A) रविवार

(B) सोमवार

(C) रवि

(D) शशि

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

31. 'तालाब' का पर्यायवाची है-
(A) नदी
(B) समुद्र
(C) महासमुद्र
(D) सरोवर

32. 'अग्नि' का पर्यायवाची है- [2011A, 2014A]
(A) आग
(B) पानी
(C) दमकल
(D) दमदमा

33. 'मेघ' का पर्यायवाची है- [2011A]
(A) आकाश
(B) बादल
(C) आसमान
(D) शून्य

34. 'गंगा' का पर्यायवाची है- [2011A, 2017A]
(A) कावेरी
(B) सरस्वती'
(C) जाह्नवी
(D) यमुना

35. 'अश्व' का पर्यायवाची क्या है? [2022A]
(A) तुरंग
(B) अनल
(C) आमोद
(D) अंबक

36. 'पत्नी' शब्द का पर्यायवाची क्या है? [2022A]
(A) सेवक
(B) वारि
(C) अधर्धांगिनी
(D) विवुध

37. 'सर्प' शब्द का पर्यायवाची शब्द क्या है? [2024A]
(A) पयोद
(B) केहरि
(C) सुरंग
(D) उरग

38. 'ब्रह्मा' शब्द का पर्यायवाची शब्द क्या है? [2024A]
(A) जगदीश
(B) रत्नाकार
(D) दशानन
(C) चतुरानन

39. 'चंद्र' शब्द का पर्यायवाची शब्द क्या है? [2024A]
(A) अंशुमाली
(B) तमस
(C) शार्दूल
(D) हिमांशु

40. 'सूर्य' का पर्यायवाची शब्द क्या है? [2025A]
(A) इला
(B) मरीचि
(C) आगार
(D) बेसर

12th ARTS

1. 'अमृत' का पर्यायवाची है- [2018A]
(A) सुधा
(B) शस्य
(C) वैश्वानर
(D) दर्ष

2. 'अश्व' का पर्यायवाची है- [2018A]
(A) तमिस
(B) कृशानु
(C) तुरंग
(D) हुताशन

3. 'सुन्दर' का पर्यायवाची शब्द है- [2019A]
(A) सुरभि
(B) तरु
(C) मनोहर
(D) कुन्दन

4. 'कमल' का पर्यायवाची शब्द है- [2019A, 2024]
(A) सरोज
(B) भानु
(C) पुष्पधन्वा
(D) रश्मि

5. 'कमल' का पर्यायवाची है। [2021A]
(A) जलधि
(B) जलज
(C) जलद
(D) वारिद

6. 'घर' शब्द का पर्यायवाची है (2021A)
(A) निकेतन
(B) तामरस
(C) नलिन
(D) प्रभा

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

7. 'घर' शब्द का पर्यायवाची है [2020]
(A) अंशु
(B) कर
(C) रश्मि
(D) गेह
8. 'महादेव' शब्द का पर्यायवाची है- [2022A]
(A) सुधी
(B) कोविद
(C) बुध
(D) शंकर
9. 'झंझट' शब्द का पर्यायवाची क्या है? [2024]
(A) निकट
(B) बवाल
(C) आसानी
(D) दूर
10. 'शिव' शब्द का पर्यायवाची क्या है? [2024]
(A) रुद्र
(B) हरि
(C) शिवालय
(D) रुद्राक्ष
11. 'सूर्य' का पर्यायवाची शब्द क्या है? [2025A]
(A) घन
(B) निशा
(C) यती
(D) प्रभाकर

NON – HINDI

1. 'सूर्य' का पर्यायवाची नहीं है- [2018AI]
(A) आदित्य
(B) मार्तंड
(C) अंशुमाली
(D) पूर्व
2. 'साँप' का पर्यायवाची है- [2018AII]
(A) कृशानु
(B) वैश्वानर
(C) अमिय
(D) उरग
3. 'हवा' का पर्यायवाची नहीं है- [2018AII]
(A) पवमान
(B) वहिन
(C) वात
(D) समीर
4. 'नदी' का पर्यायवाची शब्द है- [2019AII]
(A) दुगध
(B) सरिता
(C) तनय
(D) अव्ययीभाव
5. 'कपड़ा' का पर्यायवाची नहीं है- [2019AII]
(A) वस्त्र
(B) चीर
(C) पट
(D) देह
6. 'कमल' का पर्यायवाची शब्द है-[2020AI]
(A) पंकज
(B) विष्णु
(C) लक्ष्मी
(D) दुर्गा
7. 'वसुधा' का पर्यायवाची शब्द है- [2020AII]
(A) चंद्रमा
(B) सवार
(C) सरिता
(D) पृथ्वी
8. 'नौका' शब्द का पर्यायवाची-[2021AI]
(A) नाव
(B) रम्य
(C) गण
(D) पयोद
9. 'पुत्री' का पर्यायवाची है-[2021AI]
(A) आत्मज
(B) तनुज
(C) तनय
(D) बेटी
10. 'महादेव' शब्द का पर्यायवाची है-[2021AII]
(A) महेश्वर
(B) भारती
(C) अच्युत
(D) संत
11. 'गदहा' शब्द का पर्यायवाची है-[2021AII]
(A) निकेतन
(B) धूसर
(C) महाकाय
(D) वासव

12. 'अमृत' का पर्यायवाची है[2022AI]
(A) हय
(B) व्योम
(C) स्पृहा
(D) पीयूष

13. 'कानन' का पर्यायवाची है[2022AII]
(A) सरिता
(B) झील
(C) जंगल
(D) पेड़

14. 'आँख' शब्द का पर्यायवाची है [2022AII]
(A) दहन
(B) धूसर
(C) निलय
(D) लोचन

15. 'कपड़ा' शब्द का पर्यायवाची है [2022AII]
(A) वासव
(B) विनायक
(C) वायुसखा
(D) वसन

16.'आँख' शब्द का पर्यायवाची क्या है? [2023AI]
(A) अमिय
(B) पावक
(C) व्योम
(D) नयन

17. 'राजा' शब्द का पर्यायवाची क्या है? [2023AII]
(A) विबुध
(B) भूप
(C) किंकर
(D) प्रकप्र

18. जिन शब्दों के अर्थ में समानता हो, उन्हें क्या कहते हैं? [2024AI]
(A) कोशीय शब्द
(B) विपरीतार्थक शब्द
(C) ध्वन्यात्मक शब्द
(D) पर्यायवाची शब्द

19. 'घाव' शब्द का पर्यायवाची क्या है? [2024AI]
(A) कलश
(B) दंभ
(C) नासूर
(D) चलय

20. 'कपड़ा' शब्द का पर्यायवाची क्या है? [2024AII]
(A) चीर
(B) अंबर
(C) सदन
(D) चंदन

21. 'पृथ्वी' का पर्यायवाची शब्द क्या है? [2025AI]
(A) चारु
(B) भारती
(C) वनिता
(D) इला

विलोम शब्द

❖ दूसरे के ठीक विपरीत वाले शब्द को विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं ।

शब्द	विलोम
✓ अकृत्रिम	कृत्रिम
✓ अग्रज	अनुज
✓ अग्नि	जल
✓ अगुण	सगुण
✓ अच्छा	बुरा
✓ अंतरंग	बहिरंग
✓ अंत	आदि
✓ अंतिम	आरंभिक
✓ अतीत	भविष्य
✓ अर्थ	अनर्थ
✓ अंदर	बाहर
✓ अधम	उत्तम
✓ अंधकार	प्रकाश
✓ अंधेरा	उजाला
✓ अधिकारी	नौकर
✓ अधुना	प्राचीन
✓ अनाथ	सनाथ
✓ अनुकूल	प्रतिकूल
✓ अपमान	सम्मान
✓ अपकार	उपकार
✓ अंबर	धरती
✓ अमृत	विष
✓ अमर	मर्त्य
✓ अमूर्त	मूर्त
✓ अल्पायु	दीर्घायु
✓ अवगुण	गुण

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

✓ अवनति	उन्नति
✓ अस्त्र	शस्त्र
✓ अस्त	उदय
✓ आकाश	पाताल
✓ आकर्षण	विकर्षण
✓ आज्ञा	अवज्ञा
✓ आघात	प्रतिघात
✓ आत्मा	परमात्मा
✓ आदान	प्रदान
✓ आदि	अनादी, अंत
✓ आम	घास
✓ आयात	निर्यात
✓ आय	व्यय
✓ आलसी	परिश्रमी
✓ आलोक	अंधकार
✓ कृष्ण	खेत, शुक्ल
✓ कोमल	कठोर
✓ क्रोध	क्षमा
✓ गणतंत्र	राजतंत्र
✓ गद्य	पद्य
✓ जयेष्ट	कनिष्ठ
✓ जन्म	मृत्यु
✓ जड़	चेतन
✓ जल	स्थल
✓ जहर	अमृत
✓ तिमिर	प्रकाश
✓ दुर्जन	सज्जन
✓ दुर्गंध	सुगंध
✓ दुःख	सुख
✓ दुर्लभ	सुलभ
✓ नायक	नायिक
✓ निष्पक्ष	पक्षपात
✓ निर्गत	आगत
✓ निर्माण	विनाश
✓ परिश्राम	विश्राम
✓ पाप	पूण्य
✓ प्रकाश	अंधकार
✓ पुरातन	नवीन, अधुनातन
✓ पुरस्कार	दंड, तिरस्कार
✓ प्रकाश	अंधकार
✓ प्रेम	घृणा
✓ प्रलय	सुष्टि
✓ बंजर	उपजाऊ
✓ बर्बर	सभ्य
✓ बहिरंग	अन्तरंग
✓ विक्रय	क्रय
✓ विकर्षण	अपकर्षण

10th HINDI

1. 'कायर' शब्द का विलोम है
(A) निडर
(B) विक्रय
(C) निष्ठुर
(D) कपटीउत्तर

2. 'ज्योति' शब्द का विलोम है
(A) स्थावर
(B) चेतन
(C) स्थल
(D) तम

3. 'जंगम' शब्द का विलोम है
(A) स्थावर
(B) जड़
(C) सबल
(D) सार्थक

4. 'ज्येष्ठ' शब्द का विलोम है
(A) अनामिका
(B) प्रतिघात
(C) कनिष्ठ
(D) अग्रज

5. 'गौरव' शब्द का विलोम है
(A) आगत
(B) आगमन
(C) पराजय
(D) लाघव

6. 'जातीय' शब्द का विलोम है
(A) सात्त्विक
(B) निकृष्ट
(C) विजातीय
(D) चिरंतन

12th SCIENCE

1. 'कृष्ण' शब्द का विलोम है- [2018A, 2021A]
(A) सफेद

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(B) उजला
(C) घृणा
(D) शुक्ल

2. 'स्तुति' शब्द का विलोम है- [2018A, 2021A]
(A) निंदा
(B) शिकायत
(C) घृणा
(D) द्वेष

3. 'संध्या' शब्द का विलोम है- [2018A, 2021A]
(A) प्रातः
(B) निशा
(C) रात्रि
(D) दोपहर

4. 'दूषित' शब्द का विलोम है- (2021A)
(A) प्रदूषित
(B) गंदा
(C) स्वच्छ
(D) मलिन

5. 'शेष' शब्द का विलोम है- [2021A]
(A) विशेष
(B) अशेष
(C) द्वेष
(D) अवशेष

6. 'ईमानदार' शब्द का विलोम होगा- [2021A]
(A) शरीफ
(B) बेईमान
(C) भला मानुष
(D) दुर्जन

7. 'आवरण' शब्द का विलोम होगा-[2021A]
(A) पर्दा
(B) कपड़ा
(C) संरक्षण
(D) अनावरण

8. 'ऊँच' शब्द का विलोम होगा- [2021A]
(A) प्रमुख
(B) नीच
(C) गौड़
(D) कोमल

9. 'कठोर' शब्द का विलोम होगा- [2021A]
(A) कुसुम
(B) कली
(C) मुकुल
(D) कोमल

10. 'आगामी' शब्द का विलोम होगा- [2020A]
(A) आगत
(B) विगत
(C) पूर्वगत
(D) निर्गत

11. 'जड़' शब्द का विलोम होगा- [2020A]
(A) जंगम
(B) जन्म
(C) चेतन
(D) नश्वर

12. 'आकाश' शब्द का विलोम होगा- [2020A]
(A) अम्बर
(B) पाताल
(C) व्योम
(D) गगन

13. 'पुरस्कार' शब्द का विलोम है- [2020A]
(A) दण्ड
(B) पारिश्रमिक
(C) सम्मान
(D) अपमान

14. 'खरा' का विलोम है- [2019A]
(A) खोटा
(B) परा
(C) लेटा
(D) बैठा

15. 'उद्दण्ड' का विलोम है- [2019A]
(A) विनम्र
(B) खूंखार
(C) कठोर
(D) कर्कश

16. 'साकार' का विलोम है- [2019A]
(A) निराकार
(B) कुआकार
(C) बेकार
(D) अतिकार

17. 'निन्दा' का विलोम है- [2019A]
(A) स्तुति
(B) पूजा
(C) प्रशंसा

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(D) आराधना

18. 'धरती' का विलोम है- [2019A]

(A) आकाश

(B) पाताल

(C) भूमि

(D) इनमें से कोई नहीं

19. 'वैध' का विलोम है- [2019A]

(A) नवैध

(B) अवैध

(C) कुवैध

(D) इनमें से कोई नहीं

20. 'ज्ञात' का विलोम है- [2019A]

(A) अनजान

(B) अज्ञात

(C) नासमझ

(D) बेज्ञात

21. 'अनुराग' का विलोम है- [2018A]

(A) राग

(B) विराग

(C) वैराग्य

(D) प्रेम

22. 'अथ' का विपरीतार्थक शब्द है- (2018A)

(A) अच्छा

(B) आदि

(C) उदय

(D) इति

23. 'स्थावर' का विलोम है- [2018A]

(A) स्थिर

(B) जंगम

(C) सरल

(D) बड़ा

24. 'नर' का विपरीतार्थक शब्द है- [2018A]

(A) पुरुष

(B) व्यक्ति

(C) धनी

(D) नारी

25. 'तलवार' शब्द का विलोम है- [2018A]

(A) चन्द्र

(B) सायक

(C) तुंग

(D) प्रभा

26. 'आदर' शब्द का विलोम है- [2016A]

(A) आदरनीय

(B) आदरनीया

(C) अनादर

(D) आदरश्रेष्ठ

27. 'आर्य' शब्द का विलोम है-(2016A]

(A) अनाड़ी

(B) खेलाड़ी

(C) आरज

(D) अनार्य

28. 'आर्द्र' शब्द का विलोम है-[2016A]

(A) शुष्क

(B) आर्द्रता

(C) सुसुक

(D) निसुक

29. 'अमृत' शब्द का विलोम है- [2016A)

(A) विषैला

(B) विष

(C) खदुरस

(D) अमृतमय

30. 'आय' शब्द का विलोम है- [2016A]

(A) खर्चा

(B) खर्चीला

(C) व्यय

(D) कंजूस

31. 'आधार' का विलोम है- [2016A]

(A) धारदार

(B) आधा

(C) पूरा

(D) निराधार

32. 'अंतरंग' का विलोम क्या होगा? (2022)

(A) अल्प

(B) बहिरंग

(C) अपेक्षा

(D) अनुग्रह

33. 'सौभाग्य' शब्द का विलोम क्या है? [2022A]

(A) नभाग्य

(B) दुर्भाग्य

(C) सभाग्य

(D) अभाग्य

34. 'कनिष्ठ' शब्द का विलोम क्या है? [2023A]

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(A) ज्येष्ठ
(B) चौड़ा
(C) छोटा
(D) लम्बा

35. 'स्वदेश' शब्द का विलोम क्या है? [2023A]
(A) देशीय
(B) देश
(C) परदेश
(D) विदेश

36. 'उन्नति' शब्द का विलोम क्या है? [2023A]
(A) अवनति
(B) प्रगति
(C) ऊपर
(D) तरक्की

37. 'अधिकतम' शब्द का विलोम क्या है? [2024A]
(A) न्यूनतम
(B) कमतर
(C) अधिकांश
(D) लघु

38. 'अगम' शब्द का विलोम क्या होगा? [2023A]
(A) आगम
(B) गम
(C) सरगम
(D) सुगम

39. 'एकेश्वरवाद' शब्द का विलोम क्या होगा? [2024A]
(A) ईश्वरवाद
(B) बहुदेवीवाद
(C) बहुदेववाद
(D) बहुतदेवाद

40. 'उग्र' शब्द का विलोम क्या होगा? [2024A]
(A) अधः
(B) सौम्य
(C) तारा
(D) उदार

41. 'अग्नि' शब्द का विलोम क्या होगा? (2025A)
(A) उन्नत
(B) अल्प
(C) जल
(D) मर्त्य

1. 'आरंभ' का विलोम है-[2018A]
(A) अंत
(B) समाधान
(C) निष्कर्ष
(D) अनीति

2. 'अधम' का विलोम है-[2018A]
(A) गरीब
(B) प्रिय
(C) उत्तम
(D) सुगम

3. आद्र का विपरीतार्थक है- [2018A)
(A) शुष्क
(B) नीला
(C) कड़ा
(D) गाढ़ा

4. 'आलसी' का विलोम है-[2019AJ
(A) तेजस्वी
(B) विनम्र
(C) परिश्रमी
(D) उद्यमी

5. 'आस्तिक' का विपरीतार्थक शब्द है- [2019A]
(A) अमानुष
(B) नास्तिक
(C) शैतान
(D) इनमें से कोई नहीं

6. 'कायर' का विलोम है- [2019A]
(A) बहादुर
(B) शक्तिशाली
(C) पहलवान
(D) अरवरिया

7. 'अपमान' शब्द का विलोम है[20204]
(A) इज्जत
(B) सम्मान
(C) सत्कार
(D) आदर

8. 'अल्पायु' शब्द का विलोम है(2020A)
(A) क्षणभंगुर
(B) दीर्घायु
(C) क्षीणायु
(D) छोटी आयु

9. 'अग्रज' शब्द का विलोम है [2020A)

बिहार बोर्ड का सबसे विश्वसनीय संस्थान Helpline:- 7700879453

(A) अनुज
(B) छोटा
(C) पिछला
(D) पीछे

10. 'आय' शब्द का विलोम होगा
(A) खर्चा
(B) व्यय
(C) आमदनी
(D) बिक्री

11. 'गुण' शब्द का विलोम है
(A) गलती
(B) कमी
(C) दोष
(D) गुणी

12. 'कृत्रिम' शब्द का विलोम है [2020A]
(A) प्रकृत
(B) प्राकृत
(C) कृत
(D) क्रूर

13. 'रात' शब्द का विलोम है [2024A, 2021A]
(A) दिन
(B) संध्या
(C) निशा
(D) राका

14. 'आदान' शब्द का विलोम है| [2021A]
(A) अल्प
(B) प्रदान
(C) मर्त्य
(D) आदि

15. 'दूषित' शब्द का विलोम है- [2022]
(A) स्वच्छ
(B) दुर्बल
(C) दुष्ट
(D) देय

16. 'श्रद्धा' शब्द का विलोम क्या है? [2023A]
(A) ईर्ष्या
(B) घृणा
(C) वात्सल्य
(D) भक्ति

17. 'जड़' शब्द का विलोम क्या है? [2023A]
(A) जन्म
(B) चेतन
(C) जंगम
(D) नश्वर

18. 'खण्डन' शब्द का विलोम क्या होगा? [2023A]
(A) टुकड़े करना
(B) तोड़ना
(C) मण्डन
(D) खण्डित करना

19. 'सफल' शब्द का विलोम शब्द क्या है? [2023A]
(A) असक्षम
(B) पराजित
(C) विफल
(D) कमजोर

20. 'प्रशंसा' शब्द का विलोम शब्द क्या है? [2023A]
(A) निन्दा
(B) दोष
(C) आरोप
(D) कष्ट

21. 'परिश्रम' शब्द का विलोम क्या है? [2024A]
(A) मिहनती
(B) विश्राम
(C) मेधावी
(D) तेजस्वी

22. 'अगामी' शब्द का विलोम क्या है? [2024A]
(A) आगत
(B) विगत
(C) प्रतिगामी
(D) निर्गत

23. 'कृष्ण' शब्द का विलोम क्या है? [2024A]
(A) शुक्ल
(B) नीला
(C) पूर्णिमा
(D) काला

24. 'आचार' शब्द का विलोम क्या है? (2025A)
(A) प्रदान
(B) उत्तम
(C) निर्यात
(D) अनाचार

NON – HINDI

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

1. 'सार्वजनिक' का विपरीतार्थक शब्द क्या है? [2012A]
(A) व्यक्तिगत
(B) पारिवारिक
(C) सामूहिक
(D) सामाजिक

2. 'ठोस' का विलोम है-[2018AI]
(A) सरल
(B) गरल
(C) विरल
(D) तरल

3. 'रुग्न' का विलोम है-[2018AI]
(A) अस्वस्थ
(B) स्वस्थ
(C) बीमार
(D) बीमारी

4. 'स्वागत' का विलोम है-[2018AII]
(A) दुत्कार
(B) परिष्कार
(C) बेकार
(D) इनमें से कोई नहीं

5. 'कृतज्ञ' निम्नलिखित में से किसका विलोम है? [2018AII]
(A) कृतघ्न
(B) आभार
(C) सत्कार
(D) इनमें से कोई नहीं

6. 'उत्थान' का विलोम शब्द क्या है? [2025AI, 2024AII, 2019AII]
(A) पतन
(B) नमन
(C) गमन
(D) रमन

7. 'आदान' का विलोम शब्द क्या है? [2019AII]
(A) देना
(B) प्रदान
(C) निदान
(D) लेना

8. उपकार का विपरीतार्थक शब्द है-[2020AI]
(A) परोपकार
(B) सरकार
(C) अपकार
(D) निराकार

9. 'अमीर' का विलोम क्या है? [2020AII]
(A) गरीब
(B) कंजूस
(C) फकीर
(D) दानी

10. 'शकुन' शब्द का विलोम क्या है? [2021AI]
(A) सिक्त
(B) सुशकुन
(C) नुशकुन
(D) अपशकुन

11. 'अवनति' शब्द का विलोम है- [2021AI]
(A) उन्नति
(B) प्रगति
(C) सहमति
(D) नवनति

12. 'अमर' शब्द का विलोम है- [2021AII]
(A) अल्प
(B) आत्मा
(C) मर्त्य
(D) आयात

13. 'अल्प' का विलोम क्या होगा? [2021AII]
(A) बहु
(B) अथ
(C) इति
(D) प्रज्ञ

14. 'शोषक' का विलोम होगा- [2021AII]
(A) शोषित
(B) पोषक
(C) शुक्र
(D) शुष्

15. 'रात' का विलोम है- [2021AII]
(A) संध्या
(B) दिन
(C) दोपहर
(D) भोर

16. 'सुगम' शब्द का विलोम है [2022AI]
(A) दुर्गम
(B) दुर्गंध

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) दुर्बल
(D) दुर्नाम

17. 'स्वामी' शब्द का विलोम है [2022A]
(A) सेवक
(B) दुष्काल
(C) विषाद
(D) अहिंसा

18. 'विवाद' शब्द का विलोम है[2022All]
(A) विरत
(B) विरागी
(C) निर्विवाद
(D) व्यक्त

19. 'उपयुक्त' शब्द का विलोम है [2022All]
(A) अनुपयुक्त
(B) निरुद्यम
(C) आधेय
(D) उपभुक्त

20. 'प्राचीन' शब्द का विलोम क्या है? [2023AI]
(A) नवीन
(B) वाचाल
(C) संक्षिप्त
(D) सामान्य

21. 'आकाश' शब्द का विलोम क्या है? [2023All]
(A) प्रदान
(B) लभ्य
(C) पाताल
(D) अम्बर

22. 'जल' शब्द का विलोम क्या है? [2024AI]
(A) सरल
(B) स्थल
(C) निश्छल
(D) गरल

23. 'अगम' का विलोम शब्द क्या होगा? [2024All]
(A) अल्प
(B) आयात
(C) सुगम
(D) उदय

24. 'क्रय' शब्द का विलोम क्या होगा? [2025All]
(A) विक्रय
(B) घात
(C) देय
(D) ध्वंस

लिंग

❖ लिंग का शाब्दिक अर्थ "चिन्ह या निशान" होता है। अर्थात संज्ञा के जिस रूप से स्त्री या पुरुष जाती का बोध हो, तो उसे लिंग कहते हैं |

❖ हिंदी व्याकरण में लिंग के दो भेद होते हैं –

i. स्त्रीलिंग
ii. पुल्लिंग

i. पुल्लिंग: - इससे पुरुष जाती का बोध होता हैं |
जैसे :- लड़का, घोड़ा, आदमी, नेत्र, शस्त्र, चित्र नयन, गमन, वचन आदि ।

ii. स्त्रीलिंग: - इससे स्त्री जाती का बोध होता हैं |
जैसे :- लड़की, औरत, माया, कृपा, क्षमा, प्रार्थना, वेदना, रचना आदि |

पुल्लिंग शब्दों का पहचान

1. जिन संस्कृत संज्ञा शब्दों के अन्त में "अ, ख, ज, त, न और त्र होता है। वे पुल्लिंग होते हैं ।
जैसे- पाक, मोह, क्रोध, मुख, सुख, सरोज, जलज, गणित, नयन, गमन, वचन, नेत्र, शस्त्र, चित्र आदि |

2. जिन भाववाचक संस्कृत सज्ञाओं का अन्त " त्व, व्य, व, र्य, ना, आव, पन, वा और पा" से होता है । वे पुल्लिंग होते हैं।
जैसे - लाघव, नृत्य, बहुत्व, गाना, चढ़ाव, बुढ़ापा आदि ।

3. रत्न और धातुओं के नाम पुल्लिंग होते हैं।
जैसे- हीरा, लोहा, पीतल आदि ।
नोट :- चाँदी स्त्रीलिंग है।

4. वृक्ष, फल और अनाजों के नाम पुल्लिंग होते हैं।
जैसे- पीपल, आम, अशोक, कटहल, संतरा, आम, मक्का, चना, गेहूँ, चावल आदि।
नोट :- इमली, लीची, खजूर, नारंगी, नाशपाती स्त्रीलिंग होते हैं।

5. द्रव्य पदार्थों के नाम पुल्लिंग होते हैं।
जैसे- पानी, घी, दही, तेल आदि।
नोट :- चाय, शराब स्त्रीलिंग होते हैं।

6. समयसूचक नाम, दिनों के नाम, हिन्दी महीनों के नाम और देशों के नाम पुल्लिंग होते हैं ।
जैसे- घंटा, सेकंड, मिनट, वर्ष, सोमवार, मंगलवार, चैत्र, वैशाख, आषाढ़, भारत, मलेशिया, ईरान आदि ।

7. जल के स्थानों का नाम, पर्वतों के नाम, समुद्रों के नाम और ग्रहों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

जैसे- कुआँ, तालाब, हिमालय, अरावली, हिन्द महासांगर, अरब सागर मंगल, राहु, केतु आदि।

नोट :- पृथ्वी स्त्रीलिंग है।

स्त्रीलिंग शब्दों का पहचान

1. जिन संस्कृत संज्ञा शब्दों का अन्त आ, इ, उ, ता, ति, ना और नि से होता है। वे स्त्रीलिंग होती हैं।

जैसे - माया, कृपा, क्षमा, निधि, मृत्यु, आयु, लघुता, प्रभुता, गति, जाति, हानि, प्रार्थना आदि।

2. जिन हिन्दी भाववाचक संज्ञाओं के अन्त में ट, वट, हट होता है। वे स्त्रीलिंग होती हैं ।

जैसे - आहट, बनावट, साजावट आदि।

3. जिन हिन्दी सज्ञाओं के अन्त में ऊ, ख, त और स होता है। वे प्रायः स्त्रीलिंग होती हैं।

जैसे - बालू, झाड़ू, भूख , बात, रात, मिठास, प्यास आदि।

4. नदियों के नाम, अहारों के नाम, किराने दूकान की चीजे और नक्षत्रों के नाम प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे - गंगा, महानदी, झेलम, रोटी, चपाती, चीनी, इलायची, अश्विनी, रोहिणी आदि।

नोट :- सोन, सिन्धु, ब्रह्मपुत्र एवं दामोदर पुल्लिंग हैं।

5. बोलियों के नाम, भाषाओं के नाम और लिपियों के नाम स्त्रीलिंग होती हैं।

जैसे- भोजपुरी, मगही, हिन्दी, संस्कृतं, पंजाबी, देवनागरी, गुरूमुखी, रोमन आदि।

12th SCIENCE

1. 'कुहासा' शब्द है(2021A)
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

2. 'घी' शब्द है-[2021A,2023A
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

3. 'यात्रा' शब्द है[2021A.2023A)
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

4. 'चमक' शब्द है-(2021A,2023A)
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

5. 'समाज' शब्द का लिंग निर्णय करें- [2020A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

6. 'सुबह' शब्द कौन लिंग है? (2020A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

7. 'चाय' शब्द कौन लिंग है? (2012A,2013A,2020A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

8. 'काजल' शब्द कौन लिंग है? [2020A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

9. 'बाल' शब्द कौन लिंग है? [2020]
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

10. 'मलमल' शब्द कौन लिंग है? [2015A]
(A) पुल्लिंग
(B) उभयलिंग
(C) स्त्रीलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

11. 'मशाल' शब्द कौन लिंग है? [2015A]
(A) निम्न में से कोई नहीं
(B) उभयलिंग
(C) पुल्लिंग
(D) स्त्रीलिंग

12. 'मशीन' शब्द कौन लिंग है? [2015A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

13. 'मस्जिद' कौन लिंग है? (2015A)
(A) पुल्लिय
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

14. 'माया' कौन लिंग है? (2015A)
(A) पुल्लिंग
(B) उभयलिंग
(C) स्त्रीलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

15. 'माला' कौन लिंग है? [2015A]
(A) इनमें से कोई नहीं
(B) उभयलिंग
(C) पुल्लिंग
(D) स्त्रीलिंग

16. 'परीक्षा' कौन लिंग है? [2012,2013]
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

17. 'भेंट' कौन लिंग है? [2012A,2013A]
(A) उभयलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) स्त्रीलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

18. 'पीतल' कौन लिंग है? [2012, 2013
(A) इनमें से कोई नहीं
(B) उभयलिंग
(C) स्त्रीलिंग
(D) पुल्लिंग

19. 'याचना' कौन लिंग है? [2012A,2013A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

20. 'रात' कौन लिंग है-[2012A, 2013A]
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

21. 'बादल' कौन लिंग है? [2012A, 2013A]
(A) उभयलिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) पुल्लिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

22. 'बर्फ' कौन लिंग है? [2012A,2013A]
(A) इनमें से कोई नहीं
(B) पुल्लिंग
(C) पुल्लिंग
(D) स्त्रीलिंग

23. 'कमीज' कौन लिंग है? [2011A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

24. 'धूल' कौन लिंग है? [2011A]
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

25. 'खीर' कौन लिंग है? [2011A]
(A) उभयलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) स्त्रीलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

26. 'जेब' कौन लिंग है? [2011A]
(A) इनमें से कोई नहीं
(B) उभयलिंग
(C) पुल्लिंग
(D) स्त्रीलिंग

27. 'अकाल' कौन लिंग है? [2011A]
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

28. 'बचपन' कौन लिंग है? [2011A]
(A) स्त्रीलिंग

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

29. 'शाम' कौन लिंग है? [2011A]
(A) उभयलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) स्त्रीलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

30. 'नगर' शब्द क्या है? [2022A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

31. 'शिक्षा' शब्द क्या है? [2022A]
(A) पुल्लिंग
(B) उभयलिंग
(C) स्त्रीलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

32. 'पाठक' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा? [2022A]
(A) पाठकी
(B) पाठिका
(C) पाठाकु
(D) पाठकीन

33. 'कक्षा' शब्द क्या है? [2022A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

34. 'सभा' शब्द क्या है? [2023A]
(A) पुल्लिंग
(B) उभयलिंग
(C) स्त्रीलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

35. 'लिंग' शब्द किस भाषा का शब्द है? [2024A)
(A) तुर्की
(B) फारसी
(C) संस्कृत
(D) अरबी

36. 'राख' शब्द है [2024A]
(A) पुंलिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

37. 'मोती' शब्द क्या है? [2024A]
(A) पुंलिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

38. 'कवि' शब्द का स्त्रीलिंग शब्द क्या है? [2025A]
(A) कवियाईन
(B) कवियत्री
(C) कवयित्री
(D) कवियानी

39. 'तनुज' शब्द का स्त्रीलिंग शब्द क्या है? [2025A]
(A) तनुजिन
(B) तनुजा
(C) तनुजी
(D) तनजी

40. 'दौलत' शब्द कौन लिंग है? [2025A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

12th Arts

1. 'आम' शब्द है[2020A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

2. 'भवन' शब्द है(2020A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

3. 'नदी' शब्द है[2020A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

4. 'विवाह' शब्द है[2021A]
(A) स्त्रीलिंग

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

5. 'कवि' शब्द का स्त्रीलिंग रूप है (2024A, 2021A)
(A) कविति
(B) कवियिति
(C) कवयित्री
(D) कवयिती

6. 'गुस्सा' शब्द है [2021A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

7. 'अनुभव' शब्द है [2021A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

8. 'मनोविनोद' शब्द कौन लिंग है? (2021A]
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

9. 'सेना' शब्द है (2021A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

10. 'अदरख' शब्द है (2021A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

11. 'धर्म' शब्द है[2021A)
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

12. ' मुँह' शब्द लिंग है- [2025A, 2022A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) उभयलिंग
(C) पुल्लिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

13. 'सोना (धातु)' शब्द कौन लिंग है? (2022)
(A) स्त्रीलिंग
(B) तद्भव स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) पुल्लिंग

14. 'हलवाई' शब्द का स्त्रीलिंग रूप है- (2022A)
(A) हलविन
(B) हलुआइन
(C) हलुवानी
(D) हलवाइन

15. 'चंचल' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या है- [2022A)
(A) चंचली
(B) चंचला
(C) चचिल
(D) चंचलानी

16. 'सभा' शब्द क्या है? [2023A]
(A) स्त्रीलिंग
(B) पुल्लिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

17. 'जल' शब्द क्या है? [2023A]
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

18. 'देवता' शब्द क्या है? [2023A]
(A) पुल्लिंग
(B) स्त्रीलिंग
(C) उभयलिंग
(D) इनमें से कोई नहीं

19. 'नायक' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा? [2023A]
(A) नायिका
(B) नायकी
(C) नायाकी
(D) इनमें से कोई नहीं

20. 'गायक' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा? [2024A]
(A) गायकी
(B) गायिका
(C) गायिकी

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(D) गायन

21. 'पाठक' शब्द क्या है? [2024A]

(A) पुलिंग

(B) स्त्रीलिंग

(C) उभयलिंग

(D) इनमें से कोई नहीं

22. 'घी' शब्द क्या है? [2024A]

(A) स्त्रीलिंग

(B) पुलिंग

(C) उभयलिंग

(D) इनमें से कोई नहीं

23. 'आयु' शब्द क्या है? [2024A]

(A) पुलिंग

(B) स्त्रीलिंग

(C) उभयलिंग

(D) इनमें से कोई नहीं

24. 'मित्र' शब्द कौन लिंग है? (2025A)

(A) स्त्रीलिंग

(B) पुलिंग

(C) उभयलिंग

(D) इनमें से कोई नहीं

25. 'आयुष्मान' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या है? [2025A)

(A) आयुष्मानी

(B) आयुष्माईन

(C) आयुष्मिनी

(D) आयुष्मती

12th SCIENCE
मुहावरे

1. 'आकाश पाताल एक करना' मुहावरे का अर्थ है? (2021A)

(A) उत्पात करना

(B) अत्याचार करना

(C) निरन्तर अन्याय करना

(D) कठिन परिश्रम करना

2. 'मुट्ठी में करना' मुहावरे का अर्थ है-[2021A)

(A) भ्रम में रखना

(B) मनमानी करना

(C) वश में करना

(D) वश में न करना

3. 'आस्तीन का साँप होना' मुहावरे का अर्थ है-[2021A]

(A) साँप खोजना

(B) शत्रुता करना

(C) दोस्ती करना

(D) घर में छिपा शत्रु

4. 'हाथ का मैल होना' मुहावरे का अर्थ है-[2021A)

(A) गंदा होना

(B) कीमती होना

(C) तुच्छ होना

(D) सच होना

5. 'माथा ठनकना' मुहावरे का अर्थ है- [2021A]

(A) कठिन होना

(B) झटका लगना

(C) आशंका होना

(D) चिंता होना

6. 'तूती बोलना' मुहावरे का अर्थ है-[2021A,2024A)

(A) बदल जाना

(B) धाक जमना

(C) दुःखी होना

(D) आवाज बिगड़ जाना

7. 'उल्टी गंगा बहना' मुहावरे का अर्थ है- [2011A, 2021A]

(A) लांछन लगाना

(B) विचलित होना

(C) विपरीत कार्य करना

(D) रहस्य होना

8. 'सब धान बाईस पसेरी' मुहावरे का अर्थ है- [2020A]

(A) बहुत सस्ता होना

(B) बाईस पसेरी अनाज

(C) बहुत महंगा होना

(D) अच्छा बुरा सबको एक समझना

9. 'चूँ न करना' मुहावरे का अर्थ है-[2020A]

(A) आवाज नहीं करना

(B) नहीं बोलना

(C) सह जाना

(D) व्यर्थ निंदा करना

10. 'दाँत गिनना' मुहावरे का अर्थ है-[2020A]

(A) उम्र पता लगाना

(B) दाँत की गिनती करना

(C) चकित होना

(D) लज्जित होना

11. 'घुटने टेकना' मुहावरे का अर्थ है-[2019A]

(A) हार मानना
(B) योगा करना
(C) अभिवादन करना
(D) लज्जित होना

12. 'खून-पसीना एक करना' मुहावरे का अर्थ है-[2019A]
(A) युद्ध करना
(B) बहुत परिश्रम करना
(C) उल्टा काम करना
(D) बहुत क्रोधित होना

13. 'आपे से बाहर होना' मुहावरे का अर्थ है- [2019A]
(A) घर से बाहर हो जाना
(B) भला-बुरा न समझना
(C) बहुत क्रोधित होना
(D) व्यर्थ की बातें करना

14. 'अक्ल का अन्धा' मुहावरे का अर्थ है- [2019A]
(A) दृष्टिहीन होना
(B) मूर्ख होना
(C) चालाक होना
(D) इनमें से कोई नहीं

15. 'अपना उल्लू सीधा करना' मुहावरे का अर्थ है-[2019A]
(A) चापलूसी करना
(B) अपना काम निकालना
(C) चालाकी करना
(D) मूर्ख बनाना

16. 'अपने पैरों पर खड़ा होना' मुहावरे का अर्थ है[2018A]
(A) दूर जाना
(B) स्वावलंबी होना
(C) प्रिय होना
(D) सुन्दर होना

17. 'आसमान टूटना' मुहावरे का अर्थ है-[2018A]
(A) कष्ट होना
(B) अचानक मुसीबत आना
(C) दुर्लभ होना
(D) दुखी होना

18. 'घाट-घाट का पानी पीना' मुहावरे का अर्थ है-[2018A
(A) प्यास लगना
(B) बहुत अनुभवी होना
(C) मूर्ख होना
(D) अनपढ़ होना

19. 'त्राहि-त्राहि करना' मुहावरे का अर्थ है-[2018A]
(A) बहुत दुखी
(B) रोना
(C) नाराज होना
(D) क्रोध करना

20. 'शिकार होना' मुहावरे का अर्थ है-[2015A]
(A) मृत
(B) मारा जाना
(C) मजबूत
(D) शिकार करना

21. 'शिकार करना' मुहावरे का अर्थ है-[2015A]
(A) मृत
(B) जीवित
(C) मारना
(D) जिलाना

22. 'सिर धुनना' मुहावरे का अर्थ है-[2015A]
(A) सिर चकराना
(B) सिर फूटना
(C) खुश होना
(D) पछताना

23. 'कंधा लगाना' मुहावरे का अर्थ है [2015A]
(A) सहारा देना
(B) कंधे पर चोट लगना
(C) कंधा मजबूत होना
(D) कंधा टूटना

24. 'गला छूटना' मुहावरे का अर्थ है-[2015A]
(A) गला कटना
(B) पिण्ड छूटना
(C) गला पकड़ना
(D) गला फँसना

25. 'चाँदी काटना' मुहावरे का अर्थ है- [2015A]
(A) चाँदी के टुकड़े टुकड़े करना
(B) चाँदी चमकना
(C) आराम से दिन बिताना
(D) सभी चमकने वाले धातु चाँदी नहीं होते

26. 'चाँदी के जूते मारना' मुहावरे का अर्थ है-[2015A]
(A) धातु से मारना
(B) जूते के मरम्मत करना
(C) आदमी की मरम्मत करना
(D) काम निकालने के लिए भारी रिश्वत देना

27. 'नौ-दो ग्यारह होना' मुहावरे का अर्थ है[2014A]
(A) भाग जाना
(B) चले आना

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) चले जाना
(D) ऐसा होता ही है

28. 'मुँह काला करना' मुहावरे का अर्थ है- [2014A]
(A) कोलटार पोतना
(B) व्यभिचार करना
(C) अपराधी
(D) साबुन लगाकर साफ नहीं करना

29. 'किताब का कीड़ा होना' मुहावरे का अर्थ है-[2014]
(A) दीमक लगना
(B) दीयाँ लगना
(C) पढ़ने के अतिरिक्त कुछ न करना
(D) किताब सड़ जाना

30. 'खून-पसीना एक करना' मुहावरे का अर्थ है-[2014]
(A) पसीना में खून मिल जाना
(B) मारा-पीटी करना
(C) अधिक प्यार करना
(D) कठिन परिश्रम करना

31. 'हाथ मलना' मुहावरे का अर्थ है-[2014A)
(A) पछताना
(B) कोयला में साबुन लगाना
(C) रुपया हाथ का मैल है
(D) हाथ साफ सुथरा करना

32. 'सिर चढ़ाना' मुहावरे का अर्थ है- [2014]
(A) सिर पर बैठाकर बच्चा घुमाना
(B) शोख करना
(C) सिर पर वजन ढोना
(D) बच्चे की पिटाई करना

33. 'नाक कट जाना' मुहावरे का अर्थ है-[2014]
(A) नाक से खून बहना
(B) नकदी का अभाव होना
(C) प्रतिष्ठा नष्ट हो जाना
(D) नाक नोचा जाना

34. 'श्री गणेश करना' मुहावरे का अर्थ है[2014]
(A) गणेशजी की पूजा करना
(B) श्री गणेशाय नमः
(C) ॐ गं गणपत्यै नमः
(D) प्रारम्भ करना

35. 'अंधे की लकड़ी होना' मुहावरे का अर्थ है-[2012A, 2013A]
(A) सहारा होना
(B) लकड़ी का डंडा
(C) निशानदार डंडा
(D) डंडा

36. 'घड़ों पानी पड़ना' मुहावरे का अर्थ है [2012A, 2013A]
(A) घड़ा से पानी पीना
(B) अत्यन्त लज्जित होना
(C) घड़ा फूट जाना
(D) पनिहारिन

37. 'दाल न गलना' का अर्थ है-[2012A, 2013A]
(A) वंशवृद्धि रुक जाना
(B) बाँझ वंश
(C) वश न चलना
(D) बस न चलना

38. 'पट्टी पढ़ाना' मुहावरे का अर्थ है[2012A, 2013A]
(A) लकड़ी के पट्ट पर पढ़ना
(B) खड़िया से पट्ट पर लिखना
(C) चालाक बनाना
(D) बेवकूफ बनाना

39. 'मुट्ठी गरम करना' मुहावरे का अर्थ है- [2012A, 2013A]
(A) घूस देना
(B) हथेली रगड़ना
(C) मुट्ठी में पैसा होना
(D) मुट्ठी खाली होना

40. 'नाक का बाल होना, मुहावरे का अर्थ है-[2012A, 2013A]
(A) नाक के कुछ बाल
(B) बहुत प्रिय होना
(C) बाल दुखना
(D) बाल सफा तेल

41. 'खाक छानना' मुहावरे का अर्थ है[2012A,2013A]
(A) कुछ न मिलना
(B) क्षार मिलना
(C) बहुत खोजना
(D) छानकर चाय पीना

42. 'कलेजा फटना' मुहावरे का अर्थ है-[2012A, 2013A)
(A) बर्दाश्त करना
(B) सहना
(C) हृदय की बीमारी
(D) बर्दाश्त न होना

43. 'अक्ल पर पत्थर पड़ना' मुहावरे का अर्थ है- [2011]

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(A) सिर में चोट लगना
(B) कश्मीर में पत्थरबाजी
(C) चालाकी से काम निकालना
(D) बुद्धि से काम न लेना

44. 'कलेजे पर साँप लोटना' मुहावरे का अर्थ है- [2011A]
(A) साँप काट लेना
(B) जहरीला साँप
(C) ईर्ष्या से जल उठना
(D) खुशी हो उठना

45. 'गुदड़ी का लाल' मुहावरे का अर्थ है-[2011]
(A) साधारण घर में जन्मा हुआ असाधारण गुणी
(B) फटा-चिथरा कपड़ा
(D) हीरा
(C) मूल्यवान पत्थर

46. 'चिराग तले अंधेरा' मुहावरे का अर्थ है- [2011]
(A) ढिबरी के नीचे अँधेरा
(B) बल्ब के ऊपर अँधेरा
(C) तेल न रहने पर अँधेरा हो जाना
(D) अपनी बुराई न दिखाई देना

47. 'पौ बारह होना' मुहावरे का अर्थ है-[2011]
(A) सबेरा होना
(B) शाम होना
(C) लाभ ही लाभ होना
(D) हारना

48. 'आँख के अंधे गाँठ के पूरे' मुहावरे का अर्थ है-[2011A]
(A) धनी पर मूर्ख
(B) अंधे के पास न होना
(C) अंधे का मूर्ख रह जाना
(D) अंधे का त्रिनेत्र बंद होना

49. 'अंगारों पर लोटना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2022A]
(A) चाल चलना
(B) याचना करना
(C) धोखा देना
(D) ईर्ष्या से व्याकुल होना

50. 'कोसों दूर भागना' मुहावरे का अर्थ क्या है? (2022A)
(A) बहुत अलग रहना
(B) बराबर मानना
(C) विघ्न आना
(D) संतोष आना

51. 'आँखों का तारा होना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2023A]
(A) प्रिय होना
(B) अप्रिय होना
(C) मित्र होना
(D) शत्रु होना

52. 'चुटकी लेना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2023A]
(A) हँसी उड़ाना
(B) नीच समझना
(C) संकेत करना
(D) दुखी करना

53. 'तीर मारना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2023A)
(A) बड़ा कार्य करना
(B) धन कमाना
(C) शिकार करना
(D) सफलता पाना

54. 'दिल छोटा करना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2023A]
(A) कृपण होना
(B) संतप्त होना
(C) हतोत्साहित होना
(D) अप्रसन्न होना

55. 'दिन दूना रात चौगुना' मुहावरे का अर्थ है [2024A]
(A) खूब उन्नति
(B) खूब अवनति
(C) पतन
(D) दिशाहीन

56. 'पगड़ी रखना'- मुहावरे का अर्थ है [2024A]
(A) गर्मी होना
(B) सिर खुजलाना
(C) इज्जत बचाना
(D) इज्जत उतारना

57. 'नाच नचाना' मुहावरे का अर्थ है [2024A]
(A) मान करना
(B) तंग करना
(C) नृत्य करना
(D) शिष्ठ होना

58. 'घर बसाना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2025A]
(A) विवाह करना
(B) भटकना
(C) घर बेचना
(D) सह जाना

59. 'घोड़े बेचकर सोना' मुहावरे का अर्थ क्या होगा? [2025A]

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(A) खत्म होना
(B) लज्जित होना
(C) वीरगति पाना
(D) बेफिक्र होना

12th ARTS
मुहावरे

1. 'अंटी मारना' मुहावरे का अर्थ है-
(A) शिकायत करना
(B) चाल चलना
(C) घृणा करना
(D) प्रेम करना

2. 'ईंट से ईट बजाना' मुहावरे का अर्थ है-[2018A]
(A) अनहोनी होना
(B) विनाश करना
(C) विकास करना
(D) लड़ाई करना

3. 'खिल्ली उड़ाना' मुहावरे का अर्थ है-[2018A]
(A) व्यंग्य करना
(B) जलना
(C) घृणा करना
(D) ईर्ष्या करना

4. 'दाने-दाने को तरसना' मुहावरे का अर्थ क्या हैं? [2018A]
(A) भुखमरी की स्थिति
(B) कंजूस होना
(C) लाचार होना
(D) इनमें से कोई नहीं

5. 'नाक कटना' मुहावरे का अर्थ है-[2019A]
(A) अपमानित होना
(B) कमजोर होना
(C) निर्धन होना
(D) गुस्सा होना

6. 'सब्जबाग दिखाना' मुहावरे का अर्थ है- [2019A]
(A) झूठ बोलकर ठगना
(B) लालच देना
(C) डराना
(D) व्यर्थ की बातें करना

7. 'गाल बजाना' मुहावरे का अर्थ है-[2025A 2018A,2019A]
(A) डींग हाँकना
(B) घबरा जाना
(C) गायब होना
(D) इनमें से कोई नहीं

8. 'अंधे की लकड़ी' मुहावरे का अर्थ है (2020A]
(A) एकमात्र सहारा
(B) बिल्कुल असहाय होना
(C) लकड़ी के सहारे चलना
(D) कमजोर होना

9. 'काठ मारना' मुहावरे का अर्थ है[2020A]
(A) स्तब्ध रहना
(B) चोट लगना
(C) हताश होना
(D) इनमें से कोई नहीं

10. 'ईद का चाँद होना' मुहावरे का अर्थ है[2020A)
(A) नहीं आना
(B) गायब हो जाना
(C) बहुत दिनों पर दीखना
(D) परेशान होना

11. 'गला छूटना' मुहावरे का अर्थ है[2021A)
(A) डींग हाँकना
(B) भटकना
(C) पिंड छूटना
(D) परेशान करना

12. 'खून-पसीना एक करना' मुहावरे का अर्थ है[2021A]
(A) खून बहाना
(B) पसीना बहाना
(C) कठिन परिश्रम करना
(D) क्रोध दबाना

13. 'गूलर का फूल होना' मुहावरे का अर्थ है [2024, 2021A)
(A) गूलर लगाना
(B) फूल लाना
(C) चमकदार होना
(D) लापता होना

14. 'बात बनाना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2024]
(A) बहाना करना
(B) बहस छिड़ना
(C) बोलने से रोकना
(D) विरोध में खड़ा होना

15. 'घर का न घाट का' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2022A]
(A) मौका ताकना
(B) जवाब न देना

(C) कहीं का नहीं
(D) क्षमा करना
16. 'पीठ दिखाना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
(A) हारकर भाग जाना
(B) हरा देना
(C) साथ देना
(D) पराजित होना
17. 'लाल-पीला होना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2023A]
(A) क्रोध करना
(B) तेवर बदलना
(C) रंग बदलना
(D) मुद्राएँ बनाना
18. 'लोहे के चने चबाना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2023A]
(A) सुदृढ़ बनाना
(B) कठिन परिश्रम करना
(C) कठिनाई में फँसना
(D) अधीनता स्वीकार करना
19. 'कोसों दूर भागना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2024A)
(A) बहुत अलग रहना
(B) बराबर मानना
(C) विघ्न आना
(D) संतोष होना
20. 'हाथ का मैल होना' मुहावरे का अर्थ क्या है? [2024A]
(A) गंदा होना
(B) कीमती होना
(C) सच होना
(D) तुच्छ होना

10th

1. 'हाथ साफ करना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?
(A) हाथ धोना
(B) सफाई करना
(C) चोरी करना
(D) गंदगी फैलाना
2. 'हाथ खाली होना' मुहावरे का अर्थ है-
(A) कुछ नहीं मिलना
(B) हाथ से पैसा गिर जाना
(C) पास पैसा न होना
(D) गरीब होना
3. 'कमर कसना' मुहावरे का अर्थ है-
(A) कमर को बांधना
(B) तैयार होना
(C) बहुत परिश्रम करना
(D) खड़ा होना
4. गुदड़ी का लाल' मुहावरे का अर्थ है-
(A) लाल रंग की गुदड़ी
(B) गरीब के घर में गुणवान का उत्पन्न होना
(C) गुदड़ी में बालक को सुलाना
(D) लाल गुदड़ी बनाना
5. दांत काटी रोही मुहावरे का अर्थ हैं-
(A) बोलने से रोकता
(B) प्रत्यक्ष होता
(C) उदास होना
(D) गहरी दोस्ती
6. अधों में काना राजा लोकोक्ति का अर्थ है
(A) मूर्खों में कुछ पड़ा-लिखा व्यक्ति
(B) पीछा छोड़ना
(C) प्रतिवाद करला
(D) केवल बाहय प्रदर्शन
7. 'भानुमती का पिटारा' मुहावरे का क्या अर्थ है?
(A) भानुमती की अटैची
(B) अनावश्यक वस्तुओं का भंडार
(C) भानुमती की सम्पत्ति
(D) भानुमती का गुल्लक
8. 'नाच न जाने आंगन देढा लोकोक्ति का क्या अर्थ 2021A)
(A) पीछा न छोड़ना
(B) हानि पहुँचाना
(C) काम न जानना और बहाना बनाना
(D) मूर्ख व्यक्ति
9. 'अक्ल पर पत्थर पड़ना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?
(A) प्रतिभावान होना
(B) बुद्धिमान होना
(C) बुद्धि का उपयोग करना
(D) बुद्धि भ्रष्ट होना
10. आग में घी डालना
(A) आग जलाना
(B) हवन करना
(C) आग बुझाना
(D) क्रोध भड़काना
11. कलेजा मुँह को आना-

(A) मितली आना
(B) बहुत घबरा जाना
(C) बहुत दुःखी होना
(D) कलेजा मुँह में आना

12. मुट्ठी गर्म करना-
(A) रिश्वत देना
(B) हाथ सेंकना
(C) घूंसा मारना
(D) हाथ मिलाना

13. 'अकेला दम' मुहावरे का क्या अर्थ है? (2021All]
(A) चाल चलना
(B) याचना करना
(C) धोखा देना
(D) अकेला

14. 'आगे नाथ न पीछे पगहा' लोकोक्ति का क्या अर्थ है?
[2021AII
(A) मूर्ख धनवान
(B) पीछा न छोड़ना
(C) काम न जानना
(D) किसी तरह की जिम्मेवारी का न होना

15. 'दूध के दाँत न टूटना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
[2021A11]
(A) अनुभवहीन
(B) दाँत न टूटना
(C) दाँत जमना
(D) दाँत टूटना

16. 'कुआँ खोदना' मुहावरे का अर्थ है
(A) बेफिक्र होना
(B) खूब याद रखना
(C) हानि पहुँचाने का यत्न करना
(D) सह जाना

17. 'एक पंथ दी काज'-मुहावरे का अर्थ क्या है?
(A) अनेक कार्य करना
(B) क्या करें क्या करें सोचना
(C) एक कार्य से दो लाभ होता
(D) अपना काम निकालगा

18. 'आँखें चार होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
(A) नजर बचाना
(B) आमने-सामने होगा
(C) उदासीन हो जाना
(D) धाक जमाना

19. 'कुचे की मौत मरना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
(A) बहुत अलग रहना
(B) बराबर मानना
(C) बाधा दूर होना
(D) बुरी तरह मरना

20. नौ दो ग्यारह होना मुहावरा किस अर्थ में प्रयुक्त होता है?
(A) वहीं खड़े रहना
(B) भाग जाना
(C) शक्तिशाली बनना
(D) दुर्बल बनना

21. डंके की चोट पर कहना मुहावरे का अर्थ बताई।
(A) शोर-शराबा करना
(B) अस्वाभाविक बातें करना
(C) सबके सामने घोषित करना
(D) ऊँचे स्वर में चिल्लाना

22. अपना सिक्का जमाना मुहावरे का अर्थ बतायें।
(A) किसी को धौंस दिखाना
(B) लोगों को आकर्षित करना
(C) प्रशासनिक कार्य कुशल होना
(D) अपना प्रभुत्व स्थापित करना

23. 'नाक का बाल होना मुहावरे का सही अर्थ क्या
(A) बहुत प्यारा होना
(B) नाक में बाल होना
(C) छींक आना
(D) सर्दी होना

24. ऊँट के मुँह में जीरा का अर्थ है-
(A) ऊँट को जीरा खिलाना
(B) ऊँट को बहुत खिलाना
(C) बहुत थोड़ा
(D) ऊँट को भूखे रखना

25. आँखें खुलना मुहावरा का सही अर्थ है-
(A) नींद खुलना
(B) साफ-साफ दिखाई देना
(C) सावधान होना
(D) ध्यान देना

26.जैसी करनी वैसी.....
(A) तरनी
(B) भरनी
(C) मरनी
(D) करनी

27.जहाँ चाह वहाँ.....

(A) राह
(B) घर
(C) काम
(D) राम

28.घर का भेदी..... ढाए।
(A) कहर
(B) लंका
(C) दीवार
(D) अयोध्या

29.आँखों का तारा' का सही अर्थ है
(A) बहुत सुन्दर होना
(B) आँखों के बीच का भाग
(C) बहुत प्यारा
(D) तारा देखना

30.'हाथ का मेल' मुहावरा का सही अर्थ है?
(A) हाथ का गंदा होना
(B) हाथ में पसीना आना
(C) तुच्छ समझना
(D) किसी काम को आसानी से करना

31.'चापलूसी करना' किस मुहावरे का अर्थ है?
(A) हाथ का मैल
(B) तलवा चाटना
(C) कान फूंकना
(D) पौ बारह होना

32.'कमर टूटना' मुहावरा का सही अर्थ है
(A) चोट लगना
(B) चलने फिरने से लाचार होना
(C) काम बिगड़ना
(D) बेसहारा होना।

33.'चले न आवे अँगनवाँ टेड़' लोकोक्ति का सही अर्थ क्या है?
(A) चलने की कला नहीं आना
(B) अपनी गलती दूसरों पर इल्जाम
(C) गलती किसी की दंड किसी को
(D) इनमें कोई नहीं

34.'जहाँ चाह वहाँ राह' लोकोक्ति का क्या अर्थ है?
(A) चाह के अनुसार राह होती है
(B) राह के अनुसार चाह होती है
(C) इच्छा के अनुरूप रास्ता मिलता है
(D) इच्छा के खिलाफ रास्ता बनता है

35.लोहा मानना मुहावरा का अर्थ है-
(A) शक्तिशाली होना
(B) बुद्धिमान होना
(C) हार मानना
(D) श्रेष्ठता स्वीकारना

36. 'कान भरना' मुहावरा का अर्थ है-
(A) गोपनीय बात बताना
(B) सावधान करना
(C) संकेत को समझाना
(D) चुगली करना

37.'उगल देना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
(A) चैन मिलना
(B) संतोष होना
(C) गुप्त बात प्रकट करना
(D) बहुत अलग रहना

38.'चिराग तले अंधेरा' लोकोक्ति का अर्थ क्या है?
(A) डींग हाँकना
(B) अपनी बुराई नहीं दिखती
(C) मूर्ख धनवान
(D) दोहरा लाभ

39. 'अपना किया पाना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
(A) कर्म का फल भोगना
(B) शर्मिंदा होना
(C) स्वस्थ रहता
(D) विष्न गाना

40. 'फूंक-फूंककर पैर रखना' का अर्थ है-
(A) अंगारों पर चलना
(B) धीरे-धीरे चलना
(C) सोच-विचार कर काम करना
(D) आलसी होना

41. 'घर की मुर्गी दाल बराबर' कहावत का अर्थ है
(A) घर में मुर्गी पालना
(B) मुर्गी को दाल खिलाना
(C) अपने आदमी को कम महत्व देना
(D) इनमें से कोई नहीं

42. 'अधजल गगरी छलकत जाय' एक प्रसिद्ध
(A) मुहावरा
(B) कहावत
(C) कहानी
(D) इनमें से कोई नहीं

43. 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' एक प्रसिद्ध
(A) लोकोक्ति
(B) मुहावरा

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) सामासिक पद
(D) इनमें से कोई नहीं

44. 'अपनी प्रशंसा आप करना' के लिए सही मुहावरा
(A) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना
(B) अपने सिर लेना
(C) अपने पाँव पर खड़ा होना
(D) अपने तक रखना

45. 'डॉग शौकना' के लिए सही मुहावरा है-
(A) गले का हार
(B) खुशामद करना
(C) गाल बजाना
(D) कान देना

46. लोहे के चने चवाना मुहावरे अर्थत
(A) आसानी से काम होना
(B) लोहे में बना चना खाना
(C) कठिन परिश्रम करता
(D) चने पर लोहे का फनी चढ़ाना

47. कलम तोड़ना मुहावरे का अर्थ बतायें।
(A) सही न लिखना
(B) अच्छा लिखना
(C) ज्यादा लिखना
(D) बेकार लिखकर प्रायश्चित करना

48. 'मुँह की खाना' मुहावरे का अर्थ बतावें।
(A) बातूनी होना
(B) अपमानित होना
(C) अभिनन्दित होना
(D) पराजित डोना

49. रोटियाँ तोड़ना मुहावरे का अर्थ बतायें।
(A). बिना मेहनत किये खाना
(B) असन्तुष्ट करना
(C) भरपेट खाना
(D) कौर छोटा करना

50. टेढ़ी खीर मुहावरे का अर्थ बतावें।
(A) दुष्कर कार्य
(B) दुर्लभ कार्य
(C) सुलभ कार्य
(D) असम्भव कार्य

51. पेट काटना का अर्थ है-
(A) भूखे रहना
(B) पेट का ऑपरेशन होना
(C) खर्च में कटौती करना
(D) किसी को भोजन नहीं कराना

52. चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना' मुहावरे का अर्थ क्या?
(A) घबराना
(B) बही कोशिश करना
(C) अधिक घमंड करना
(D) अपमानजनक बात करना

53. 'काला अक्षर भैंस बराबर' लोकोक्ति का सहाँ अर्थ क्या है?
(A) खूब लाभ होना
(B) निरक्षर
(C) तंग करना
(D) श्रेष्ठ समझना

54. 'खून-पसीना एक करना' मुहावरे का अर्थ है
(A) जख्मी होना
(B) आलसी होना
(C) कठिन परिश्रम करना
(D) गिर पड़ना

55. 'अपना उल्लू सीधा करना' मुहावरा का अर्थ...
(A) उल्लू पालना
(B) उल्लू को सीधा करना
(C) अपना काम निकालना
(D) उल्लू का इलाज करना

56, 'गर्दन पर सवार होना' मुहावरे का अर्थ है
(A) प्रतिवाद करना
(B) पीछा न छोड़ना
(C) हानि पहुंचाना
(D) पागल हो जाता

57. 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात' लोकोक्ति का अर्थ है
(A) काम न जानना और बहाना बनाना
(B) अपनी बुराई नहीं दिखती
(C) होनहार के लक्षण पहले से ही दिखाई पड़ने लगते हैं
(D) काम करने पर उतारू होना

58. 'गुड़ खाकर गुलगुले से परहेज लोकोक्ति का अर्थ है
(A) नाम बड़ा और काम छोटा
(B) सामूहिक चेतना का अभाव
(C) दिखावटी संयम
(D) अकेले बड़ा काम संभव नहीं होता

59. 'सिर पर भूत सवार होना' मुहावरे का अर्थ है
(A) धुन सवार होना
(B) सिर में दर्द होना
(C) पागल हो जाना

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(D) भूत के साथ रहना

संधि

❖ दो वर्णों के मेल को संधि कहते हैं। अथवा दो वर्णों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है उसे संधि कहते हैं।

जैसे- देव + आलय = देवालय
गणा + ईश = गणेश
अति + अंत = अत्यंत
सूर्य + उदय = सुर्योदय
अनु + अय = अन्वय

❖ संधि के तीन भेद होते हैं।

1. स्वर संधि
2. व्यंजन संधि
3. विसर्ग संधि

1. स्वर संधि

❖ स्वर, स्वरों के मेल से से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं। जैसे:-

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी
शिक्षा + आलय = शिक्षालय
विधा + आलय = विद्यालय
रत्न + आकार = रत्नाकार
देव + ईश = देवेश
महा + ऋषि = महर्षि
देव + ऋषि = देवर्षि
अति + आवश्यकम् = अत्यावश्यकम्

❖ स्वर संधि के पाँच भेद हैं-

i. दीर्घ संधि
ii. गुण संधि
iii. वृद्धि संधि
iv. यण संधि
v. अयादि संधि

(i) दीर्घ संधि:- दो समान स्वर मिलकर दीर्घ (बड़ा) हो जाता है।

- अ + अ = आ → राम + अवतार = रामावतार
  अ + आ = आ → पुस्तक + आलय = पुस्तकालय
  आ + अ = आ → शिक्षा + अर्थी = शिक्षार्थी
  आ + आ = आ → विद्या + आलय = विद्यालय

- ई + ई = ई → नदी + ईश = नदीश
  इ + इ = ई → गिरि + इन्द्र = गिरीन्द्र
  ई + इ = ई → मही + इन्द्र = महीन्द्र
  इ + ई = ई → गिरि + ईश = गिरीश

- उ + उ = ऊ → विधु + उदय = विधूदय
  ऊ + उ = ऊ → भानू + उदय = भानूदय

- ऋ + ऋ = ऋ → पितृ + ऋणम् = पितृणम्

(ii) गुण संधि :- यदि "अ या आ" के बाद इ या ई रहे तो ए हो जाता है।, "उ या ऊ" रहे तो ओ हो जाता है। और "ऋ या ॠ" रहे तो अर् हो जाता है। अर्थात्

अ/आ + इ/ई = ए
अ/आ + उ/ऊ = ओ
अ/आ + ऋ/ॠ = अर्

जैसे - गणा + ईश = गणेश
नर + इन्द्र = नरेंद्र
महा + उदय = महोदय
सूर्य + उदय = सूर्योदय
महा + ऋषि = महर्षि
देव + ऋषि = देवर्षि

(iii) वृद्धि संधि :- यदि "अ या आ" के बाद "ए या ऐ" रहे तो ऐ हो जाता है और "ओ या औ" रहे तो औ हो जाता है। अर्थात्

अ/ आ + ए/ऐ = ऐ
अ/आ + ओ/औ = औ

जैसे - एक + एक = एकैक
सदा + एव = सदैव
तथा + एव = तथैव
जल + ओध = जलौध
महा + ओज = महौज
महा + ओषधि = महौषधि

(iv) यण संधि :- इसमें इ को य में , उ को व , लृ को ल में और ऋ को र में बदला जाता है।

इ + अ आ उ ऊ ए ऐ ओ औ अं
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓
य या यु यू ये यै यो यौ यं

उ + अ आ इ ई ए ऐ ओ औ अं
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓
व वा वि वी वे वै वो वौ वं

ऋ + अ आ इ ई उ ऊ ए ऐ ओ औ अं
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓
र रा रि री रू रु रे रै रो रौ रं

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

जैसे - अति + आचार = अत्याचार
अति + अंत = अत्यंत
सु + आगतम् = स्वागतम्
मधु + आलय = मध्वाल
अनु + अय = अन्वय
गुरु + आदेश = गुर्वादेश
भू + आदि = भ्वादि
पितृ + आदेश = पित्रादेश
मातृ + आज्ञा = मात्राज्ञा
पितृ + आलय = पित्रालय
पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा
मातृ + उपदेश = मात्रुपदेश

(v) अयादि संधि :- यदि ए, ओ, ऐ, औ के बाद कोई भिन्न स्वर आये तो, ए का अय, ओ का अव ऐ का आय और औ का आव हो जाता है। अर्थात्

ए + अ = अय → शे + अन = शयन
ओ + अ = अव → पो + अन = पवन
ऐ + अ = आय → गै + अक = गायक
ऐ + इ = आयि → गै + इका = गायिका
औ + अ = आव → पौ + अक = पावक
औ + इ = आवि → नौ + इक = नाविक

2. व्यंजन संधि

❖ स्वर और व्यंजनों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं। जैसे-
वक् + ईश = वागीश
वाक् + दान = वाग्दान
जगत + अम्बा = जगदम्बा

नियम (i) :- किसी भी वर्ग के पहले वर्ण का तीसरा वर्ण में बदल जाता है। अर्थात्

1 = 3
क् = ग्
च् = ज्
ट् = ड्
त् = द्
प् = ब्

जैसे- वक् + ईश = वागीश
वाक् + दान = वाग्दान
जगत् + अम्बा = जगदम्बा
जगत् + ईश = जगदीश

नोट- यदि दूसरे खंड का पहला वर्ण म या न रहे तो पहला वर्ण पाँचवा वर्ण में बदल जाता है। जैसे-
उत् + नति = उन्नति
जगत् + नाथ = जगन्नाथ
वाक् + मय = वाङ्मय
उत् + नयन = उन्नयन

(ii) त संबधी नियम : - यदि पूर्व वर्ण त वर्ग हो और उसके बाद च वर्ग और ल् हो तो, त वर्ग भी हुबहू उसी वर्ण में बदल जाता है इसे परसवर्ण व्यंजन वर्ण भी कहते हैं। जैसे-
उत् + लेख = उल्लेख
तत् + लय = तल्लय
तत् + लीन = तल्लीन
महान् + लाभ = महाँल्लाभ
उत् + चारण = उच्चारण
सत् + चरित्र = सच्चरित्र
उत् + लेखन = उल्लेखन
उत् + लाश = उल्लाश
सत् + जन = सज्जन
उत् + ज्वल = उज्जवल
उत् + श्वास = उच्छवास

(iii) म संबंधी नियम : - इसमें पहले खंड के अंत वाले म् का अनुस्वार हो जाता है। जैसे-
सम् + कल्प = संकल्प
सम् + तुष्ट = संतुष्ट
सम् + बंध = संबंध
सम् + जीवनी = संजीवनी
सम् + गीत = संगीत
सम् + देश = संदेश
अहम् + कार = अहंकार
सम् + चार = संचार
सम् + तोष = संतोष
सम् + भाव = संभव
सम् + जय = संजय
सम् + पूर्ण = संपुर्ण
सम् + गति = संगती
सम् + यम = संयम
सम् + रक्षण = संरक्षण
सम् + सार = संसार
सम् + सद = संसद

सम् + वहन = संवहन
सम् + रक्षक = संरक्षक
सम् + सोधन = संसोधन
सम् + युक्त = संयुक्त
सम् + ध्या = संध्या

3. विसर्ग संधि

❖ इसके प्रथम खण्ड में विसर्ग लगा होता है। जैसे-

निः + बल = निर्बल
दुः + बल = दुर्बल
सरः + ज = सरोज

❖ प्रथम नियम :- विसर्ग का "ओ" में परिवर्तन –

विसर्ग (:) → ओ

तपः + बल = तपोबल
मनः + विकार = मनोविकार
सरः + ज = सरोज
मनः + ज = मनोज
मनः + रथ = मनोरथ
यशः + दा = यशोदा
मनः + हर = मनोहर
मनः + बल = मनोबल
मनः + रंजन = मनोरंजन

❖ दूसरा नियम :- विसर्ग का र् में परिवर्तन- यदि विसर्ग संधि पहले खण्ड में इ या उ रहे तो विसर्ग (:) को र् में बदला जाता है। अर्थात्

विसर्ग (:) → र्

निः + धन = निर्धन
निः + यात = निर्यात
निः + दय = निर्दय
निः + भय = निर्भय
निः + आशा = निराशा
निः + जन = निर्जन
निः + गुण = निर्गुण
निः + बल = निर्बल
निः + धन = निर्धन
आशीः + वाद = आशीर्वाद
दुः + उपयोग = दरूपयोग
दुः + भाग्य = दुर्भाग्य
दुः + आशा = दुराशा
दुः + आचरण = दुराचरण
दुः + बल = दुर्बल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'सदैव' का संधि-विच्छेद है-
(A) सद + एव
(B) सत् + एव
(C) सदा + एव
(D) सद् + एव

2. 'सूक्ति' शब्द का संधि-विच्छेद है-
(A) स + उक्ति
(B) सु + उक्ति
(C) सू + उक्ति
(D) सू + ऊक्ति

3. 'वर्ण' के आधार पर संधि के कितने भेद होते हैं?
(A) दो
(B) तीन
(C) चार
(D) पाँच

4. 'संवत्' का संधि-विच्छेद है-
(A) सम् + वत्
(B) सं + वत
(C) स् + मवत
(D) सन् + वत

5. 'अन्याय' शब्द का संधि-विच्छेद है-
(A) अन्या + य
(B) अन्य + अन्य
(C) अ + न्याय
(D) अन्या यय

6. 'निस्तार' शब्द का संधि-विच्छेद है-
(A) निस + तार
(B) निस्ता + र
(C) निः + तार
(D) निस् + तार

7. 'जगदीश' का संधि-विच्छेद है
(A) जग + दीश
(B) जगत् + ईश
(C) जग + ईश
(D) जगती + श

8. 'स्वागत' का संधि-विच्छेद है-
(A) सः + आगत
(B) सु + आगत
(C) स्व + आगत

(D) सू + आगत

9. 'रामायण' का संधि-विच्छेद है-

(A) राम + अयन

(B) राम + आयण

(C) रामा + यन

(D) राम + आयन

10. 'रवीन्द्र' का संधि-विच्छेद है-

(A) रवि + इन्द्र

(B) रवि + ईन्द्र

(C) रव + इन्द्र

(D) रवि + ऐन्द्र

11. 'मन्वन्तर' का संधि-विच्छेद है-

(A) मनु + अन्तर

(B) मनु + वन्तर

(C) मन्व + तर

(D) मन + अंतर

12. 'षडदर्शन' का संधि-विच्छेद है-

(A) षट + दर्शन

(B) षट् + दर्शन

(C) षड + दर्शन

(D) षड् + दर्शन

13. 'जगदम्बा' का संधि-विच्छेद है-

(A) जग + अम्बा

(B) जगत् + अम्बा

(C) जगत + अम्बा

(D) जगत + अंब

14. 'पावक' का संधि-विच्छेद है-

(A) पो + अक

(B) पौ + अक

(C) प + आवक

(D) पा + अक

15. 'उच्चारण' का संधि-विच्छेद है-

(A) उत् + चारण

(B) उच्च चारण

(C) उच् + चारण

(D) उत चारण

16. 'अधरोष्ठ' का संधि-विच्छेद है-

(A) अघः + ओष्ठ

(B) अधर + ओष्ठ

(C) अध + ओष्ठ

(D) अघर + ओष्ठ

17. 'तमोगुण' का संधि-विच्छेद है-

(A) तमः + गुण

(B) तम + अवगुण

(C) तमो + गुण

(D) तम + गुण

18. 'पवित्र' का संधि-विच्छेद है-

(A) पा + इत्र

(C) प + ईत्र

(B) पो + ईत्र

(D) पो + इत्र है-

19. 'विश्वामित्र' का संधि-विच्छेद

(A) विश्व + अमित्र

(B) विश्वा + मित्र

(C) विश्वम् + इत्र

(D) विश्वः + मित्र

20. 'निरंतर' का संधि-विच्छेद है-

(A) निर + अंतर

(B) निर् + अंतर

(C) निः + अंतर

(D) निरन् + अंतर

21. 'निर्विवाद' का संधि-विच्छेद है-

(A) निर् + विवाद

(B) निर + विवाद

(C) निरा + विवाद

(D) निः + विवाद

22. 'निश्चल' का संधि-विच्छेद है-

(A) निश् + चल

(B) निश + चल

(C) निः + चल

(D) नी: + चल

23. 'वसुधैव' का संधि-विच्छेद है-

(A) वसुधा + ईव

(B) वसुधा + इव

(C) वसुधा + एव

(D) बसुध + एव

24. 'बहिष्कार' का संधि-विच्छेद है-

(A) बहिः + सकार

(B) बहि + सकार

(C) बहिष + कार

(D) बहिः + कार

25. 'वागीश' का संधि-विच्छेद है-

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(A) वाग् + ईश
(B) वाग + इश
(C) वाक् + ईश
(D) वाक् + इश

26. 'यशोभिलाषी' का संधि-विच्छेद है-
(A) यशो + अभिलासी
(B) यशः + अभिलाषी
(C) यशः + भिलाषी
(D) यश + अभिलाषी

27. 'गवेषणा' का संधि-विच्छेद है-
(A) गव + एषणा
(B) गौ + एषणा
(C) गो + एषणा
(D) गऊ + एषणा

28. 'संसार' का संधि-विच्छेद है-
(A) सन् + सार
(B) स + सार
(C) सत् + सार
(D) सम् + सार

29. 'निराश्रय' का संधि-विच्छेद है-
(A) निरा + आश्रय
(B) निर + आश्रय
(C) नि + आश्रय
(D) निः + आश्रय

30. 'महेश' का संधि-विच्छेद है-
(A) महा + ईश
(B) महो + ईश
(C) मही + ईश
(D) मही + इश

31. 'सज्जन' का संधि-विच्छेद है-
(A) सज् + जन
(B) सम् + जन
(C) स् + जन
(D) सत् + जन

32. 'राजेन्द्र' का संधि-विच्छेद है-
(A) राज + इन्द्र
(B) राजन + इन्द्र
(C) राजा + इन्द्र
(D) इनमें से कोई नहीं

33. 'सदाचार' का संधि-विच्छेद है-
(A) सदा + चार
(B) सत् + आचार
(C) सदा + आचार
(D) सद् + आचार

34. 'तपोबल' का संधि-विच्छेद है-
(A) तपः + बल
(B) तप + बल
(C) तपो + बल
(D) इनमें से कोई नहीं

35. 'निश्चय' का संधि-विच्छेद है-
(A) निः + चय
(B) निश् चय
(C) निश + चय
(D) इनमें से कोई नहीं

36. 'उद्घाटन' का संधि-विच्छेद है-
(A) उद् घाटन
(B) उत् + घाटान
(C) उत् + घाटन
(D) उद् घाटन

37. 'जगन्नाथ' का संधि-विच्छेद है-
(A) जगत् + नाथ
(B) जगत + नाथ
(C) जग + नाथ
(D) जगत + नाथ

38. 'विद्यालय' का संधि-विच्छेद है-
(A) विद्या + लय
(B) विद्या + आलय
(C) विद्या + अलय
(D) विद्या + आलय

39. संधि के कितने प्रकार है?
(A) पाँच
(B) दो
(C) तीन
(D) चार

40. 'उद्गम' का संधि-विच्छेद है :
(A) उद् + गम
(B) उत् + गम
(C) उत + अगम्
(D) उत् + आगम

41. 'यशोधरा' का संधि-विच्छेद है-
(A) यश + धरा
(B) यशः + धरा

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) यश + धारा
(D) यशो + धरा

42. 'हिमालय' का संधि-विच्छेद है-
(A) हिमा + आलय
(B) हिम + आलय
(C) हेमा + आलय
(D) हेम + आलय

43. 'महेन्द्र' का संधि-विच्छेद है-
(A) महा + इन्द्र
(B) मही + इन्द्र
(C) महे + इन्द्र
(D) मह + इन्द्र

44. 'नयन' का संधि-विच्छेद है-
(A) न + यन
(B) ने + अन
(C) ने + यन
(D) नय + न

45. 'पवन' शब्द का संधि-विच्छेद है-
(A) पो + अन
(B) प + वन
(C) पा + वन
(D) प + वान

46. 'उद्योग' शब्द का संधि-विच्छेद है-
(A) उद् + योग
(B) उत् + योग
(C) उ + दयोग
(D) उद + योग

47. 'यथेष्ट' शब्द का संधि-विच्छेद है-
(A) यथा + इष्ट
(B) यथे + ष्ट
(C) य + थेष्ट
(D) यथेष + ट

48. 'प्रातःकाल' शब्द का संधि-विच्छेद है-
(A) प्रातः + काल
(B) प्रातहका + ल
(C) प्रात + काल
(D) प्रातका + ल

49. 'निराधार' शब्द का संधि-विच्छेद क्या है?
(A) निरा + धार आ
(B) नि + राधार
(C) निः + आधार
(D) निराधा + र

50. 'यशोदा' का सही संधि-विच्छेद क्या होगा?
(A) यशः + दा
((B) यश + ओदा
(C) यशो + दा
(D) यश + उदा

51. 'पृथ्वीश' शब्द का संधि-विच्छेद क्या है ?
(A) पृथ्वी + श
(B) पृ + थ्वीश
(C) पृथ्वी + ईश
(D) पृथ + वीश

52. 'महोत्सव' शब्द का संधि-विच्छेद है:
(A) महो + त्सव
(B) महा + त्सव
(C) महोत्स + व
(D) महा + उत्सव

53. 'सत्याग्रह' शब्द का संधि-विच्छेद है:
(A) सत्या + ग्रह
(B) सत्य + आग्रह
(C) सत् + आग्रह
(D) स + त्याग्रह

54. 'नीरोग' शब्द का संधि-विच्छेद है:
(A) नी + रोग
(B) नीरो + ग
(C) नि + रोग
(D) निः + रोग

55. निम्नलिखित में कौन शब्द विसर्ग संधि का उदाहरण है ?
(A) दुष्कर
(B) अहंकार
(C) पंचम
(D) जगदीश

56. 'जगत् + आनंद' पदों की संधि है:
(A) जगनंद
(B) जगतआनंद
(C) जगतानंद
(D) जगदानंद

57. निम्नलिखित में कौन शब्द यण् स्वर संधि का उदाहरण है?
(A) यद्यपि
(B) देवर्षि
(C) विद्यार्थी
(D) चयन

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

58. 'रमेश' शब्द का संधि-विच्छेद क्या है ?
(A) रम + श
(B) रमन + ईश
(C) रमा + ईश
(D) रम + इश
59. 'देवेश' शब्द का संधि-विच्छेद है :
(A) देवता + ईश
(B) दैव + इश
(C) देव + ईश
(D) देवे + श
60. 'हितैषी' शब्द का संधि-विच्छेद है :
(A) हिते + षी
(B) हितै + षी
(C) हित + ऐषी
(D) हित + पैषी

समास

❖ दो पदों के मेल को, समास कहते हैं। अथवा जब दो पद अपने बीच के कारक - चिन्ह या विभक्तियों का लोप करके एक पद बन जाते हैं तो उसे समास कहते हैं।

❖ समास का शाब्दिक अर्थ संक्षेप होता है। जैसे-

समास – विग्रह	समस्त पद
गंगा का जल	गंगाजल
रसोई के लिए घर	रसोईघर

❖ समास के मुख्यतः छः भेद है:-

1. अव्ययीभाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. द्वन्द्व समास
6. बहुव्रीहि समास

1. अव्ययीभाव समास :- जिस समास का पहला पद अव्यय होता है उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। इसका पूर्व पद प्रधान होता है| जैसे- व्यथाशक्ति, यथासंभव, प्रतिदिन, आजीवन, उपकार इत्यादि।

2. तत्पुरुष समास :- जिस उत्तरपद प्रधान होता है उसे तत्पुरुष समास कहते है। जैसे-
(क) कर्म-तत्पुरुष - स्वर्गप्राप्त - स्वर्ग (को) प्राप्त
सिरतोड़ - सिर (को) तोड़नेवाला
चिड़ीमार - चिड़ियों (को) मारनेवाला
(ख) करण-तत्पुरुष- पददलित - पद (से) दलित
रसभरा - रस (से) भरा
मदमाता - मद (से) माता
(ग) संप्रदान-तत्पुरुष - रसोईघर - रसोई (के लिए) घर
देशभक्ति - देश (के लिए) भक्ति पुत्रशोक - पुत्र (के लिए) शोक स्नानघर - स्नान (के लिए) घर
(घ) अपादान-तत्पुरुष नेत्रहीन नेत्र (से) हीन राज्यभ्रष्ट - राज्य (से) भ्रष्ट धनहीन-धन (से) हीन
(ङ) संबंध-तत्पुरुष- अन्नदान अन्न (का) दान श्रमदान - श्रम (का) दान

3. कर्मधारय समास :- इसका कोई भी पद प्रधान नहीं होता है। इसमें विशेषण विशेष्य होता है। इसमें पूर्व पद और उत्तर पद दोनों में सामान विभक्ति लगती है। जैसे –

- नवयुवक- नव है जो युवक
- पीतांबर- पीत है जो अंबर
- परमेश्वर - परम है जो ईश्वर
- नीलकमल - नील है जो कमल
- महात्मा - महान है जो आत्मा
- कापुरुष - कुत्सित है जो पुरुष
- कमलनयन - कमल के समान नयन
- घनश्याम - घन के समान श्याम
- चन्द्रमुख – चन्द्र के समान मुख

4. द्विगु समास :- जिस समास का पहला पद संख्यावाची होता है उसे द्विगु समास कहते हैं।
जैसे - त्रिलोकी, पंचवटी, दोपहर, चौराहा, छदाम, सतसई, छमाही, दुअन्नी, तिमाही |

5. द्वन्द्व समास :- जिस समास का दोनों पद प्रधान होता है। उसे द्वन्द समास कहते है।
जैसे – माता -पिता = माता और पिता, दाल-भात = दाल एवं

6. बहुव्रीहि समास :- जो समास विशेष अर्थ प्रकट करता है उसे बहुव्रीहि समास कहते है। इसका अन्य (तीसरा पद) प्रधान होता है।
जैसे-

- वीणापाणि - वीणा है पाणि में जिसके सरस्वती
- नीलकंठ - नील है कंठ जिसका - शिवजी
- दशानन- दस हैं आनन जिसके - रावण
- लम्बोदर – लम्बा है जिसका उदर – गणेश

7. नञ् समास – जिस समास का पहला पद नाकारात्मक होता हैं, उसे नञ् समास कहते हैं | इसका पहला अक्षर प्राय: अ या न रहता हैं |

जैसे- अस्वस्थ, अनपढ़, अनर्थ, नपुंसक, असिद्ध इत्यादि |

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'नवरत्न' समास है-
(A) द्विगु
(B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि
(D) द्वन्द्व

2. 'धनहीन' शब्द कौन-सा समास है?
(A) तत्पुरुष
(B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि
(D) द्वन्द्व

3. 'रामानुज' शब्द कौन-सा समास है?
(A) बहुव्रीहि
(B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय
(D) द्वन्द्व

4. 'यथासमय' समास है-
(A) द्विगु
(B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव
(D) तत्पुरुष

5. 'त्रिलोक' शब्द कौन समास है?
(A) बहुव्रीहि
(B) द्विगु
(C) कर्मधारय
(D) तत्पुरुष

6. 'अनादर' शब्द कौन-सा समास है?
(A) अव्ययीभाव
(B) नञ्
(C) कर्मधारय
(D) तत्पुरुष

7. 'गगनचुम्बी' कौन-सा समास है?
(A) तत्पुरुष
(B) द्वंद्व
(C) द्विगु
(D) अव्ययीभाव

8. 'यथाशक्ति' कौन-सा समास है?
(A) बहुव्रीहि
(B) कर्मधारय
(C) अव्ययीभाव
(D) द्वंद्व

9. 'कमलनयन' कौन-सा समास है?
(A) कर्मधारय
(B) अव्ययीभाव
(C) द्वंद्व
(D) द्विगु

10. 'जी-जान' कौन-सा समास है?
(A) कर्मधारय
(B) द्वंद्व
(C) द्विगु
(D) तत्पुरुष

11. 'पंच पात्र' कौन-सा समास है?
(A) द्विगु
(B) अव्ययीभाव
(C) कर्मधारय
(D) तत्पुरुष

12. 'चन्द्रमौलि' कौन-सा समास है?
(A) तत्पुरुष
(B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि
(D) द्वंद्व

13. 'पीताम्बर' कौन-सा समास है?
(A) द्वन्द्व
(B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि
(D) द्विगु

14. 'चक्रपाणि' कौन समास है?
(A) बहुव्रीहि
(C) द्विगु
(B) द्वन्द्व
(D) तत्पुरुष

15. 'सेनापति' में कौन समास है?
(A) बहुव्रीहि
(B) द्वन्द्व
(C) तत्पुरुष
(D) कर्मधारय

16. 'असम्भव' में समास है-

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(A) तत्पुरुष
(B) अव्ययीभाव
(C) कर्मधारय
(D) नञ्

17. 'प्रतिदिन' कौन समास है?
(A) तत्पुरुष
(B) कर्मधारय
(C) अव्ययीभाव
(D) बहुव्रीहि

18. 'पंचवटी' किस समास का उदाहरण है?
(A) द्वन्द्व
(B) द्विगु
(C) बहुव्रीहि
(D) कर्मधारय

19. 'राजा-रंक' किस समास का उदाहरण है?
(A) द्वन्द्व
(B) द्विगु
(C) कर्मधारय
(D) तत्पुरुष

20. 'गजानन' किस समास का उदाहरण है?
(A) बहुव्रीहि
(B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय
(D) अव्ययीभाव

21. 'देवस्थान' किस समास का उदाहरण है?
(A) अव्ययीभाव
(B) कर्मधारय
(C) द्विगु
(D) तत्पुरुष

22. 'साग-पात' कौन समास है?
(A) द्विगु
(C) कर्मधारय
(B) द्वन्द्व
(D) तत्पुरुष

23. 'पनचक्की' कौन समास है?
(A) अव्ययीभाव
(B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष
(D) कर्मधारय

24. 'लोटा-डोरी' कौन समास है?
(A) द्वन्द्व
(B) द्विगु
(C) तत्पुरुष
(D) बहुव्रीहि

25. 'षट्कोण' कौन समास है?
(A) द्विगु
(B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय
(D) तत्पुरुष

26. 'यज्ञशाला' कौन समास है?
(A) अव्ययीभाव
(B) कर्मधारय
(C) तत्पुरुष
(D) द्विगु

27. 'यथासाध्य' कौन समास है?
(A) द्वन्द्व
(B) अव्ययीभाव
(C) तत्पुरुष
(D) बहुव्रीहि

28. 'गृहप्रवेश' कौन समास है?
(A) कर्मधारय
(B) अव्ययीभाव
(C) द्वन्द्व
(D) तत्पुरुष

29. 'नरसिंह' कौन समास है?
(A) बहुव्रीहि
(B) कर्मधारय
(C) तत्पुरुष
(D) द्वन्द्व

30. 'पर्णकुटी' कौन समास है?
(A) तत्पुरुष
(B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय
(D) बहुव्रीहि

31. 'भरपेट' कौन समास है?
(A) कर्मधारय
(B) अव्ययीभाव
(C) द्वन्द्व
(D) तत्पुरुष

32. 'स्वर्गप्राप्त' कौन समास है?
(A) द्विगु
(B) अव्ययीभाव

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

(C) तत्पुरुष
(D) कर्मधारय

33. 'कन्यादान' कौन समास है?
(A) बहुव्रीहि
(B) तत्पुरुष
(C) द्विगु
(D) कर्मधारय

34. 'प्रतिमान' कौन समास है?
(A) कर्मधारय
(B) अव्ययीभाव
(C) तत्पुरुष
(D) बहुव्रीहि

35. 'चिड़ीमार' कौन समास है?
(A) बहुव्रीहि
(B) कर्मधारय
(C) तत्पुरुष
(D) द्वन्द्व

36. 'कमलनयन' कौन समास है?
(A) कर्मधारय
(B) द्वन्द्व
(C) तत्पुरुष
(D) अव्ययीभाव

37. 'आजन्म' कौन समास है?
(A) अव्ययीभाव
(B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय
(D) द्विगु

38. 'नीलाम्बर' कौन समास है?
(A) कर्मधारय
(B) तत्पुरुष
(C) अव्ययीभाव
(D) बहुव्रीहि

39. 'हाथ-पैर' कौन समास है?
(A) द्विगु
(B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय
(D) तत्पुरुष

40. 'लम्बोदर' कौन समास है?
(A) कर्मधारय
(B) अव्ययीभाव
(C) बहुव्रीहि
(D) द्विगु

41. 'कामचोर' कौन समास है?
(A) बहुव्रीहि
(B) तत्पुरुष
(C) अव्ययीभाव
(D) कर्मधारय

42. 'आजकल' कौन समास है?
(A) तत्पुरुष
(B) अव्ययीभाव
(C) कर्मधारय
(D) द्वन्द्व

43. 'चतुर्भुज' कौन समास है?
(A) कर्मधारय
(B) द्विगु
(C) तत्पुरुष
(D) अव्ययीभाव

44. 'गुण-दोष' कौन समास है?
(A) द्विगु
(B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व
(D) कर्मधारय

45. 'गिरहकट' कौन समास है?
(A) कर्मधारय
(B) तत्पुरुष
(C) अव्ययीभाव
(D) बहुव्रीहि

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

निबंध

❖ **निबंध क्या है?**

- निबंध दो शब्द **'नि'** और **'बन्ध'** के मेल से बना है, जिसका अर्थ है- नियमों से बँधी हुई गद्य रचना या लेख । जो विचारपूर्वक क्रमबद्ध रूप से विषय को केन्द्रित करके लिखि गई हो ।

❖ **निबंध लेखन के महत्व**

- निबंध लेखन एक **कला** है । जिसके जड़िए छात्रों के केवल **"लेखन कौशल"** का पता नहीं लगाया जाता है, बल्कि उसके **ज्ञान, व्यक्तित्व, अनुभव** और किसी भी **विषय** पर **सोचने की क्षमता** का भी पता लगाया जाता है।
- इस कला का अधिकांश प्रयोग BPSC एवं UPSC जैसे बड़े परीक्षाओं में **"अभ्यर्थियों के व्यक्तित्व"** का पता लगाने के लिए किया जाता है।

❖ **निबंध लेखन के अंग-**

❖ **निबंध लेखन के प्रायः तीन अंग है-**

(i) परिचय या भूमिका - इसमें निबंध की **विषयवस्तु** का परिचय दिया जाता है, जिससे पाठक को निबंध के अगले भाग को समझने में आसानी हो जाती है।

(ii) मध्य भाग- इसे निबंध का **शरीर** या **मूल भाग** कहा जाता है। इस भाग में विषयवस्तु का **विस्तृत** वर्णन **संक्षेप** में किया जाता है। इसमें विषयवस्तु को ध्यान में रखकर खुद से **टॉपिक** बनाकर उसके बारे में लिखना होता है। यह निबंध का सर्वाधिक विस्तृत भाग होता है।

(iii) उपसंहार या निष्कर्ष- यह निबंध का **अन्तिम भाग** होता है, जिसमें **"निबंध का सार"** लिखना होता है।

❖ **निबंध लिखते समय ध्यान रखने योग्य बातें-**

(i) छात्रों को निबंध **उसी विषय** पर लिखना चाहिए, जिस पर उसे **अधिक** से **अधिक** अच्छी **जानकारी** हो।

(ii) किसी निबंध का प्रारम्भ विषयवस्तु के **'परिचय या भूमिका'** से करना चाहिए ।

(iii) **मध्य भाग** में विषयवस्तु को ध्यान में रखकर **खुद से टॉपिक** सोचकर अच्छे से लिखे। **अन्त** में **उपसंहार** या **निष्कर्ष** लिखना चाहिए।

(iv) निबंध लेखन में अधिक से अधिक **शुद्ध** शब्दों का प्रयोग करें।

(v) **विराम-चिन्हों** का सही से प्रयोग करें।

(vi) निबंध की **भाषा-शैली** एकदम **सरल** होनी चाहिए ।

(vii) निबंध का **सार** उपसंहार वाले भाग में ही लिखना चाहिए।

(viii) निबंध का प्रत्येक भाग **एक-दूसरे** से **रिलेट करना** चाहिए । अर्थात् **क्रमबद्ध रूप** में होनी चाहिए।

(ix) **क्रमबद्धता** के साथ-साथ **विचारों में सम्बद्धता** का भी ध्यान रखना अनिवार्य है।

(x) निबंध लिखते समय सदा **विषय-केन्द्रित** रहना चाहिए।

(xi) निबंध लिखते समय **शब्द - सीमा** का ध्यान रखना चाहिए।

बेरोजगारी की समस्या

❖ **भूमिका-** आज के समय में बेरोजगारी केवल भारत की ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की एक गंभीर समस्या बन चुकी है। विकसित देश हों या विकासशील, सभी इससे प्रभावित हैं। भारत जैसे विकासशील देश में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले चुकी है। बेरोजगारी का सबसे अधिक प्रभाव **युवा वर्ग** पर पड़ता है, जिससे उनमें निराशा, हताशा और असंतोष बढ़ रहा है। वास्तव में, बिना रोजगार के समाज का संतुलित विकास संभव नहीं है।

❖ **बेरोजगारी का अर्थ-** बेरोजगारी का अर्थ है कि, जब कोई व्यक्ति काम करने की इच्छा और क्षमता रखने के बावजूद भी अपनी आजीविका चलाने के लिए कोई काम नहीं पा सके, तो उसे ही **बेरोजगार** कहा जाता है। अर्थात जो व्यक्ति प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने को तैयार हो, फिर भी उसे काम नहीं मिला तो वही **बेरोजगारी** की स्थिति है। राष्ट्रीय संगठन (NSSO) के अनुसार, बेरोजगारी वह स्थिति है जिसमें व्यक्ति काम की तलाश करता है, आवेदन देता है, संपर्क करता है, लेकिन फिर भी उसे काम नहीं मिलता है तो उसे ही **बेरोजगारी** कहते हैं।

★ **बेरोजगारी का मानसिक और सामाजिक प्रभाव-** जब किसी व्यक्ति को रोजगार नहीं मिलता, तो वह स्वयं को असहाय और निठल्ला समझने लगता है। जिससे उसमें तनाव और निराशा बढ़ जाती है। कई बार वह मजबूरी में अपराध, चोरी, हिंसा या गलत रास्तों की ओर भी बढ़ जाता है। कभी-कभी बेरोजगारी की गंभीर स्थिति व्यक्ति को **आत्महत्या** जैसे कदम उठाने के लिए भी मजबूर कर देती है।

DISHA ONLINE CLASSES DIRECTION TO SUCCESS

❖ **भारत में बेरोजगारी के आँकड़े-** वर्ष 2020–2024 में भारत में बेरोजगारी दर 5.1% थी, जो पिछले 50 वर्षों में सबसे अधिक थी। शहरों में बेरोजगारी की स्थिति गाँवों से अधिक खराब है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में बेरोजगारी दर अधिक पाई जाती है।

❖ **भारत में बेरोजगारी के आँकड़े निम्न स्रोतों से प्राप्त किया जा सकता हैं-**

(i) जनगणना रिपोर्ट से ।

(ii) रोजगार कार्यालयों के पंजीकरण आँकड़े की रिपोर्ट से ।

(iii) या फिर प्रत्येक वर्ष सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं में फॉर्म भरने वाले आवेदकों की संख्या से ।

★ **भारत में बेरोजगारी के प्रमुख रूप-**

1. **ग्रामीण बेरोजगारी-** गाँवों में कृषि के मशीनीकरण के कारण बेरोजगारी बढ़ रही है ।

2. **शहरी बेरोजगारी-** इसमें लोग काम करने के इच्छुक और सक्षम होते हैं, लेकिन उन्हें नौकरी नहीं मिल पाती। इसमें अधिकतर शिक्षित युवा शामिल होते हैं। जो मजबूरी में बिना रुचि वाला काम करते हैं।

3. **तकनीकि बेरोजगारी-** इसमें नई तकनीक या मशीनों के आने से श्रमिकों की आवश्यकता कम हो जाती है।

4. **शिक्षित बेरोजगारी-** इसमें पढ़े-लिखे युवक-युवतियाँ अपनी योग्यता के अनुसार काम नहीं पा पाते। यह समस्या आज भारत में सबसे अधिक गंभीर बन चुकी है।

❖ **भारत में बेरोजगारी के कारण-**

❖ **भारत में बेरोजगारी के कई कारण हैं-**

(i) **जनसंख्या में तीव्र वृद्धि-** जनसंख्या जिस गति से बढ़ रही है, उस गति से रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहा है। इससे संसाधन भी प्रति व्यक्ति कम हो रहा है।

(ii) **दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली-** हमारी शिक्षा अधिकतर डिग्री पर आधारित है, न कि कौशल पर। जिससे अधिकतर युवा केवल सरकारी नौकरी पर निर्भर रहते हैं, स्वरोजगार पर नही।

(iii) **कृषि क्षेत्र में पिछड़ापन-** यह भी बेरोजगारी का एक प्रमुख कारण है। आज भी बड़ी जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। जबकि कृषि से आय कम होती है।

बेरोजगारी निवारण के उपाय-

(i) **जनसंख्या नियंत्रण -** बेरोजगारी दूर करने के लिए जनसंख्या नियंत्रण बहुत जरूरी है।

(ii) **कृषि क्षेत्र का विकास-** कृषि क्षेत्र का विकास करके नए रोजगार के अवसर पैदा किया जा सकता हैं।

(iii) **शिक्षा प्रणाली में सुधार-** शिक्षा प्रणाली में सुधार करके व्यावसायिक और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना चाहिए। जिससे लोग केवल सरकारी नौकरी पर निर्भर न रहे।

(iv) **अर्थव्यवस्था में सुधार-** औद्योगिक विकास और आर्थिक सुधार से रोजगार के अवसर अवश्य बढ़ेंगे।

❖ **निष्कर्ष-** बेरोजगारी की समस्या का समाधान तभी संभव है जब शिक्षा को **व्यावहारिक** और **रोजगार** से जोड़ा जाये। तथा लोगों को **"स्वरोजगार"** यानी अपना काम या व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया जाये। यदि हर घर में छोटा उद्योग हो तो बेरोजगारी को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

1. पर्यावरण संरक्षण

❖ **परिचय -** पर्यावरण शब्द 'परि' और 'आवरण' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है हमारे चारों ओर का घेरा। प्रकृति ने हमें स्वच्छ हवा, जल, मिट्टी और पेड़-पौधों के रूप में एक अनमोल उपहार दिया है। लेकिन आधुनिकता और औद्योगिकीकरण की दौड़ में मनुष्य ने इन संसाधनों का बेरहमी से दोहन किया है, जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है।

❖ **पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता -** आज पृथ्वी ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण (वायु, जल, और मृदा) और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। यदि हमने समय रहते अपने पर्यावरण की रक्षा नहीं की, तो भविष्य में मानव अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। शुद्ध हवा और पानी के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है।

❖ **संरक्षण के उपाय-** पर्यावरण को बचाने के लिए हमें सामूहिक और व्यक्तिगत स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे-

(i) **वृक्षारोपण-** अधिक से अधिक पेड़ लगाना सबसे प्रभावी उपाय है। पेड़ न केवल ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि वर्षा लाने और मिट्टी के कटाव को रोकने में भी सहायक होते हैं।

(ii) **प्रदूषण पर नियंत्रण:** फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुएं और गंदे पानी को सीधे नदियों में छोड़ने से रोकना चाहिए। प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करना अनिवार्य है।

(iii) **संसाधनों का मितव्ययिता से उपयोग-** बिजली और पानी की बचत करनी चाहिए। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना चाहिए।

(iv) जागरूकता- लोगों को पर्यावरण के महत्व के बारे में शिक्षित करना होगा। 'कम उपयोग (Reduce), पुन: उपयोग (Reuse) और पुनर्चक्रण (Recycle)' के सिद्धांत को अपनाना होगा।

❖ उपसंहार- पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। हमारी एक छोटी सी कोशिश, जैसे एक पौधा लगाना या पानी की बर्बादी रोकना, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकती है। याद रखें, "प्रकृति हमारी जरूरतें पूरी कर सकती है, लालच नहीं।"

2. राष्ट्रीय एकता

❖ एकता में बल है- भारत एक विशाल देश है। अनेकता में एकता भारत के राष्ट्रीय एकता की अनोखी विशेषता है। भारत एक मात्र राष्ट्र है, जहाँ विभिन्न धर्मों के अनुयायी, असंख्य प्रजातियाँ, अनेक भाषा-भाषी, विभिन्न संस्कृति, विभिन्न प्रकार के रहन-सहन एवं खान, पान वाले, विभिन्न प्रकार के वस्त्राभूषण धारक तथा अनेक देवी-देवताओं के उपासक लगभग सवा सौ करोड़ लोग मिल-जुल कर एक झण्डे के नीचे रहते हैं। इन विविधताओं में हमारी एकता छिपी हुई है। यहां राष्ट्रीय एकता हमारी ताकत है, हमारी पहचान है।

❖ राष्ट्र के लिए एकता आवश्यक है- राष्ट्रीय एकता आज समय की आवश्यकता है। एकता से बढ़कर कोई वस्तु नहीं है। भारत अनेक धर्मों, भाषाओं और वर्गों का देश है। राष्ट्रीय एकता के कारण ही यह देश शुरू से ही ज्ञान-विज्ञान, कला, साहित्य, सभ्यता-संस्कृति हर क्षेत्र में विश्व गुरु रहा है। भारत के लिए राष्ट्रीय एकता अखण्डता और समृद्धि के लिए नितान्त आवश्यक है कि देश राष्ट्रीयता की भावना से ओत-प्रोत हो।

❖ एकता तोड़ने के दोषी- अंगरेजों ने हमारे यहाँ शासन करने के लिए फूट डालो और राज करो की नीति अपनाई। हमारे देश के सीधे साधे लोगों में वैमनस्य, जातिवाद, क्षेत्रवाद एवं सम्प्रदायिकता के बीज बोये। आज स्वार्थी एवं आपराधिक प्रवृत्ति वाले राजनेताओं से भी हमारी राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को गंभीर खतरा है। ये स्वार्थी नेता अपने स्वार्थ साधना के लिए समय समय पर भोले-भाले देशवासियों को क्षेत्रवाद एवं सम्प्रदायिकता की आग में झोकते रहते हैं। यह कार्य कई जगहों पर हमारे पड़ोसी देशों द्वारा भी किया जा रहा है।

❖ एकता दृढ़ करने के उपाय - राष्ट्रीय एकता बनाए रखना हमारा प्रधान लक्ष्य है। हमें राष्ट्र की अस्मिता की रक्षा, लोगों की खुशहाली एवं विकास के लिए राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना होगा। जातिभेद, लिंगभेद, वर्गभेद एवं साम्प्रदायिकता को जड़ से मिटाना होगा। राष्ट्रीय एकता को दृढ़ करने के लिए समायोजित शिक्षा की व्यवस्था, आर्थिक विषमता एवं क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के साथ-साथ निष्पक्ष स्थितियों का निर्माण परम आवश्यक है।

3. मोबाइल और इंटरनेट

❖ परिचय- आज के आधुनिक युग में मोबाइल और इंटरनेट हमारे जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। इनके बिना आज के जीवन की कल्पना करना कठिन है। मोबाइल और इंटरनेट ने मनुष्य के काम करने, सीखने और आपस में जुड़ने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है।

❖ मोबाईल और इंटरनेट से होने वाले लाभ -

(i) संपर्क और संचार- मोबाइल और इंटरनेट की मदद से हम पलभर में अपने रिश्तेदारों और मित्रों से बात कर सकते हैं, चाहे वे दुनिया के किसी भी कोने में हों।

(ii) शिक्षा और ज्ञान- विद्यार्थी मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएँ ले सकते हैं, नोट्स प्राप्त कर सकते हैं और नई जानकारियाँ हासिल कर सकते हैं।

(iii) बैंकिंग और सुविधाएँ- मोबाइल और इंटरनेट से घर बैठे बिल भरना, पैसे भेजना, टिकट बुक करना और ऑनलाइन खरीदारी करना आसान हो गया है।

(iv) रोजगार के अवसर- इंटरनेट ने वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन व्यापार और फ्रीलांसिंग जैसे नए रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं।

❖ मोबाईल और इंटरनेट से होनेवाला हानि-

(i) स्वास्थ्य पर प्रभाव- मोबाइल और इंटरनेट के अधिक उपयोग से आँखों की समस्या, तनाव और नींद न आने जैसी बीमारियाँ बढ़ रही हैं।

(ii) समय की बर्बादी- सोशल मीडिया, वीडियो और ऑनलाइन गेम्स में अधिक समय बिताने से पढ़ाई और काम प्रभावित होता है।

(iii) साइबर अपराध- इंटरनेट पर धोखाधड़ी, डेटा चोरी और गलत जानकारी फैलने का खतरा बना रहता है।

❖ उपसंहार - मोबाइल और इंटरनेट दोनों ही मानव जीवन के लिए उपयोगी साधन हैं। यदि इनका उपयोग सही उद्देश्य और सीमित समय में किया जाए, तो ये वरदान हैं; लेकिन गलत और अधिक उपयोग करने पर ये अभिशाप भी बन सकते हैं।

4. छात्र और अनुशासन / छात्र जीवन

❖ भूमिका- किसी भी देश या राष्ट्र का भविष्य वहाँ के छात्रों पर ही निर्भर करता है। यदि वहाँ के छात्र सच्चरित्र, विनीत, कर्त्तव्यनिष्ठ एवं अनुशासन प्रिय होंगे तो राष्ट्र अवश्य सुखी सम्पन्न और प्रगतिशील होगा।

▪ 'अनुशासन' शब्द दो शब्दों के मेल से बना है' अनु' तथा 'शासन'। इसका तात्पर्य है शासन का अनुशरण करना अर्थात् शासन के नियमों का पालन करना तथा उसके नियंत्रण में रहना। अनुशासित जीवन को ही सभ्य जीवन कहा गया है। सृष्टि के सब कार्य इतने नियमित और निश्चित समय पर होते हैं, जिन्हें देखकर आश्चर्य होता है। सृष्टि का समस्त कार्य एक निश्चित नियंत्रण या 'अनुशासन' के अधीन चलता रहता है।

❖ अनुशासन का महत्त्व - अनुशासन हमारे सभ्य जीवन की आधारशिला है। छात्र-जीवन में अनुशासन का विशेष महत्त्व है। यदि विद्यार्थी को विद्यालय, खेल के मैदान, छात्रावास अपने घर-परिवार तथा सार्वजनिक स्थान पर अनुशासन में रहने का अभ्यास हो जाए, तो वह जीवन भर अनुशासित रहेगा। अनुशासन में रहने वाला विद्यार्थी ही देश का सभ्य और प्रगतिशील नागरिक बन सकता है।

❖ अनुशासनहीनता से हानि- वर्तमान समय में छात्र-जीवन में अनुशासन का अभाव होता जा रहा है। अपनी जबावदेही से अवगत नहीं होने के कारण छात्र अपने को अनुशासनहीन बनाए जा रहे हैं। इसके अभाव में छात्रों में उच्छृंखलता बढ़ती जा रही है, जिससे अराजक स्थिति उत्पन्न हो जायेगी। अनुशासन के अभाव में छात्र-जीवन अंधकारमय दिखाई देता है।

❖ उपसंहार- अनुशासन जीवन को इतना आदर्श बना देता है कि अनुशासित व्यक्ति दूसरों की अपेक्षा कुछ विशिष्ट दिखाई पड़ता है। उसका उठना-बैठना, बोलना व्यवहार करना आदि प्रत्येक क्रिया में एक विशेष व्यवस्था या नियम की झलक मिलती है। अतः विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की नितांत आवश्यकता है।

5. चुनाव प्रक्रिया

❖ भूमिका- भारत में लोकतन्त्र की सफलता के लिए निश्चित अवधि पर चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न की जाती है। भारत में राष्ट्रीय स्तर पर लोकसभा के लिए, राज्य स्तर पर विधानसभा के लिए एवं स्थानीय स्तर पर नगरपालिका, ग्राम पंचायत इत्यादि के लिए चुनाव प्रक्रिया अपनायी जाती है।

❖ चुनाव की घोषणा- इसके बाद निर्वाचन आयोग चुनाव की घोषणा करता है जिसमें चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामांकन-पत्र देने की अन्तिम तिथि, जाँच-पड़ताल की तिथि, नाम वापस लेने की तिथि तथा मतदान की तिथियों की घोषणा की जाती है। साथ ही सम्बन्धित चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की जाती है।

❖ प्रत्याशियों का नामांकन- चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तिथि तय करने के बाद उम्मीदवार नामांकन पत्र भरते हैं तथा एक निश्चित तिथि के अन्दर अपना नाम वापस भी ले सकते हैं। इस स्थिति में जमानत की राशि वापस हो जाती है।

❖ चुनाव प्रचार - चुनाव प्रचार के लिए चुनाव घोषणा-पत्र के साथ-साथ आम सभाएँ आयोजित कर, विज्ञापन द्वारा, बैनर एवं पोस्टरों द्वारा सभी राजनीतिक दल अपना-अपना चुनाव प्रचार करते हैं।

❖ मतदान- मतदाता निश्चित तिथि पर मतदान केन्द्र पर जाकर अपना गुप्त मतदान करते हैं।

❖ मतगणना का परिणाम- मतदान की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद निर्वाचन पदाधिकारी प्रत्याशियों या उनके प्रतिनिधियों के सामने मतपेटियों की सील बन्द कर एक निर्धारित जगह पर पहुँचायी जाती हैं जहाँ पर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रहती है।

❖ चुनाव व्यय का विवरण- चुनाव परिणाम घोषित होने के 45 दिन के भीतर चुनाव प्रक्रिया के अन्तर्गत अपने खर्चा का लेखा-जोखा देना पड़ता है। जिस विजयी प्रत्याशी का खर्च सीमा से अधिक होता है उसे अवैध करार दिया जाता है।

❖ निर्वाचन याचिका - चुनाव में हारे हुए प्रत्याशी अथवा निर्वाचन क्षेत्र से कोई मतदाता यह महसूस करे कि चुनाव में अधिक व्यय हुआ है या भ्रष्ट तरीके से अपनाये गये तरीके से विजयी हुए हैं तो वे न्यायालय में उनके विरुद्ध

अपील करते हैं। यदि अपीलकर्ता सही पाये जाते हैं तो विजयी प्रत्याशी को रद्द कर पराजित प्रत्याशी को विजयी घोषित किया जाता है। इस प्रकार उपरोक्त प्रक्रियाओं द्वारा चुनाव प्रक्रिया पूरी होती है।

6. शिक्षक दिवस

❖ भूमिका - स्वतंत्र भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस 5 सितम्बर पूरे भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे जिन्होंने अपने जीवन के लगभग 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया। वे विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिए प्रसिद्ध थे। डॉ० राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर, 1988 तिरूतनी, मद्रास में हुआ था। वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष अपने जन्म दिवस को शिक्षकों के लिए समर्पित किया। इसलिए 5 सितम्बर पूरे भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

❖ शिक्षक दिवस का महत्त्व- अक्षर-अक्षर हमें सिखाते, शब्द शब्द का अर्थ बताते, कभी प्यार से कभी डांट से, जीवन हमें सीखाते | गुरु शिष्य परम्परा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है। जीवन के पहले गुरु माता-पिता होते हैं, लेकिन सही मार्ग पर चलने का रास्ता शिक्षक ही सिखाते हैं और उसके जीवन को उन्नत बनाते हैं। एक शिक्षक छात्र की आत्मा को शुद्ध उसकी चेतना को परिष्कृत कर देता है। वह अपने शिष्यों में अनंत गुण एवं शक्ति भर देता है। एक आदर्श शिक्षक एक शिल्पकार की तरह अपने शिष्यों के जीवन को तराश देता है। वह अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। इस प्रकार गुरु का हमारे जीवन में बहुत ही बड़ा महत्त्व है जो कि सर्वविदित है।

❖ उपसंहार- जीवन भर अध्यापन के अपने निस्वार्थ सेवा के लिए हमें अपने शिक्षकों को सम्मान देने और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म-हिवस को याद करने के लिए इसे हर साल शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं। इस पुण्य अवसर पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दिन भर उत्सव, धन्यवाद और स्मरण की गति विधियाँ चलती रहती है। हम सभी लोग अपने गुरु का स्मरण कर उनके श्रीचरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु, गुरुदेवो महेश्वरः
गुरु साक्षात् परब्रहा तस्मै श्रीगुरवे नमः।

7. गणतंत्र दिवस

❖ भूमिका- गणतंत्र दिवस हम सबके भारतीय होने पर गौरवान्वित होने का दिन तो है ही देश के नागरिकों के लिए समानता व भाईचारे के प्रति आस्था के संकल्प को दोहराने का पुनीत अवसर भी है। हमारे गणतंत्र की यात्रा 1950 में 26 जनवरी के दिन शुरु हुई थी। इसी दिन हमने संविधान द्वारा तय सिद्धांतों के पालन व अनुसरण का संकल्प लिया था। गणतंत्र दिवस के दिन स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति ताजा हो जाती है। हमें यह याद हो आता है कि किस तरह आजादी के दिवाने देशभक्तों के जीवन भर के संघर्षों के परिणामस्वरूप 15 अगस्त, 1947 को हमारा देश आजाद हुआ और 26 जनवरी, 1950 को इस देश का उदय एक धर्मनिरपेक्ष, लोक कल्याणकारी सार्वभौमिक गणतंत्र के रुप में हुआ।

❖ गणतंत्र दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- 26 जनवरी, 1950 के दिन भारत को एक गणतांत्रिक राष्ट्र घोषित किया गया था। इसी दिन स्वतंत्र भारत का नया संविधान अपनाकर नए युग का सूत्रपात किया गया था। यह भारतीय जनता के लिए स्वाभिमान का दिन था। भारतीय संविधान के अनुसार डॉ० राजेन्द्र प्रसाद स्वतंत्र भारत के राष्ट्रपति बने। जनता ने देश भर में खुशियाँ मनाई। तब से 26 जनवरी को हर वर्ष गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन देश भर में विशेष कार्यक्रम होते हैं। विद्यालयों सभी सरकारी संस्थाओं में भारतीय तिरंगा फहाराया जाता है।

❖ गणतंत्र दिवस का महत्त्व - गणतंत्र दिवस का बहुत महत्त्व है क्योंकि ये हमें भारतीय स्वतंत्रता से जुड़े हर एक संघर्ष के बारे में बताता है। संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य होने के महत्त्व को सम्मान देने के लिए उसको मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस का यह पर्व हमारे अंदर आत्म गौरव भरने का कार्य करता है तथा हमें पूर्ण स्वतंत्रता की अनुभूति कराता है।

❖ उपसंहार- गणतंत्र दिवस हमारे देश के तीन राष्ट्रीय पर्वों में से एक है। हमारे देश का संविधान तथा उसका गणतांत्रिक स्वरूप ही हमारे देश को कश्मीर से कन्याकुमारी तक जोड़ने का कार्य करता है। यह वह दिन

है जब हमारा देश विश्व मानचित्र पर एक गणतांत्रिक देश के रूप में स्थापित हुआ।

8. स्वच्छ भारत अभियान

❖ परिचय- भारतीय संस्कृति का आधार वे मूल्य हैं जिनसे हमारा जीवन, परिवार और समाज सीधे-सीधे जुड़े हैं। इन मूल्यों में पवित्रता और स्वच्छता भी है। जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहाँ स्वच्छता की आवश्यकता न हो। यहाँ तक कि स्वच्छता से ही व्यक्ति, परिवार और समाज की पहचान की जाती है। उसकी समृद्धि, प्रगति और विकास का रास्ता भी स्वच्छता से ही होकर गुजरता है। स्वच्छता अभियान एक राजनीति मुक्त अभियान है जो देशभक्ति से प्रेरित है। यह एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है और भारत सरकार द्वारा चलाया गया है।

❖ स्वच्छ भारत अभियान का महत्व - राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने भारत को एक स्वच्छ भारत बनाने का सपना देखा था। राष्ट्रपिता के सपने को साकार करने के लिए भारत सरकार ने इस अभियान को उनके 145 वें जन्मदिन 2 अक्टूबर, 2014 को शुरू किया है। यह अभियान पूरे भारत में सफाई के उद्देश्य को पूरा करने के लिए शुरू किया गया है। माननीय प्रधानमंत्री का लोगों से अपील है कि वो स्वच्छता अभियान से जुड़ें और अन्य लोगों को भी इससे जुड़ने को प्रेरित करें, ताकि हमारा देश दुनिया का सबसे अच्छा और स्वच्छ देश बन सके। स्वच्छ भारत अभियान भारत की सबसे बड़ी सफाई अभियान है। इसके तहत हमें खुद को, घर, अपने आसपास, समाज, समुदाय, शहर, उद्यान और पर्यावरण इत्यादि को रोज स्वच्छ रखने की जरूरत है। हम सभी को स्वच्छता का ध्येय, महत्त्व तथा जरूरत को समझना चाहिए और इसे दैनिक जीवन में लागू करना चाहिए।

❖ उपसंहार- स्वच्छता अभियान शुरू करने के पीछे मूल लक्ष्य देश भर में शौचालय की सुविधा देना, साथ ही दैनिक दिनचर्या में लोगों के सभी अस्वस्थ आदतों को समाप्त करना है। स्वच्छता अभियान मिशन को सहभागिता के द्वारा आगे बढ़ाना भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस मिशन की सफलता परोक्ष रूप से निवेशकों का ध्यान आकृष्ट करना, विकास दर बढ़ाना, पर्यटकों का ध्यान खींचना, स्वास्थ्य लागत कम करना, मृत्यु दर कम करना और भी कई चीजों में सहायक होगी। ऐसे में देश के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी स्वच्छ रहने और दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करना देशभक्ति का ही कार्य है।

9. हमारे प्रिय खेल

❖ भूमिका- खेल हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है। खेल का नाम आते ही मन उत्साह एवं उल्लास से भर उठता है। खेलना-कूदना सभी को अच्छा लगता है। विशेषतः बच्चों द्वारा अपनी रुचि, आयु, पसंद आदि के आधार पर खेलों को पसंद किया जाता है और खेला जाता है। वर्तमान दौर में क्रिकेट सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है। मेरा भी प्रिय खेल क्रिकेट है। आधुनिक युग में इस खेल को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व प्राप्त है।

❖ खेल का नियम एवं खिलाड़ियों की संख्या- क्रिकेट के खेल में 11 खिलाड़ियों के साथ दो टीमें होती है। इसके साथ खेल के निर्णायक के रूप में दो अंपायर भी होते हैं जो पूरी खेल पर नजर रखते हैं और उसी के अनुसार अपना फैसला सुनाते हैं। खेल के नियमानुसार प्रत्येक टीम का एक-एक कप्तान होता है जिसके नेतृत्व में उसकी टीम खेलती है। टॉस के बाद एक टीम पहले गेंदबाजी करती है और दूसरी टीम बल्लेबाजी करती है। एक पारी खत्म होने के बाद गेंदबाजी करने वाली टीम बल्लेबाजी वाली टीम द्वारा बनाये गये रनों का पीछा करती है।

❖ भारत के प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी- भारत के अनेक क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपने खेल के कौशल से संसार भर में नाम कमाया। भारत के प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ियों में सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, कपिलदेव, रवि शास्त्री, सौरभगांगुली, राहुल द्रविड़, महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा इत्यादि प्रमुख हैं। सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट का भगवान माना जाता है। वे क्रिकेट के इतिहास में विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है। इन्होंने टेस्ट और एकदिवसीय मैचों में सर्वाधिक शतक लगाये हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विश्व के एकमात्र खिलाड़ी है।

❖ लोकप्रियता का कारण- क्रिकेट एक एकलौता खेल है जिसके सबसे ज्यादा प्रशंसक है। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बूढ़ों तक उस खेल के दिवाने हैं। जब भो बड़ा क्रिकेट मैच होता है तो बड़ी-बड़ी टीवी स्क्रीन पर हजारों लोगों द्वारा मैच देखा जाता है। क्रिकेट मैचों का प्रसारण इसके लोकप्रियता बढ़ाने का प्रमुख कारण है। वर्तमान समय में क्रिकेट के बहुत सारे कोचिंग सेंटर्स है, जिस कारण छोटे-छोटे शहर और गाँवों से अच्छे खिलाड़ी आगे आ रहे हैं, यह एक अच्छा संकेत है और क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ने

के पीछे ऐसे कारणों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

❖ उपसंहार- खेल-कूद आज विभिन्न राष्ट्रों के मध्य सांस्कृतिक मेल-जोल बढ़ाने का एक उत्तम माध्यम बन गया है। खेल से स्वास्थ्य और उत्साह तो बढ़ता हो है. साथ ही स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना का भी विकास होता है। क्रिकेट के खेल के साथ-साथ आपसी एकता तथा भाईचारा का विकास भी होता है। विश्व कप क्रिकट टूर्नामेंट के समय समूचा विश्व के एकजुटता का प्रदर्शन होता है।

10. प्रिय लेखक / कवि

❖ भूमिका- हिन्दी साहित्य के इतिहास में ऐसे अनेकानेक लेखक उत्पन्न हुए जो अपनी महान रचनाओं के कारण अमर हो गए। उनमें एक नाम प्रेमचंद भी है। उनकी कहानियाँ और उपन्यास बहुत ही सरल स्वाभाविक और मर्मस्पर्शी है।

❖ प्रेमचंद का जीवन- प्रेमचंद के पिता अजायब लाल डाकखाने में मुंशी के पद पर कार्यरत थे। प्रेमचंद जब 7 वर्ष के थे तब उनकी माता का निधन हो गया। विमाता की अवहेलना और आर्थिक कठिनाइयों के कारण उनका बचपन अत्यंत कठिनाइयों में बीता। 15 वर्ष की आयु में उनका विवाह कर दिया गया। गृहस्थी एवं पढ़ाई का खर्च चलाने के लिए ट्यूशन पढ़ाने लगे। संघर्ष करते हुए वे बी०ए० तक शिक्षा पूरी कर अध्यापक के रूप में नौकरी की। 1920 में गाँधी जी से प्रभावित होकर सरकारी सेवा छोड़ दी और साहित्य सेवा में रम गये।

❖ प्रेमचंद की रचनाएँ एवं महत्त्व - मुंशी प्रेमचंद जी ने अपने साहित्यिक जीवन में लगभग तीन सौ कहानियाँ और दर्जन भर उपन्यास लिखे। उनकी लिखी हुई 'पूस की रात', 'नमक का दारोगा', 'कफन', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'बड़े घर की बेटी', 'ईदगाह' आदि कहानियाँ मन को अभिभूत कर लेती हैं।

❖ प्रेमचंद की देन - कहानियों के अतिरिक्त उन्होंने चौदह उपन्यास लिखे जिनमें 'गोदान' की सर्वश्रेष्ठ कृति है। इसके अतिरिक्त रंगभूमि, सेवासदन, गबन, प्रेमाश्रय, निर्मला, कायाकल्प, प्रतिज्ञा आदि उनके प्रचलित उपन्यास हैं।

❖ उपसंहार- प्रेमचंद जी की अधिकतर रचनाएँ समाज से जुड़ी हुई हैं। भारतीय जनता रूदिग्रस्त थी। इस वातावरण का प्रभाव प्रेमचंद पर व उनकी रचनाओं पर स्पष्ट दिखाई देता है। उनकी कहानियों और उपन्यासों में अनेक पात्र गाँव के रहने वाले थे। उन्होंने गरीबी को अधिक निकट से देखा था। इसी गाँव के जीवन को उन्होंने अपनी रचनाओं में साकार रूप दिया।

11. वसंत ऋतु

❖ भूमिका- जाड़े की समाप्ति के बाद वसंत ऋतु का आगमन होता है। वसंत को ऋतुओं का राजा कहा जाता है। यह मौसम सभी को पसंद आता है। इस महीने में आकाश में कुहरा कम हो जाता है। सरसों, जौ, आलू, गेहूँ, चना, मटर और तीसी की फसलें तैयार हो जाती हैं। वसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा होती है। हम होली और रामनवमी की प्रतिक्षा करने लगते हैं। भौरे गुंजायमान होने लगते हैं। कोयल और पपीहा बोलने लगते हैं।

❖ वसंत ऋतु का महत्त्व - वसंत ऋतु के आते ही जाड़े की निर्दयता से सभी को मुक्ति मिल जाती हैं। गर्मी के आगमन से सभी प्रसन्न हो उठते हैं। यह मिला- जुला मौसम सभी के स्वास्थ्य के अनुकूल पड़ता है। तापक्रम का बढ़ना ठंढ की समाप्ति की सूचना देता है। सभी स्वस्थ हो उठते हैं। प्रेमिकाएँ भी प्रफुल्ल हो उठती हैं। कम भोजन से ही शरीर प्रसन्न रहता है। लोगों के हृदय की काम-भावना जाग्रत हो जाती है। नसों की सिकुड़न समाप्त हो जाती है। रक्त का दौरा संतोषजनक हो जाता है।

❖ ऋतुओं का राजा- वसंत ऋतु का एक अपना नशा होता है। सभी जाड़े के आक्रमण से मुक्ति पाने लगते हैं। चैत्र और वैशाख का आगमन होने लगता है। फूल खिल जाते हैं। आम में मंजरियाँ लग जाती हैं। ऋतुराज वसंत उत्साह और आशा से भरा मास होने के कारण सर्वश्रेष्ठ ऋतु है। ताजगी और स्फूर्ति का ऊर्जा ग्रह हो जाता है। जनजीवन तरोताजा और प्रफुल्लित हो उठता है। यह ऋतुओं में श्रेष्ठ है।

❖ निष्कर्ष- निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि वसंत ऋतु सभी ऋतुओं का राजा है। यह स्वास्थ्यवर्द्धक है। यह प्रसन्नता कारक है। यह कामोद्दीपक है

12. नशामुक्ति

❖ भूमिका- नशा उर्दू का प्रचलित शब्द है, जिसका हिन्दी पर्याय है 'मद'। किसी भी नशीले पदार्थ का उपयोग व्यक्ति की चेतना शक्ति को दबोच कर उसको अर्द्धचेतनावस्था में फेंक देता है, नशा कहलाता है। लोग कहते हैं नशा एक आनन्ददायक व्यसन है। पर समाज यह मानता है, नशा से व्यक्ति का स्वास्थ्य और परिवार दोनों ही बिगड़ जाते हैं। सत्य क्या है? यह तो नशेडी ही बता पायेंगे,

❖ नशा के प्रकार- नशा के कई प्रकार हैं- चाय, कॉफी, कोको भी इसी श्रेणी में आते हैं। धूम्रपान, मदिरापान, कोकीन, ब्राउन शुगर, गुटका, तम्बाकू खाना, चरस सेवन, अफीम सेवन, गाँजा, भाँग तो हमारे यहाँ के प्रचलित नशे हैं।

❖ परिवार पर प्रभाव - नशीली वस्तुओं का सीधा प्रभाव परिवार की सुख-शान्ति पर पड़ता है। आय का अधिकांश भाग नशे में खप जाता है। आपसी सम्बन्ध तनावपूर्ण रहते हैं। अधिकांश परिवारों में तो नशेड़ी घर में पत्नी पर नित्य ही अत्याचार करते हैं और सुबह उसके घावों पर हल्दी लगाते हैं। बच्चों की शिक्षा चौपट हो जाती है, उनका जीवन नरक तुल्य हो जाता है।

❖ स्वास्थ्य पर प्रभाव- स्वास्थ्य आनन्दमयी, सुखी जीवन की आधारशिला है। नशा का पहला प्रभाव स्वास्थ्य पर ही होता है। आँतें, गुर्दे, जिगर सब बिगड़ जाते हैं। यह सर्वमान्य सत्य है कि नशीले पदार्थ शरीर को खोखला कर देते हैं। नाना प्रकार की व्याधियों को जन्म देते हैं। जीवन दूभर हो जाता है। असमय में मृत्यु भी हो जाती है। सारा परिवार अनाथ हो जाता है।

❖ समाज पर प्रभाव - यह एक सुनिश्चित गणना है कि व्यक्ति से परिवार, परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र का स्वरूप बनता है। यदि समाज का एक व्यक्ति भी नशे का शिकार है, तो उसका प्रभाव प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समाज पर अवश्य पड़ता है।

❖ उपसंहार - मादक पदार्थ सेवन एक सामाजिक कलंक है और समूचे राष्ट्र के लिये यह एक चिन्ता का विषय है। यह व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्रहित घातक भी है। अतः इस प्रवृत्ति को रोकना हमारा राष्ट्रीय कर्त्तव्य है।

13. महँगाई की समस्या

❖ भूमिका - पिछले दो दशकों से महँगाई द्रौपदी के चीर की तरह निरंतर बढ़ती जा रही है। विभिन्न वस्तुओं के मूल्य में अप्रत्याशित वृद्धि को देखकर आश्चर्य होता है। निरंतर बढ़ती हुई महँगाई भारत जैसे विकासशील देश के लिए निश्चित ही भयानक अभिशाप कहा जा सकता है।

❖ कारण - बढ़ती हुई महंगाई का सर्वाधिक मुख्य कारण बढ़ती हुई जग संख्या है। पिछले 50 वर्षों में हमारे देश की जनसंख्या लगभग तीन गुनी हो गई है। जनसंख्या की वृद्धि के अनुपात से विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि नहीं हुई। जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ती है, वैसे-वैसे विभिन्न वस्तुओं की माँग में वृद्धि होती है। माँग के अनुपात में यदि वस्तुओं की पूर्ति में वृद्धि नहीं होती तो महँगाई का बड़ना स्वाभाविक ही है।

❖ महंगाई कम करने का उपाय - महंगाई का निवारण या निमत्रण पाने के लिए सरकार को कठोर कदम उठाना चाहिए तथा जनता को भी सादगीपूर्ण जीवन शैली में निष्ठा रखनी चाहिए। इसके अतिरिक्त आवश्यक पदार्थों के उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि होनी चाहिए। चुनाव वगैरह के नाम पर पैसों का अपव्यय न हो, यह ध्यान देना आवश्यक होगा। निम्न वर्ग तथा मध्यवर्ग के लोगों के साथ उज्ववर्ग के लोग भी महँगाई से त्रस्त हो उठे हैं। महँगाई का सबसे अधिक प्रभाव निम्न मध्य वर्ग पर हुआ है। इस वर्ग के लोग अपना सामाजिक स्तर भी बनाए रखना चाहते हैं तथा स्वयं को चक्रव्यूह में भी फैसा हुआ अनुभव करते हैं।

❖ उपसंहार- देश के नेता बार-बार आश्वासन देते हैं कि महंगाई को रोकने के लिए कारगर उपाय किये जा रहे हैं. परंतु नेताओं के आश्वासन पूर्णतः असफल सिद्ध हो रहे हैं। भारत एक निर्धन देश है। इस देश में मूल्यों का इस प्रकार बदना निश्चय ही बहुत भयानक है। मूल्य वृद्धि के कारण जनता की क्रयशक्ति बहुत ही कम हो गई है।

14. प्रदूषण / प्रदूषण की समस्या

❖ भूमिका - प्रदूषण आधुनिक सभ्यता के विकास का प्रतिफल है। इस कारण हवा धुलकण से भर जाती है, पानी गंदा हो जाता है और ध्वनि का अतिरेक सुनाई पड़ने लगता है। मिट्टी भी उपजाऊ नहीं रह जाती। चारों ओर जैसे हम विपत्तियों से घिरने लगते हैं। वायुमंडल ही गर्म हो उठता है।

❖ प्रदूषण के कारण- प्रदूषण बढ़ने के अनेक कारण हैं। पहला कारण बढ़ता शहरीकरण है। शहर जैसे जैसे बढ़ते हैं प्रदूषण भी वैसे-वैसे बढ़ता ही जाता है। औद्योगिकीकरण पर बढ़ता दबाव भी प्रदूषण बढ़ने का दूसरा बड़ा कारण है। हमारी बढ़ती जनसंख्या प्रदूषण बढ़ने का तीसस कारण है। जनसंख्या जैसे-जैसे बढ़ती है वैसे-वैसे गंदगी और प्रदूषण बढ़ता जाता है। पेड़-पौधे प्रदूषित हवा को शुद्ध करते हैं। अब पेड़-पौधे बेतहाशा काटे जा रहे हैं। जंगल कट रहे हैं। यह प्रदूषण बढ़ने का चौथा कारण है। कल-कारखानों के बढ़ने के कारण उनका कचरा नदियों में बह रहा है।

❖ प्रदूषण के प्रकार- प्रदूषण वायु, ध्वनि, जल एवं मिट्टी की दिशाओं में फैलता हैं। अतः इसे वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण एवं मिट्टी प्रदूषण कहते हैं। इन सभी दिशाओं में हमें प्रदूषण से बचनः होगा।

❖ हानि- प्रदूषण से जन जीवन को हानि पहुँचती है। प्रदूषित वायु के कारण स्वास लेना मुश्किल हो जाता है। फेफड़े रोग-ग्रस्त हो उठते हैं। रक्त दूषित होने लगता है। ध्वनि प्रदूषण के कारण कान बहरे हो जाते हैं। गाड़ी की चिल्ला-पो ने शहरों में पैदल चलना दूभर कर दिया है। मोबाइल के प्रदूषण ने कान को बहरा कर हमारे मस्तिष्क की एकाग्रता शक्ति छीन ली है।

❖ उपसंहार - समासतः हम कह सकते हैं कि प्रदूषण आधुनिक शहरी जीवन के लिए अभिशाप है। यह विश्व में तीव्र गति से बढ़ रहा है। इस धरती का कल्याण बहुत दूर होता जा रहा है।

15. विज्ञान वरदान या अभिशाप

❖ भूमिका- आज का युग विज्ञान का युग है। हमारे जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है, पूरी दुनिया में विज्ञान का पताका लहरा रही है। जीवन तथा विज्ञान एक-दूसरे के पर्याग बन गए हैं। विज्ञान से मानव को असीमित शक्ति प्रदान हुई है।

❖ उपयोगी पक्ष- आधुनिक मानव का सम्पूर्ण जीवन विज्ञान के वरदानों के आलोक से आलोकित हैं। विज्ञान ने हमें रेल, वायुयान, टेलीविजन, मोबाइल, रेडियो, एयर कंडीशनर आदि देकर जहाँ मनुष्य को सुविधाएँ दी है, वही यह प्रमाणित किया है कि आज की दूनिया इसकी मुट्ठी में है। विज्ञान ने शिक्षा मनोरंजन, स्वास्थ्य, व्यापार, मानव कल्याण, संचार आदि क्षेत्रों में हमारी दूनिया ही बदल दी है।

❖ विनाश पक्ष- विज्ञान जितना कल्याणकारी है उतना ही विनाशकारी भी है, विज्ञान के मानव की इच्छाओं को असीमित कर भौतिकवादी बना दिया है। सुविधा प्रदान करने वाले उपकरणों ने मनुष्य को आलसी बना दिया है जिससे शारीरिक शक्ति का हास हो रहा है और नये-नये रोग भी उत्पन्न हो रहे हैं। मंत्रों के अत्यधिक उपयोग ने देश में बेरोजगारी बढ़ा दी है। विज्ञान अद्भुत संहारक एवं विनाशकारी अस्त्र-शस्त्रों का जन्मदाता भी है। इससे मानव जाति का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता है।

❖ उपसंहार- विज्ञान मानवता के लिए सुन्दर उपहार हैं। विज्ञान का सदुपयोग और दुरुपयोग मनुष्य के हाथ में है। यह बात मनुष्य पर निर्भर करता है कि यह उसका प्रयोग वरदान के रूप में करता है या फिर अभिशाप के रूप में। विज्ञान एक तलवार की तरह होता है जिससे मनुष्य की रक्षा भी की जा सकती है और अपने आप को हानि भी पहुँचाई जा सकती है। अर्थात् विज्ञान का सदुपयोग और दुरुपयोग मनुष्य के हाथ में है।

16. पुस्तकालय

❖ भूमिका- संसार की उन्नति का कारण और परिणाम दोनों पुस्तकें ही है। पुस्तकों के कारण संसार के एक कोने से दूसरे कोने तक जानकारी, ज्ञान और अनुभव का विस्तार हुआ। परिणामस्वरूप आज अत्यंत दुर्लभ विषयों पर हर भाषा में किताबें उपलब्ध है। पुस्तकें असंख्य होना संसार की उन्नति को दर्शाता है। पुस्तकालय का अर्थ होता है- पुस्तकों का घर। यहाँ पर ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, राजनीति विज्ञान आदि विषयों की अलग-अलग भाषाओं में पुस्तकों का संग्रह होता हैं |

❖ पुस्तकालय का महत्त्व- मानव जीवन में प्राचीन काल से रही है। यहाँ संसार के सर्वोत्तम ज्ञान और विचारों का संगम होता है। किसी प्राचीन विषय का अध्ययन करना हो या वर्तमान विषय का, विज्ञान और तकनीकी का अध्ययन करना हो या किसी कला या साहित्य का, कविताओं की कोई अच्छी पुस्तक चाहिए या किसी महापुरुष की जीवनी सब कुछ एक स्थान पर यानी पुस्तकालय में हमें मिल जाता है। पुस्तकालय हमारे विद्यार्थी जीवन में बहुत ही महत्त्वपूर्ण स्थान रखते हैं |

❖ लाभ- पुस्तकालय से अनेक लाभ हैं। सभी प्रकाशित पुस्तकें खरीदना सबके बस की बात नहीं। गरीब हो या अमीर जो भी शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं उनके लिए पुस्तकालय एक सच्चा मित्र के समान होती है।

❖ उपसंहार- प्राचीनकाल से ही भारतीय जनता को पुस्तकों में रुचि के साथ-साथ हस्तलिखित ग्रंथों को संग्रह करने की परम्परा रही है। नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला आदि प्राचीन विश्वविद्यालयों में बड़े-बड़े पुस्तकालय के प्रमाण है। वर्तमान समय भारत में कई वृहद सार्वजनिक व विश्वविद्यालयी पुस्तकालय है जिनमें हर विषय की हर प्रकार की पुस्तक उपलब्ध है।

17. होली

❖ भूमिका- होली एक ऐसा रंगबिरंगा त्योहार है जो एक साथ मौज-मस्ती, रवानी-जबानी, रंगीली, अलमस्ती की याद दिलाती है। रंग और उल्लास का पर्व होली मनाने की तैयारी वसंत पंचमी से ही शुरू हो जाती है। भारतवर्ष के कोने-कोने में यह उत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को शाम मुहूर्त के अनुसार होलिका कुंड का पूजन कर होलिका दहन किया जाता है।

❖ लाभ- होली का यह पर्व पाप पर पुण्य तथा दानवता पर देवत्व के विजय का प्रतीक है। हर्षोल्लास का यह पर्व होली प्रीति का पेय है। यह पर्व हमें वैमनस्य, ईर्ष्या, द्वेष को भूलने तथा परस्पर प्रेम, स्नेह एवं एकता की भावना के साथ रहने का संदेश देता है। सभी लोग इस दिन अपने सारे गिले, शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को रंग-अबीर लगाकर गले लगाते हैं। होली के रंग हम सभी को जोड़ता है और रिश्तों में प्रेम और अपनत्व के रंग भरता है।

❖ हानि- कुछ अबोध जन इस दिन दूसरों पर सड़ा कीचड़ उछालते हैं, पत्थर फेंकते हैं, मद्यपान कर शर्मनाक गाने और गाली-गलौज करते हैं। कुछ लोग इस अवसर पर पुरानी अदावत का बदला लेना चाहते हैं.

❖ उपसंहार - होली एक सामाजिक पर्व है। होली भारत की सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है और यह हमें प्रेम, स्नेह, भ्रातृत्व तथा एकता का पाठ पढ़ाता है।

आवेदन पत्र / पत्र लेखन

(1) अपने प्रधानाचार्य के पास आवेदन पत्र लिखिए जिसमें खेल का सामान उपलब्ध कराने की प्रार्थना करें। (2015, 2016, 2020, 2024, BM 2026)

उत्तर- सेवा में,

श्रीनान् प्रधानाचार्य महोदय
तिरहुत अकाडमी, समस्तीपुर

विषय- खेल सामग्री उपलब्ध कराने हेतु।

महोदय,

इस विद्यालय में पाँच हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं। इस विद्यालय में एक बड़ा खेल का मैदान भी है। लेकिन खेल-उपकरण एवं खेल-सामग्री उपलब्ध नहीं है।

अत: आपसे निवेदन है कि क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल शतरंज, लूडो. कैरमबोर्ड इत्यादि आम खेलकूद के सामान शीघ्र उपलब्ध करा दिए जाएँ। उत्तम स्वास्थ्य के लिए खेल अनिवार्य है। उत्तम पढ़ाई के लिए भी खेल अनिवार्य है। राष्ट्र के लिए तेजस्वी खिलाड़ी पैदा हों-इसलिए भी खेलकूद अनिवार्य है। आशा है आप हम छात्रों के निवेदन को मानने की कृपा करेंगे।

दिनांक
20-01-2026

भवदीय
छत्र ज्ञ एवं
छात्रगण

(2) मासिक शुल्क माफ करने के लिए प्रधानाचार्य के पास आवेदन-पत्र लिखें। (2016, 2020, 2021, 2024)

उत्तर- सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय
समस्तीपुर कॉलेज, समस्तीपुर

द्वारा - वर्ग शिक्षक महोदय

विषय- मासिक शुल्क माफ करने हेतु।

महोदय,

मैं 12 वीं कक्षा का विज्ञान का छात्र हूँ। मैं हर कक्षा में प्रथम श्रेणी में पास करता रहा हूँ। छ: भाई और चार बहनों का परिवार है। खर्च अधिक है। फसल बर्बाद होने के कारण आमदनी कम हो गई है। खर्च बढ़ गया है। पैसे खत्म हो गए हैं। मेरे अभिभावक मासिक शुल्क जमा करने में अपने को असमर्थ पा रहे हैं।

अत: आपसे निवेदन है कि मासिक शुल्क 5000/- माफ करने की कृपा की जाए।

इस सारस्वत सहयोग के लिए मैं सदा आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी छात्र
संजय कुमार
कक्षा - 12

(3) नया खाता खुलवाने हेतु बैंक प्रबन्ध के पास एक आवेदन पत्र लिखें। [2021, 2023]

सेवा में,
शाखा प्रबन्धक
पंजाब नेशनल बैंक,
काशीपुर, समस्तीपुर

विषय : नया खाता खुलवाने के संबंध में

महाशय,

सविनय निवेदन है कि मैं काशीपुर, समस्तीपुर का स्थायी निवासी हूँ। मुझे आपके शाखा में नया खाता खुलवाने की इच्छा है। इसके लिए आवश्यक सभी कागजात मेरे पास है।

अतः श्रीमान् से आग्रह है कि मेरा खाता अपने बैंक में खोलने की कृपा क रें। इसके लिए मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।

दिनांक : 05-02-2026

आपका विश्वासी
अमित कुमार
काशीपुर, समस्तीपुर

(4) महाविद्यालय के प्रधानाचार्य को पुस्तकालय में हिन्दी की पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने हेतु पत्र लिखें। [2018, 2024]

सेवा में,
श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय

विषय- पुस्तकालय में हिन्दी पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने हेतु ।

महोदय,

मैं अमित कुमार आपके महाविद्यालय के सत्र 2024-2026 के इंटर का छात्र हूँ।

पुस्तकालय में हिन्दी की पत्रिकाएँ उपलब्ध न होने के कारण हम सब सहपाठियों को पठन-पाठन करने में दिक्कतें हो रही है।

अतः श्रीमान् से आग्रह है कि पुस्तकालय में हिन्दी पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने की कृपा करें।

धन्यवाद सहित !
दिनांक : 06-02-2026

आपका आज्ञाकारी
छात्र
हम सब सहपाठी

5. अपने पिता के पास पत्र लिखते हुए अपने छात्रावास के जीवन के बारे में बताएँ |

पटना कॉलेजिस्ट स्कूल, पटना
02.01.2026

आदरणीय पिता जी,

सादर चरण स्पर्श।

आपका पत्र मिला। समाचारों से अवगत हुआ। आपने मेरे छात्रावास जीवन के बारे में पूछा है। वही वर्णन मैं कर रहा हूँ।

छात्रावास में मेरे साथ कमरे में चार और छात्र रहते हैं। सभी मेधावी छात्र हैं। वे सभी मुझे पढ़ने-लिखने की प्रेरणा देते रहते हैं। हम सभी सबेरे पाँच बजे उठ जाते हैं। नित्यकर्म से निवृत होकर, स्नानकर हम लोग छः से सात बजे तक पढ़ते हैं। पुनः जलपान करते हैं। पुनः दस बजें तक पढ़ते हैं। पुनः विद्यालय चले जाते हैं। वहाँ चार बजे तक पढ़ाई होती है।

शाम को पाँच बजे तक जलपान कर हमलोग मैदान में फुटबाल खेलने जाते हैं। छः बजे पुनः आकर अपनी पढ़ाई में जुट जाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य सामंजस्य बताया गया है। हमलोग सामंजस्यपूर्ण ढंग से रहते हैं। हमलोग पहले विस्तारपूर्वक पढ़ते हैं। तब गहराई से दस-दस प्रश्नों के उत्तर तैयार कर याद करते हैं। दस बजे भोजन कर सो जाते हैं। दूसरे दिन पुनः उठकर अपने काम में जुट जाते हैं।

इस प्रकार छात्रावास का जीवन हमारा शांतिपूर्ण ढंग से बीत रहा है। उम्मीद है कि अगली परीक्षा में मैं नब्बे प्रतिशत अंक पा जाऊँगा।

आपका आज्ञाकरी पुत्र
रोहित कुमार
पटना

6. अपने मित्र को पत्र लिखकर अपनी परीक्षा की तैयारी के बारे में बताएँ |

पटना हाई स्कूल पटना
03.01.2026

प्रिय मित्र शेखर,

मेरी परीक्षा सन्निकट है। मैं पूरे मनोयोग से अपनी परीक्षा की तैयारी में जुटा हूँ।

मैं परीक्षा की तैयारी कैसे कर रहा हूँ-इसके बारे में लिख रहा हूँ। मैं पुस्तक खूब खरीदता हूँ। कॉपी लिख-लिखकर भर डालता हूँ। पहले तथ्यों को सही-सही प्राप्त करता हूँ। पुनः प्रश्नोत्तर तैयार करता हूँ। उसे दुहराता हूँ। उसका निरीक्षण करता रहता हूँ कि पाठ याद हुए या नहीं। पुनः सभी को कड़ी के रूप में जोड़ता हूँ। पुनः पिछले किसी वर्ष का प्रश्न पत्र उसका उत्तर लिखता हूँ। उसे किसी शिक्षक या मित्र से जँचवा लेता हूँ। मैं हमेशा अपने कमजोर विषय की खोज में लगा रहता हूँ | पुनः उसे तैयार कर आगे बढ़ जाता हूँ |

इस प्रकार से ही परीक्षा की तैयारी चलती रहती हैं |

तुम्हारा छात्र
गणेश
पटना

7. अपने पिता के पास एक पत्र लिखें, जिसमें रूपये भेजने को प्रार्थना की गयी हो |

M. R. D. +2 सीतामढ़ी
02 फरवरी, 2026

पूजनीय पिताजी,
सादर प्रणाम!

मैं यहाँ सकुशल छात्रावास में रह रहा हूँ। आशा है, आपलोग भी सकुशल होंगे। मुझे पुस्तक खरीदने के लिए रुपये की आवश्यकता है। छात्रावास का शुल्क और भोजन इत्यादि का खर्च भी चाहिए। अतः कृष्या 5,000 रुपये शीघ्रातिशीघ्र ए० टी० एम० से भेजने की कृपा करें। मैं वचन देता हूँ कि एक पैसा भी अब से फिजूलखर्ची में खर्च नहीं करूँगा। माताजी को प्रणाम! छोटे भाई-बहनों को आशीर्वाद।

आपका सुपुत्र
नरेन्द्र

8. सड़क की जर्जर स्थिति के बारे में अपने वार्ड आयुक्त अथवा मुखिया को एक पत्र लिखें |

सेवा में,
मुखिया जी
ग्राम पंचायत साहोविघा, बिहार
विषय - सड़क की स्थिति में सुधार हेतु
महाशय,

सविनय सूचित कर रहा हूँ कि वार्ड० संख्या 12 की सड़क काफी जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह यह टूट कर गड्ढ़े में तब्दील हो चुकी है। आए दिन इसके कारण दुर्घटनाएँ हो रही हैं।

अतः श्रीमान् से नम्र निवेदन है कि सड़कों की मरम्मती अथवा पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए ताकि इस समस्या का समुचित निदान हो सके।

दिनांक
5 – 01 – 2026

भवदीय
मनोज
वार्ड - 12 की आम जनता
ग्राम पंचायत साहोविघा, बिहार

9. वार्षिक परीक्षा की तैयारी का उल्लेख करते हुए अपनी माताजी को एक पत्र लिखें |

पाटलिपुत्र इण्टर कॉलेज,
पटना-800003
16.01.2026

आदरणीय माताजी,

चरणों में प्रणाम। आपका कृपा पत्र मिला। गाँव के समाचारों से अवगत हुआ। मन प्रसन्न हुआ। आपने अपने पत्र में वार्षिक परीक्षा की तैयारी के बारे में पूछा है। मैं उसी का उत्तर दे रहा हूँ।

मैं वार्षिक परीक्षा की तैयारी परिश्रम पूर्वक कर रहा हूँ। मेरी पढ़ाई के घंटे दस से ऊपर है। मैं प्रतिदिन पढ़ता हूँ। प्रतिदिन लिखता हूँ। किसी भी वर्ष का प्रश्न उठाकर उसका उत्तर तीन घंटे में लिखता हूँ। इसकी जाँच अपने एक मित्र से ही करवा लेता हूँ। इस जाँच में मेरे अंक क्रमशः, उत्तरोत्तर बढ़ते ही जाते हैं। मैं कमजोर विषय पर अधिक ध्यान देता हूँ। पुस्तकों की कमी मेरे पास नहीं है। पुस्तकें सोचने की मशीन हैं। कुछ पुस्तकों को पढ़ता हूँ और कुछ को चबा जाता हूँ, कुछ को पचा जाता हूँ। मैं पुस्तकों को पुंख-पुंख पढ़ जाता हूँ। कभी ऊबता नहीं। रात्रि में कम खाना खाकर देर तक पढ़ता हूँ। आप माता जी, मेरी पढ़ाई की चिन्ता न करें। जब मैं अंक लेकर आऊँगा तो आपको अंकपत्र दिखलाऊँगा। पिताजी को प्रणाम। छोटे भाई-बहनों को प्यार।

आपका आज्ञाकरी
पुत्र गणेश पटना

10. अपने भाई के वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए अपने मित्र को एक पत्र लिखें |

पटना कॉलेजिएट स्कूल,
पटना
08.01.2026

प्रिय मित्र नरेश,

तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हारी पढ़ाई-लिखाई दस घंटे प्रतिदिन की दर से उत्तमोत्तम ढंग से चल रही है-यह जानकर अपार खुशी हुई। मेरे भाई की शादी 20 जुलाई को होनेवाली है। वह आई०ए०एस० की परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया है। इस शादी में सम्मिलित होने के लिए मैं तुम्हें आमंत्रित कर रहा हूँ। हम दोनों बारात के साथ चलेंगे। शेष कुशल। चाचा-चाची जी को भी मेरा विनम्र प्रणाम कहना न भूलना।

तुम्हारा अभिन्न मित्र
अमित कुमार
मीठापुर, पटना-
800001

संक्षेपण – 4 अंक

❖ संक्षेपण करने का तरीका –

$$\text{संक्षेपण} = \frac{\text{कुल शब्द}}{3} = \text{भागफल} + \text{शेषफल}$$

1. संक्षेपण करें- [2019A, 2022A]

भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है। भारतीय त्योहार मुख्य रूप से फसलों के त्योहार है। इसका कारण है, भारत का कृषि-प्रधान देश होना। लगभग सभी त्योहार धर्मों से संबंधित हैं। भारत अनेक धर्मों का देश है। यहाँ हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख, पारसी, ईसाई और इस्लाम धर्म को माननेवाले लोग रहते हैं। सभी धर्मों को मानने वाले को अपने-अपने धर्म पालन करने और त्योहार मनाने की स्वतंत्रता है। इसलिए धार्मिक त्योहार भी विविधता लिए हुए हैं। इनसे एक-दूसरे के धर्मों को जानकर अच्छे मनुष्य बनने का भाव जागृत होता हैं | दशहरा दीपावली श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, रामनवमी, ईद, मोहर्रम, गुरुपर्व, कृषमश, माहवीर जयंती आदि धार्मिक त्यौहार हैं |

उत्तर- शीर्षक - भारत: त्योहारों का देश

भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है। फसलों से ये त्योहार जुड़े हुए हैं। इसी कारण भारत कृषि-प्रधान देश है। भारत अनेक धर्मों का देश है। एक-दूसरे के धर्मों को जानकर अच्छे मनुष्य बनने का भाव जागृत होता है।

कुल शब्द- 106
प्रयुज्य शब्द-35
प्रयुक्त शब्द-40

2. संक्षेपण करें- [2011A,2020A,2023A]

अनुशासन की आवश्यकता छात्र-जीवन के लिए सबसे अधिक है। वे विवेक-संगतश्रृंखला में बँधे रहने की आदत डालें। उनकी क्षमता बिखरकर नष्ट न होने पाए, उनकी साधना के बादल चट्टान और बंजर पर न बरसे, उनकी लालसा कलंक से काले पड़े भौरे की लालसा-मात्र न बन जाए-इसके लिए छात्रों को व्यावहारिक जीवन में अनुशासन के नियमों का पालन करना परमावश्यक है। जीवन के हर क्षेत्र में अनुशासन की आवश्यकता पड़ती है। केवल विद्यालय में नहीं, वरन् परिवार एवं समाज में भी अनुशासन के नियमों का पालन करना चाहिए। उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि पूरी सृष्टि और पूरा ब्राह्मांड भी अनुशासन में बढ़ा हैं | जीवन में अनुशासन ना हो तो हम आसानी से आराजकता का शिकार हो जायेंगें |

उत्तर- शीर्षक- जीवन में अनुशासन की आवश्यकता छात्र-जीवन के लिए सबसे अधिक है। अन्यथा वे बिखर जाएँगे। जीवन के हर क्षेत्र में अनुशासन की आवश्यकता पड़ती है। पूरी सृष्टि और पूरा ब्रह्माण्ड अनुशासन में बँधा है। जीवन में अनुशासन न हो तो हम आसानी से अराजकता का शिकार हो जाएँगे।

कुल शब्द-119
प्रयुज्य शब्द-39
प्रयुक्ता शब्द-41

3. संक्षेपण करें- [2021A, 2023A]

विगत एक दो दशकों से युवा वर्ग में अपव्यय की प्रवृत्ति बढ़ रही है। भोगवाद की ओर युवक अधिक प्रवृत्त हो रहे हैं। वे सुख-सुविधा की प्रत्येक वस्तु पा लेना चाहते हैं और अपनी आय और व्यय में तालमेल बिठाने की उन्हें चिन्ता नहीं है। धन-संग्रह न सही, कठिन समय के लिए कुछ

बचाकर रखना भी वे नहीं चाहते। उन्हें लुभावने विज्ञापनों के माध्यम से लुभाकर उत्पादक व्यवसायी भरमाते हैं। परिणामस्वरूप आज का युवक मात्र उपभोक्ता बनकर रह गया है। अनेक कंपनियाँ और बैंक क्रेडिट कार्ड देकर उनकी खरीद-शक्ति को बढ़ाने का दावा करती है, बाद में निर्ममता से रकम वसूलते हैं।

उत्तर- शीर्षक- अपव्यय की प्रवृत्ति

विगत एक-दो दशकों से युवा-वर्ग में अपव्यय की प्रवृत्ति बढ़ रही है। भोगवाद की ओर युवक अधिक प्रवृत्त हो रहे हैं। वे सुख-सुविधा की प्रत्येक वस्तु पा लेना चाहते हैं। युवक मात्र उपभोक्ता बनकर रह गया है।

कुल शब्द-101
प्रयुज्य शब्द-34
प्रयुक्त शब्द-37

4. संक्षेपण कीजिए- [2020A,2023A]

हमारे देश में जो हाल हाल तक गुलाम बना रहा, नागरिक स्वतंत्रता का मूल्य समझना जरा कठिन है। अभी हमारे देश की जनता का ध्यान रोटी, कपड़ा, मकान और रोजगार की ओर गया है। प्रायः लोग यह कहते सुनाई देते हैं कि हमें इससे मतलब नहीं कि इस देश में किसका शासन है, जनतंत्र है या तानाशाही हमें तो रोटी चाहिए, रोजगार चाहिए दवा चाहिए। इन आवश्यकताओं को कोई भी पूरा कर दे। जनता की यह मानसिक स्थिति ठीक नहीं। यदि जतना की सूझ-बूझ ऐसी ही रही, तो फिर स्वतंत्रता, जो असीम बलिदान देकर प्राप्त की गई है, मिट जाएगी।

उत्तर- शीर्षक- नागरिक स्वतंत्रता का मूल्य

अभी हम गुलाम थे। नागरिक स्वतंत्रता का मूल्य आजाद होने के बाद भी हम नहीं समझे। जनता की यह मानसिक अवस्था ठीक नहीं। यदि जनता की सूझ-बूझ ऐसी ही रही, तो स्वतंत्रता मिट जाएगी।

कुल शब्द- 100
प्रयुज्य शब्द-34
प्रयुक्त शब्द- 34

5. संक्षेपण कीजिए- [2021, 2022]

पृथ्वी माता है, मैं उसका पुत्र हूँ। यही स्वराज्य की भावना है। जब प्रत्येक व्यक्ति, जिस पृथ्वी पर उसका जन्म हुआ है, उसे अपनी मातृभूमि समझने लगता है, तो उसका मन मातृभूमि से जुड़ जाता है। मातृभूमि उसके लिए देवता के समान है। जीवन में चाहे जैसा अनुभव हो, वह मातृभूमि से द्रोह की बात नहीं सोचता, मातृभूमि के प्रति जब यह भाव दृढ़ हो जाता है, तब वहीं से सच्ची राष्ट्रीय एकता का जन्म होता है। उस स्थिति में मातृभूमि पर बसने वाले नागरिकगण एक-दूसरे से सौदा करने या शर्त तय करने की बात नहीं सोचते, बल्कि मातृभूमि के प्रति अपने कर्त्तव्य की बात सोचते हैं।

उत्तर- शीर्षक-मातृभूमि/राष्ट्रीय एकता

जब प्रत्येक व्यक्ति का मन मातृभूमि से जुड़ जाता है तब वह मातृभूमि से द्रोह की बात नहीं सोचता। वहीं से सच्ची राष्ट्रीय एकता का जन्म होता है। वे मातृभूमि के प्रति अपने कर्त्तव्य की बात सोचते हैं।

कुल शब्द- 106
प्रयुज्य शब्द- 35
प्रयुक्त शब्द- 38

6. आज की भागदौड़ के इस युग में न केवल व्यापारी, वकील, अभिनेता, शिक्षक, चिकित्सक, इंजीनियर और प्रबंधक ही तनाव के शिकार हैं, बल्कि अपने कैरियर और परीक्षा से चिंतित छात्र-छात्राएँ भी कम तनावग्रस्त नहीं हैं। इसका बुरा प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। कुछ लोग अर्थिक तंगी के कारण तनावग्रस्त हैं, तो कुछ सभी प्रकार की सुविधाओं से सम्पन्न होंते हुए भी उन्हें बनाए रखने और निरन्तर बढ़ाने की भाग-दौड़

उत्तर- शीर्षक- तनावग्रस्तता

आधुनिक भागदौड़ मेरे इस युग में सभी तनाव के शिकार हैं। कोई अपने कैरियर का परीक्षा, आमदनी का स्रोत, कोई आर्थिक तंगी, सुविधाओं को बनाए रखना आदि किसी-न-किसी कारण से तनावग्रस्त हैं। यह तनाव विभिन्न रोगों का कारण है। इसके कारण लोग-भोजन, परिजन, मनोरंजन सबकी उपेक्षा करता है।

कुल शब्द- 128
प्रयुज्य शब्द- 43
प्रयुक्त शब्द- 50

Note – अपनी तैयारी को बहतरीन करने के लिए दिए गए Video पर Click कर के जरुर देखें

👉किसी भी सहायता के लिए आप कॉल /व्हाट्सएप कर सकते है।

Helpline No.
7700879453
6201320598
9234080284

Motivation Channel Link :- 👇👇
https://youtube.com/@sanjaysir_ka_ladla

Full Course App Link :- https://play.google.com/store/apps/details?id=co.dishaonlineclasses

👉10वीं के लिए :-

Youtube: https://www.youtube.com/@DishaOnlineClasses

Telegram: https://telegram.me/dishaonlineclasses

Disha Online Test App:- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.disha.testborad

NOTE – हम आपके लिए दिन-रात मेहनत कर रहें हैं, परन्तु सफ़लता आपके मेहनत पर निर्भर करती हैं |

WhatsApp Channel - https://whatsapp.com/channel/0029Va5QfNLJ3jnxlfK31A1Q

11th & 12th Science के लिए YouTube Channel 👇👇👇
https://youtube.com/@DishaScienceClasses?si=9nhYwSP1atdrZypp

11th & 12th Hindi और English के लिए YouTube Channel 👇👇👇
https://youtube.com/@dishahindienglish?si=nxq9gu5D7NvNvPQd

11th & 12th Arts के लिए YouTube Channel 👇👇👇
https://youtube.com/@DishaArtsClasses?si=xYfGdGgMkDC3q0wd

11th & 12th Commerce के लिए YouTube Channel 👇👇👇
https://youtube.com/@dishacommerceclasses?si=aqILGXaeOqLNfHrt